दैनिक

डिजिटल राष्ट्रीय डेली न्यूज पेपर दैनिक लोकतंत्र की आवाज बिहार से प्रकाशित संपूर्ण बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश में प्रसारित!

Digital Daily News Paper R.N.I. 68041/93 सूचना प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार

लोकतंत्र की आवाज

● नवादा से प्रकाशित ● नवादा, शनिवार 13 दिसबंर 2025 ● वर्ष : 03 अंक : 913

संक्षिप्त खबरें ।

महागठबंधन में टूट के आसार! 18 विधायक NDA में आने को तैयार, JDU के दावे ने बढ़ाया बिहार का सियासी पारा

लोक तंत्र की आवाज़

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव में 202 सीट जीतकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की सत्ता में वापसी के बाद भी राज्य की राजनीति में हलचल जारी है। जनता दल यूनाइटेड (JDU) जदयू के विधानपरिषद सदस्य एवं प्रवक्ता नीरज कुमार ने दावा किया कि महागठबंधन के 17-18 विधायक उनकी पार्टी के संपर्क में हैं। कुमार ने दावा किया कि इन विधायकों ने स्वयं पहल की है और उन्हें "धैर्य रखने" की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद विपक्षी खेमे में असंतोष और अंदरूनी स्थिति को लेकर गंभीर उथल-पुथल है।

RJD ने किया खारिज : नीरज कुमार के इस बयान पर महागठबंधन के प्रमुख घटक दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रवक्ता चितरंजन गगन ने इस दावे को "निराधार, मनगढ़ंत और राजनीतिक पब्लिसिटी स्टंट" करार दिया। गगन ने आरोप लगाया कि जदयू और भाजपा अपने "आपसी सत्ता संघर्ष" को छिपाने के लिए ऐसी बातें फैला रही हैं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन के विधायक जनता के मुद्दों--नफरत, पलायन और रोजगार—के आधार पर चुने गए हैं तथा किसी तरह की टूट की संभावना नहीं है।

चितरंजन गगन ने कहा कि महागठबंधन से 17-18 विधायक तोड़ने की बात बेमानी है, क्योंकि इसके लिए जदयू को राजद, कांग्रेस और एआईएमआईएम—तीनों में सेंध लगानी होगी। महागठबंधन सूत्रों ने स्पष्ट किया कि उनकी पंक्ति में किसी तरह की टूट की गुंजाइश नहीं है और जदयू का दावा राजनीतिक भ्रम फैलाने की कोशिश मात्र है।

शाह के फिसली जुबान-निकली गाली! सदन में मच गया हंगामा!

लोक तंत्र की आवाज़

नईदिल्ली। इन दिनों वोट चोरी और वन्दे मातरम को लेकर सियासी पारा हाई चल रहा है। सड़क से लेकर संसद तक इसकी गूँज है। सदन में इन मुद्दों पर जमकर चर्चा हो रही है। वहीं इसी बीच सदन में बीते रोज कुछ ऐसा हुआ जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। देश का गृह मंत्री ही सदन में बोलते हुए अपशब्द का प्रयोग करने लगे तो क्या होगा। जी हाँ ऐसा ही हुआ जब राहुल गांधी के बयानों और उनके द्वारा दिए गए चैलेंज को शाह साहब स्वविकार नहीं कर पाए और उन्होंने 'साला' जैसे शब्द का प्रयोग कर दिया जिसके बाद उन्होंने इसे टंग स्लिप अर्थात ज़ुबान का फिसलना बता दिया। वहीं शाह के इस बयान पर अब सियासत तेज हो गई है। विपक्ष इसे लेकर शाह और भाजपा पर हमलावर है। ऐसे में शाह के बयान को राहुल गांधी अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म X पर पोस्ट करते हुए लिखा कि- अमित शाह का संसद में "साला" कहना वोट चोरी को लेकर उनकी घबराहट और बेईमानी को बेनक़ाब करता है।

वहीं सदन में शाह के इस बयान के सामने आने के बाद राहुल गांधी ने कहा था कि महोदय यह असंसदीय शब्द है. साथ ही गौरव गोगोई ने कहा क्या आप बाज़ार में बात कर रहे हैं? जिसके बाद

अमित शाह ने अपनी सफाई में कहा मान्यवर, अगर मैंने कोई गलत शब्द बोला है तो आप उसको संसीदय कार्यवाही से निकाल दीजिए. फिर क्या बिड़ला जी, जिनके चेहरे पर हमेशा बीजेपी के लिए एक हल्की सी मुस्कान छाई रहती है, उन्होंने इसे स्वविकार करते हुए अपने सिर हिलाया. चुनाव आयोग का सम्मान और बिड़ला जी का हाल देखकर अमित शाह के पीछे बैठे सत्ताधारी दल के नेता हंसने लगे।

बीजेपी नेता संसद में होने वाली बहसों में हर साल चार चाँद लगा ही देते हैं। पिछली बार रमेश बिधूड़ी जी ने यह करतब कर दिखाया था. इस बार चूंकि वो नहीं हैं इसलिए अमित शाह जी ने उनकी कमी पूरी कर दी है। हालांकि इस बयाना से उनकी जमकर आलोचना भी हो रही है। वहीं शाह के इस बयान पर आज राहुल गांधी ने दावा किया कि लोकसभा में अपनी बात रखते हुए गृह मंत्री अमित शाह बहुत 'नर्वस' नजर आए तथा उन्होंने बहस की चुनौती पर कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश ने देखा कि अमित शाह मानसिक रूप से बहुत दबाव में हैं। राहुल गांधी ने संसद परिसर में कहा ''अमित शाह जी कल संसद में बड़े नर्वस थे। उनके हाथ कांप रहे थे, उन्होंने गलत भाषा का इस्तेमाल किया।

दरअसल गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी का नाम लिया. साथ ही उन्होंने कहा कि विपक्ष ने चुनाव सुधार की जगह एसआईआर प्रक्रिया पर ही चर्चा की है. अमित शाह ने कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाया कि उसने "झूठ फैलाया है और देश की जनता को गुमराह करने का प्रयास किया है." अमित शाह के भाषण के दौरान कांग्रेस के सांसदों ने सदन का बायकॉट किया. संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए राहुल गांधी ने अमित शाह के भाषण को डिफ़ेंसिव बताया. राहुल गांधी ने संसद के बाहर कहा, "गृह मंत्री का जवाब पूरी तरह से डिफ़ेंसिव था. हमने जो पॉइंट्स रखे हैं, उनका जवाब नहीं दिया. एक उदाहरण लेकर बोल रहे हैं. यह पूरी तरह से डिफ़ेंसिव रिस्पॉन्स था।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाया था. राहुल गांधी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में वोट चोरी का आरोप लगाते हुए कहा था, "ब्राज़ील की एक महिला का नाम हरियाणा की वोटर लिस्ट में 22 बार आया. और सिर्फ़ इतना ही नहीं, एक महिला ऐसी भी है जिसका नाम हरियाणा के एक ही निर्वाचन क्षेत्र में 200 से ज़्यादा बार आया है." "यह बिल्कुल साफ़ है और मैंने बिना किसी शक के यह साबित किया है कि हरियाणा में चुनाव चोरी हुआ था और ये वोट चोरी भारत के चुनाव आयोग ने सुनिश्चित की थी." उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने उनकी ओर से उठाए गए सवालों का जवाब नहीं दिया।

राहुल गांधी ने बिहार में हुए स्पेशल इंटेंसिव रिवीज़न का ज़िक्र करते हुए कहा, "ऐसा क्यों है कि बिहार में एसआईआर के बाद भी बिहार की वोटर लिस्ट में 1.2 लाख डुप्लीकेट फ़ोटोज़ मौजूद हैं?

आखिरी सांस तक करूंगा अनशन... अन्ना हजारे की महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी, CM फडणवीस ने घुमाया फोन

लोक तंत्र की आवाज़

मुंबई । सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने लोकायुक्त कानून को लेकर फिर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करने की घोषणा की है। हालांकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुद अन्ना हजारे को फोन किया और उन्हें लोकायुक्त कानून लागू करने का आश्वासन दिया।

जानकारी के मुताबिक, सीएम फडणवीस से बातचीत के बाद अब अन्ना हजारे शुक्रवार को इस पूरे मामले पर अपनी अगली रणनीति की घोषणा करेंगे। अन्ना हजारे के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, सीएम फडणवीस और उनके सचिव ने गुरुवार शाम को अन्ना हजारे से बात की। उन्होंने बताया कि लोकायुक्त बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है और इसे अगले तीन महीनों के भीतर राज्य में लागू कर दिया जाएगा। इस आश्वासन के बाद 30 जनवरी 2026 से शुरू होने वाली अन्ना हजारे की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल टलने की संभावना है।

बता दें कि अन्ना हजारे लंबे समय से लोकायुक्त बिल को लागू करने की मांग कर रहे थे। एक दिन पहले उन्होंने घोषणा की कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो वह 30 जनवरी 2026 से मरने तक भूख हड़ताल शुरू करेंगे।

सोशल एक्टिविस्ट अन्ना हजारे ने कहा, "लोकायुक्त एक ऐसा कानून है जिसके दायरे में मुख्यमंत्री, बाकी सभी मंत्री और लगभग सभी सीनियर लोग आएंगे, जो भ्रष्टाचार को रोकने में बहुत असरदार होगा, लेकिन मेरी यह मांग बहुत लंबे समय से लंबित है। इसलिए अगर महाराष्ट्र विधानसभा और महाराष्ट्र सरकार यह कानून पास नहीं कर रही है, इसलिए मैंने मरने तक अनशन करने का फैसला लिया है। मैं 30 जनवरी 2026 से आमरण अनशन शुरू करूंगा। गुरुवार शाम को रालेगण सिद्धि में पत्रकारों से बात करते हुए अन्ना हजारे ने कहा था कि वह कई वर्षों से इस मुद्दे को उठा रहे हैं।

जिसके बगावत से गिरी कांग्रेस सरकार, 45 साल बाद घूमा पहिया तब अपनों से गए हार, कहानी सियासत के उस 'सिकंदर' की

लोक तंत्र की आवाज़

मुम्बई । महाराष्ट्र की सियासत में जब भी बड़े उलटफेरों की चर्चा होती है, एक नाम अपने आप उभरकर सामने आता है – शरदचंद्र गोविंदराव पवार. वह नेता, जिसकी बगावत से 1978 में कांग्रेस की सरकार गिरी थी और जिसने यह साबित किया कि महाराष्ट्र की राजनीति में उसके कदम सिर्फ चलते नहीं, खेल का पूरा रुख बदल देते हैं. लेकिन राजनीति के इस 'सिकंदर' की यात्रा सिर्फ जीत की कहानी नहीं है. यह उतार-चढ़ाव, संघर्ष, बगावत और अंत में अपने ही घर में चुनौती झेलने की दास्तान भी है. साल 1978 में महाराष्ट्र में जनता पार्टी की लहर थी, लेकिन कांग्रेस अब भी मजबूत थी. इस मजबूती को सबसे बड़ी चोट भीतर से मिली. 38 वर्षीय एक युवा नेता ने बगावत की और कांग्रेस की वसंत दादा पाटिल सरकार को गिरा दिया. खुद महाराष्ट्र के इतिहास में सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बनकर सत्ता संभाली. इस कदम ने देशभर की राजनीति को संदेश दिया कि शरद पवार सिर्फ भीड़ में एक चेहरा नहीं, बल्कि वह नेता है जो सत्ता के केंद्र को हिला सकता है. कांग्रेस हाईकमान भी इस झटके से उबरने में समय लगा. लेकिन समय का पहिया घूमा और तकरीबन 45 साल बाद अपने ही परिवार।

शरद पवार की राजनीति में गज़ब का संतुलन रहा. सत्ता भी, संगठन भी और अपना एक अलहदा प्रभाव भी. 1990 में वह फिर मुख्यमंत्री बने. 1991 में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में रक्षा मंत्री बनकर दिल्ली की राजनीति में भी अपनी ताकत दिखायी. कहा जाता है कि उस दौर में पवार कांग्रेस के सबसे ताकतवर मुख्यमंत्रियों में गिने जाते थे और राव के बाद उनके नाम को PM पद के संभावित दावेदारों में भी देखा जाने लगा. पवार के बारे में कहा जाता है कि वह कम बोलते हैं, ज्यादा करते हैं. व्यापार, सहकारिता, शुगर मिलों के नेटवर्क और ग्राउंड लेवल कैडर – इन सब पर उनकी मजबूत पकड़ ने उन्हें महाराष्ट्र का सबसे प्रभावशाली नेता बनाया. किसानों के मुद्दों पर उनकी गहरी समझ ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर भी एक प्रमुख आवाज बनाया. 2019 में जब महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना की दूरियां बढ़ीं, पवार ने पर्दे के पीछे ऐसी रणनीति बनाई कि राजनीति के सबसे अनुभवी खिलाड़ी भी चकित रह गए।

सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख: फैसले को चुनौती देने वाले NGO पर 1 लाख रुपये का जुर्माना, जजों ने कहा- हिम्मत कैसे हुई?

लोक तंत्र की आवाज़

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक प्रक्रिया के दुरुपयोग पर सख्त नाराजगी जताते हुए एक गैर सरकारी संगठन (NGO) पर 1 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया है। यह मामला अल्पसंख्यक स्कूलों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) के दायरे से बाहर रखने वाले सुप्रीम कोर्ट के ही पुराने फैसले को चुनौती देने से जुड़ा था। जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाकर्ता की इस हरकत को प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग बताया और बेहद तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के साथ इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सुनवाई के दौरान अदालत का माहौल बेहद गरम रहा। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने याचिकाकर्ता और वकीलों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि वे बेहद आक्रोशित हैं। उन्होंने सवाल किया कि आखिर किसी की हिम्मत कैसे हुई कि वह सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ के फैसले के खिलाफ ही रिट याचिका दायर कर दे। जजों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस तरह के मामले दायर करना देश की पूरी न्यायपालिका प्रणाली के खिलाफ है और यह न्यायिक व्यवस्था को ध्वस्त करने जैसा है। कोर्ट ने तल्ख लहजे में कहा, "आपको अपने मामले की गंभीरता का अंदाजा नहीं है, इस तरह की याचिकाएं दायर करके देश की न्यायपालिका के स्तर को नीचे न गिराएं।

जिस एनजीओ पर यह जुर्माना लगाया गया है, उसका नाम 'यूनाइटेड वॉइस फॉर एजुकेशन फोरम' है। इस संस्था ने सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ के उस 2014 के फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को बाल शिक्षा का अधिकार कानून 2009 के कुछ प्रावधानों से छूट दी गई थी। कोर्ट ने याचिका को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ कोई भी रिट याचिका सुनवाई योग्य नहीं होती, यह कानून की स्थापित प्रक्रिया का उल्लंघन है।

अदालत का गुस्सा यहीं शांत नहीं हुआ। पीठ ने यहां तक कहा कि वे याचिकाकर्ता के खिलाफ आपराधिक अवमानना का मामला दर्ज करने से परहेज कर रहे हैं, लेकिन भविष्य के लिए यह चेतावनी है। जस्टिस नागरत्ना ने वकीलों को भी आड़े हाथों लेते हुए पूछा कि वे अपने मुवक्किलों को किस तरह की सलाह दे रहे हैं। कोर्ट ने चेतावनी दी कि अब वे गलत कानूनी सलाह देने वाले वकीलों पर भी दंड लगाना शुरू करेंगे। जजों ने कहा कि ऐसी मांगों से पूरी व्यवस्था ठप हो जाएगी और यह कोर्ट का समय बर्बाद करने के साथ-साथ प्रक्रिया का मजाक उड़ाना है।

अब कांग्रेस में खुलकर सामने आई टीम राहुल vs टीम प्रियंका की

लोक तंत्र की आवाज़

नईदिल्ली। देश की राजनीति में एक बार फिर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. भाजपा ने कांग्रेस के अंदरूनी कलह को लेकर बड़ा हमला बोला है. ओडिशा से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद मुकीम के सोनिया गांधी को लिखे पत्र को आधार बनाते हुए बीजेपी ने दावा किया है कि अब पार्टी में टीम राहुल और टीम प्रियंका के बीच खुली टकराव की स्थिति है।

देश की सियासत के सबसे गर्म दौर जहां संसद के भीतर अमित शाह और राहुल गांधी की तीखी नोकझोंक सुर्खियों में है, वहीं कांग्रेस के अंदर से उठा एक सवाल पार्टी के लिए नए सिरदर्द की वजह बन गया है. संगठन को लेकर उठे इस भीतरघात ने नेतृत्व

BJP का 'अंदरूनी कलह' पर बड़ा हमला

की दिशा पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं. ओडिशा से उठी इस आवाज को लेकर अब भारतीय जनता पार्टी हमलावर हो गई है. कांग्रेस नेता मुकीम के पत्र को लेकर बीजपी ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस में आंतरिक कलह चल रही है और अब पार्टी में टीम राहुल गांधी बनाम टीम प्रियंका गांधी हो रहा है। बता दें कि ओडिशा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद मुकीम के सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी शीर्ष नेतृत्व पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा था कि प्रियंका गांधी को लीडरशिप में आना चाहिए,।

बीजेपी ने कह दी ये बात : इस पत्र को लेकर बीजेपी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है. भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस के अंदर खींचतान अब साफ दिखाई देने लगा है. उन्होंने लिखा कि टीम प्रियंका और टीम राहुल अब खुलकर सामने आ गया है. पूनावाला ने दावा किया है कि कांग्रेस नेता ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को हटाने और प्रियंका गांधी को जिम्मेदारी देने की मांग की है. साथ ही केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व पर बड़े सवाल उठाए हैं पूनावाला के मुताबिक ओडिशा के कांग्रेस नेता मोहम्मद मुकीम ने राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के नेतृत्व पर सवाल उठाया है और पार्टी को फिर से मजबूत करने के लिए बड़े सुधार की जरूरत बताई है।

मल्लिकार्जुन खरगे की उम्र हो चुकी!

न्यूज एजेंसी एएनआई से बीतचीत करते हुए मकीने ने कहा था कि मैंने सोनिया गांधी को पत्र लिखा जिसमें कहा है कि पार्टी मुश्किलों के दौर से गुजर रही है. इस दौरान पार्टी को उनकी सलाह और नेतृत्व की जरूरत है. उन्होंने कहा कि श्री मल्लिकार्जुन खरगे बहुत सीनियर लीडर हैं लेकिन उम्र उनके पक्ष में नहीं है. 83 साल की उम्र हो गई है. विपक्ष की पार्टी के मुखिया के हिसाब से जो मेहनत करना चाहिए जो दौड़ भाग करना चाहिए लोगों से जो कनेक्ट करना चाहिए वो अब नहीं कर पा रहे हैं. उन्हें सलाहकार के रूप में रहकर किसी युवा को आगे लाना चाहिए। मकीने ने आगे कहा था कि हमारे पास प्रियंका जी हैं और भी बहुत सारे दूसरे युवा भी हैं जो पार्टी को मजबूत करेंगे. राहुल जी सीएलपी नेता है वो अपनी भूमिका निभा रहे हैं.

राहुल गांधी ने अमित शाह पर किया तीखा हमला: वो घबराए हुए थे, हाथ कांप रहे थे

लोक तंत्र की आवाज़

नईदिल्ली। चुनाव सुधारों पर लोकसभा में हुई चर्चा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जवाब के अगले दिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शाह पर निशाना साधा और यहां तक कह दिया कि वे काफी घबराए हुए थे। राहुल गांधी ने कहा, कि अमित शाह ने उनके किसी भी सवाल का सीधा जवाब नहीं दिया।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, कि अमित शाह जी कल बहुत घबराए हुए थे। उन्होंने गलत भाषा का उपयोग किया। उनके हाथ कांप रहे थे... वे बहुत मानसिक दबाव में हैं। यह सबने देखा। मैंने उनसे जो भी पूछा, उन्होंने उसका सीधा जवाब नहीं दिया। न कोई सबूत दिया। राहुल गांधी ने यहां बताया, कि उन्होंने गृह मंत्री को चुनौती दी कि संसद में उनकी सभी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर चर्चा की जाए, लेकिन शाह ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया का समर्थन : कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने भी राहुल गांधी का समर्थन करते हुए कहा कि गृहमंत्री ने हरियाणा में चुनावी घटनाओं से जुड़े असल सवालों का जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता की उम्मीद थी, लेकिन कांग्रेस पर आरोप लगाकर बात को भटका दिया गया।

भाजपा ने किया पलटवार

भाजपा ने राहुल गांधी के आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए जवाबी हमला बोला। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, राहुल गांधी 'हिट एंड रन' का फॉर्मूला अपनाते हैं। जब प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बोलते हैं, तो वे बाहर चले जाते हैं। उनमें सच सुनने की हिम्मत नहीं है।

मुख्ममंत्री ममता बनर्जी के बयान को कांग्रेस सांसद ने ठहराया गलत, बोले- न हो लोगों को उलझाने का काम

लोक तंत्र की आवाज़

नईदिल्ली। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने पश्चिम बंगाल की मुख्य मंत्रीममता बनर्जी के 'महिलाओं को लड़ाई के लिए तैयार रहने' वाले बयान पर आपत्ति जताई है. उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी बंगाल की मुख्य मंत्रीहैं, जिन्हें अपने नागरिकों के बारे में पता होना चाहिए। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने से बातचीत में कहा, "ममता बनर्जी भगाने की बात गलत कह रही हैं. लोगों को उलझाने का काम क्यों? आप मुख्यमंत्री हैं और राज्य में यह काम आपका है कि कौन भारतीय

नागरिक है." इमरान मसूद ने यह भी कहा कि बांग्लादेशियों के नाम पर झूठा नैरेटिव फैलाया जा रहा है।

टीएमसी सांसद सौगत रॉय पर संसद में ई-सिगरेट पीने के आरोप को लेकर इमरान मसूद ने कहा, "संसद में अगर वह ई-सिगरेट पी रहे हैं तो यह अच्छी बात नहीं है। मुख्य मंत्री ममता बनर्जी के बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी भी हमलावर है. इसी कड़ी में BJP MP मनोज तिग्गा ने कहा, "पश्चिम बंगाल में मुख्य मंत्री ममता बनर्जी और उनके नेता लोगों में तनाव का माहौल बनाने के लिए भड़काऊ बयान देते हैं. इसका मुख्य कारण यह है कि ममता बनर्जी हारने को लेकर परेशान हैं, क्योंकि लोग 2026 के आम चुनावों के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता वामपंथियों और कांग्रेस को पहले ही रिजेक्ट कर चुकी है. इस बार तृणमूल कांग्रेस का बंगाल से सफाया होने वाला है. इसी डर के कारण ममता बनर्जी भड़काऊ बयान दे रही हैं।

BJP MP ने यह भी आरोप लगाए कि ममता बनर्जी एसआईआर को लेकर राज्य की जनता में भ्रम फैला रही हैं. इसी के जरिए वह लोगों को भड़काना चाहती हैं। ममता बनर्जी के बयान पर जदयू के सांसद संजय कुमार झा ने कहा, मुख्य मंत्री जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रही हैं, वह उनकी घबराहट को दिखाती है। बिहार में एक महीने में एक बड़ी एक्सरसाइज की गई और किसी भी बीएलओ के सुसाइड की कोई शिकायत नहीं मिली.

डिजिटल कस्टडी गैंग पर सीबीआई की सर्जिकल स्ट्राइक, साइबर ठगों के नेटवर्क में हलचल

लोकतंत्र की आवाज

संवाददाता विनोद प्रसाद

पटना। बिहार में तेजी से फैल रहे डिजिटल अरेस्ट वाले साइबर क्राइम पर अब बड़ा ऑपरेशन शुरू हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद राज्य के सभी साइबर और पुलिस थानों में दर्ज डिजिटल अरेस्ट के केस सीबीआई को सौंपे जा रहे हैं। नोडल एजेंसी आर्थिक अपराध इकाई इन फाइलों को ट्रांसफर करने की तैयारी में जुट चुकी है। बिहार में इस साल 100 से ज्यादा केस सामने आए, जिनमें आधे मामले सिर्फ पटना में दर्ज हुए

यानी राजधानी साइबर गैंग का प्रमुख टारगेट बनी हुई है।

इओयू सूत्र बताते हैं कि कोर्ट के आदेश के बाद सभी जिलों से केस का पूरा ब्योरा मांगा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह कदम इसलिए उठाया है क्योंकि डिजिटल अरेस्ट के ज्यादातर मामलों में साइबर ठग खुद को सीबीआई, ईडी, एनआईए या अन्य प्रवर्तन एजेंसियों का अधिकारी बनकर पेश करते हैं। डर, दहशत और गिरफ्तारी का भय दिखाकर वे पीड़ितों को घर में डिजिटली बंधक बना लेते हैं और लाखों-करोड़ों रुपये अपने खातों में ट्रांसफर करा लेते हैं। जांच में इनके देशव्यापी और संगठित गैंग होने के संकेत मिले हैं, जिसे तोड़ने की जिम्मेदारी अब सीबीआई को दी गई है।

जांच में बैंकों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठे हैं

अब तक हुई जांच में बैंकों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठे हैं। कई मामलों में देखा गया कि ठग उन्हीं लोगों को चुनते थे जिनके खातों में बड़ी रकम होती थी। पैसे ट्रांसफर होने के बाद फ्रीज सिस्टम तुरंत एक्टिव न होने से ठगी की राशि बच नहीं पाती। उदाहरण के तौर पर पटना विश्वविद्यालय की एक सेवानिवृत्त महिला प्रोफेसर से पिछले साल करीब 3 करोड़ रुपये इसी तरीके से ऐंठ लिए गए। इसमें बैंक कर्मचारियों की साठगांठ की आशंका ने दायरा और बढ़ा दिया है, जिसे अब सीबीआई खंगालेगी।

संक्षिप्त खबरें ।

परना डाबर पुलिस ने 25 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

प्रदीप प्रसाद संवाददाता
सिरदला नवादा–परना डाबर थाना पुलिस ने गुरुवार को गुप्त सूचना के आधार पर पड़रिया गांव में छापेमारी कर अवैध शराब कारोबार से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना अध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने मौके से 25 लीटर महुआ शराब बरामद की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पड़रिया गांव निवासी गुरु मांझी के पुत्र नंदलाल मांझी के रूप में हुई है। थाना अध्यक्ष के अनुसार आरोपी के खिलाफ परना डाबर थाना कांड संख्या 282/25 के तहत शराब निषेध अधिनियम में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आवश्यक औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद आरोपी को व्यवहार न्यायालय नवादा में प्रस्तुत कर दिया। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी है और ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बिजली ट्रांसफॉर्मर के नीचे चलती है फल की दुकान, हो सकती है बड़ी दुर्घटना

वारिसलीगंज (नवादा) (अभय कुमार रंजन)। वारिसलीगंज बाजार स्थित सड़क मार्ग में लगे बजली ट्रांसफार्मर के नीचे अलग-अलग दुकान चलायी जाती है, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना घटना घट सकती हैं। बता दे की बढ़ती जनसंख्या और बेरोजगारों की भीड़ में दुकानों की संख्या कम पड़ रही है। फलस्वरूप बाजार के सब्जी मंडी सहित महत्वपूर्ण सड़क मार्ग में दुकान मिलना काफी मुश्किल होता है। यही नहीं अगर छोटी सी दुकान मिलती भी है तो उसका किराया एवं पगड़ी कोलकाता की तरह काफी महंगा होता है। फलस्वरूप गरीब सब्जी और फल बिक्रेता फुटपाथों पर फल सब्जी बिक्री कर अपनी रोटी की जुगाड़ लगाते हैं। बढ़ती आबादी के बीच अब फुटपाथों पर भी ठेला लगाने की जगह नहीं मिलती है। इस बीच बाजार के एक फल बिक्रेता सब्जी मंडी में ट्रांसफॉर्मर के पीछे एक दुकान किराये पर लिया, चूंकि आगे ट्रांसफार्मर है, तो दुकान सजाने में परेशानी होने लगी। अंततः करंट के खतरे को जानते हुए भी 200 केबीए के दो ट्रांसफार्मर के नीचे अतिव्यस्त सब्जी चौक पर विक्रेता फल की दुकान सजा रखा है। पूछने पर बताते हैं कि जगह नहीं रहने के कारण खतरे को जानते हुए पेट भरने के लिए ट्रांसफार्मर के नीचे दुकान लगाकर रोटी की जुगाड़ कर रहा हूं। ज्ञात हो कि फुटपाथों के अतिक्रमण से संकीर्ण हो चुके वारिसलीगंज मुख्य बाजार में किराये पर दुकान लेना गरीबों के वश की बात नहीं है। अगर सूद-ब्याज पर उधार लेकर छोटी सी दुकान ले भी लिया तो फुटपाथ पर फल-सब्जी सजानी पड़ती है। फलस्वरूप बाजार में एक व्यवस्थित फल एवं सब्जी मंडी की आवश्यकता है।

बस की टक्कर से जख्मी ज्वेलरी दुकानदार की मौत

वारिसलीगंज (नवादा) (अभय कुमार रंजन):–वारिसलीगंज स्थित पटेल चौक के पास बस की टक्कर से घायल ज्वेलरी दुकान की इलाज के दौरान मौत हो गई। 65 वर्षीय ज्वेलरी विक्रेता कृष्णा प्रसाद 26 अक्टूबर को पकरीबरावां जाने क लिए बस का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच एक अज्ञात बस की टक्कर से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे।दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल में बुधवार को इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई। इस बाबत मृतक के दामाद वारिसलीगंज फुलवारी गली निवासो नवीन कुमार ने बताया कि ज्वेलरी विक्रेता का पैतृक घर जिले के अकबरपुर बाजार था, लेकिन वह वारिसलीगंज बाजार के फुलवारी गली स्थित अपने बेटी दामाद के घर रहकर पकरीबरावां में ज्वेलरी का दुकान चलाते थे। घटना वाली सुबह को भी वृद्ध दुकान खोलने पकरीबरावां जाने के लिए घर से निकले, लेकिन बस पर चढ़ने से पहले ही किसी बस ने उनको जोरदार टक्कर मार दी।सूचना के बाद दामाद नवीन कुमार उन्हें इलाज के लिए स्थानीय सीएचसी ले गये, जहां प्राथमिक चिकित्सा बाद पहले विम्स तथा वहां से पटना और बाद में दिल्ली रेफर किया गया। बुधवार को दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल में जख्मी वृद्ध की मौत हो गई है। वहीं इससे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। वहीं लोगों में इस हादसे की चर्चा हो रही है।

स्वास्थ्य शिक्षा तथा रोजगार बिहार सरकार की प्राथमिकता : नीतीश

लोक तंत्र की आवाज

नवादा । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को नवादा जिले के रजौली प्रखंड इलाके में पहुंचकर एक दर्जन योजनाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को कई निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा स्वास्थ्य तथा रोजगार में बढ़ोतरी बिहार सरकार की प्राथमिकता है ।उनके साथ बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी भी उपस्थित थे ।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 11:00 बजे दिन में रजौली इंटर स्कूल के मैदान में हेलीकॉप्टर से उतरे ।उतरने के साथ थी उन्होंने रजौली इंटर स्कूल का निरीक्षण किया। छात्र-छात्राओं से उनकी समस्याएं भी सुनी ।छात्राओं ने बताया कि साइकिल पोशाक तथा शिक्षा प्रोत्साहन राशि से हम सबों का काफी विकास हुआ है ।जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के विकास के लिए कई व्यापक योजनाएं भी बनाई गई है ।इसे शीघ्र अमली जामा पहनाया जाएगा ।मुख्यमंत्री ने रजौली स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को कई निर्देश दिए ।उन्होंने साफ-सफाई कर मरीजों की बेहतर सेवा की बात कही। मुख्यमंत्री फुलवरिया जलाशय के पास पहुंचकर मछली पालन व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की बड़ी प्राथमिकता रोजगार भी है। जिसके तहत मछली पालन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने सोलर प्लांट से विद्युत उत्पादन के संयंत्रों का अवलोकन किया ।उन्होंने कहा कि जल्द ही इस संयंत्र को चालू किया जाए ,ताकि राजौली के इलाके में बेहतर विद्युत उत्पादन हो सके ।मुख्यमंत्री ने समाज कल्याण विभाग ,जीविका दीदियों द्वारा बनाए गए स्वयं सहायता समूह सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए 50 से अधिक स्टालों का निरीक्षण कर उन्होंने उत्पादन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए ।नवादा के जिलाधिकारी रवि प्रकाश तथा मगध प्रमंडल के कमिश्नर सफीना ए एन ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री को सरकार द्वारा चलाए जा रहे कई योजनाओं की जानकारी देते हुए बेहतर अमली जामा की बात बताई।जीविका के महिलाओं ने कहा कि हमसब सरकार के साथ शत प्रतिशत साथ निभाने को तैयार है। अपने 30 मिनट के कार्यक्रम के बाद नीतीश कुमार हेलीकॉप्टर से पटना को रवाना हो गए। प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बेहतर स्टॉल तथा चक चौबंद व्यवस्था कर खुश कर दिया ।कम समय में ही दिन-रात तैयारी कर प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने में आहम भूमिका निभाई ।ग्रामीणों का कहना है कि मुख्यमंत्री बिना सूचना के पहुंचकर अगर स्वास्थ्य व्यवस्था तथा शिक्षा व्यवस्था का जायजा लेते तो उन्हें सच्चाई का ज्यादा पता चलता। प्रशासनिक व्यवस्था के तहत व्यवस्था देखना राज्य के ग्रामीण तथा गरीबों के साथ न्याय नहीं कहा जा सकता है।

पागल कुत्ते ने 20 लोगों को काटा, सभी का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार

लोकतंत्र की आवाज

प्रदीप प्रसाद संवाददाता
सिरदला प्रखंड के बांधी पंचायत अंतर्गत शेरपुर गांव में शुक्रवार सुबह एक पागल कुत्ते के हमले से हड़कंप मच गया। कुत्ते ने ग्रामीणों पर अचानक हमला बोलते हुए 20 लोगों को काटकर घायल कर दिया। घायल ग्रामीणों को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिरदला लाया गया, जहां मौजूद चिकित्सक डॉ. संतोष कुमार ने सभी का उपचार किया। घायलों में राम ब्रिक्ष माथा (65), शिव कुमार (5), टुनटुन विश्वकर्मा (46), संजय साहू (75), राजेश कुमार (25), बालेश्वर प्रसाद (75), कीर्ति कुमारी (14) सहित कुल 20 लोग शामिल हैं। घटना के बाद ग्रामीणों ने कुत्ते को घेरकर मार दिया, जिससे आगे किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई। डॉ. संतोष ने लोगों से सतर्क रहने और संदिग्ध कुत्तों से दूरी बनाए रखने की अपील की है। घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की बड़ी पहल, बिहार में ई-बस फैक्ट्री, रोबोटिक्स सर्जरी हब और बड़े उद्यम लगाने के आए प्रस्ताव, रोजगार के अवसर में होगी वृद्धि

लोकतंत्र की आवाज

संवाददाता विनोद प्रसाद
पटना। बिहार की औद्योगिक तस्वीर में नया रंग भरने की दिशा में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की पहल बड़ा कदम साबित हो रही है। उद्योग वार्ता के दूसरे दिन देशभर के 32 निवेशक पटना पहुंचे और राज्य में निवेश को लेकर कई बड़े प्रस्ताव प्रस्तुत किए। यह बैठक पटना एयरपोर्ट के पास स्थित वायुयान संगठन निदेशालय में हुई, जिसमें इलेक्ट्रिक बस फैक्ट्री, रोबोटिक सर्जरी सेंटर, और हाई-टेक उद्यमों सहित कई शानदार निवेश प्रस्ताव मिले हैं। निवेशकों का कहना था कि बिहार में उद्योग लगाने की बड़ी संभावनाएँ हैं और युवाओं की प्रतिभा, कम लागत वाली भूमि, और राज्य के बड़े उपभोक्ता आधार को देखते हुए यहाँ बड़े प्रोजेक्ट सफल हो सकते हैं। उद्योग वार्ता का दूसरा दिन इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि बड़ी संख्या उन निवेशकों की थी जो मूल रूप से बिहार से हैं। उन्होंने कहा कि हम लौटना चाहते हैं अपने राज्य में रोजगार बनाना चाहते हैं पलायन रोकना चाहते हैं।इन उद्यमियों के मुताबिक बिहार के युवाओं में स्किल, माइंडसेट और क्षमता किसी राज्य से कम नहीं, बस उद्योगों की संख्या बढ़े तो रोजगार के नए दरवाज़े खुल सकते हैं। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने सभी निवेशकों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार गंभीर निवेशकों के साथ सीधे काम करेगी, जहाँ ज़रूरत होगी नई नीति लाई जाएगी, और जहाँ ज़रूरत होगी पुरानी नीतियों में संशोधन किया जाएगा।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बिहार सरकार राज्य को औद्योगिक हब बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और हर स्तर पर तेज़ी से फैसले लिए जाएँगे।बैठक में उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार, निदेशक मुकुल कुमार गुप्ता, ऊर्जा विभाग के सचिव मनोज कुमार सिंह, और ईखायुक्त अनिल कुमार झा भी मौजूद थे। जिन निवेशकों को भूमि के आवंटन या अनुमतियों में कठिनाई थी, मुख्य सचिव ने उनके मामलों को गंभीरता से सुना, संबंधित विभागों को तात्कालिक कार्रवाई के निर्देश दिए, और जहाँ दस्तावेज़ आवश्यक थे, उन्हें तुरंत उपलब्ध कराने को कहा। उद्योग वार्ता कार्यक्रम को राज्य सरकार ने उन सभी निवेशकों के लिए शुरू किया है जो बिहार में उद्योग लगाना चाहते हैं, पहले से निवेश कर चुके हैं, या किसी भी प्रकार की बाधा का सामना कर रहे हैं। वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म का उद्देश्य निवेशकों को बिना देरी, बिना भ्रम और बिना चक्कर के समाधान उपलब्ध कराना है।कुल मिलाकर, उद्योग वार्ता में मिले 32 प्रस्तावों ने बिहार में उद्योग-इकोसिस्टम को नई दिशा दी है। अगर ये प्रस्ताव आगे बढ़ते हैं, तो आने वाले वर्षों में बिहार में बड़े उद्योग, नई टेक्नोलॉजी, रोजगार के हज़ारों अवसर में वृद्दि हो सकती है और यही राज्य सरकार का बड़ा लक्ष्य भी है।

गया जी : बिहार-झारखंड को जोड़ने वाली उत्तर कोयल सिंचाई परियोजना का भूमि अधिग्रहण का कार्य तेज

लोकतंत्र की आवाज

गया जी। बिहार और झारखंड दर्जन भर प्रखंडों को स्थायी रूप से सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने वाला महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजना उत्तरी कोयल नहर सिंचाई परियोजना का भूमि अधिग्रहण का कार्य अंतिम चरण में है। गया जी में कोंच, गुरारू,गुरुआ प्रखण्ड में प्रथम फेज में 191 एकड़ भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। इस कार्य को दिसम्बर महीने में करने का लक्ष्य पूरा हो जाएगा। लघु सिंचाई मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन ने एडीएम (राजस्व) परितोष कुमार के साथ समीक्षा बैठक में उत्तरी कोयल नहर सिंचाई परियोजना का भूमि अधिग्रहण पर चर्चा हुई है। बताया गया की भूमि अधिकरण कार्य के तहत प्लॉट टू प्लॉट करीब एक हजार प्लॉट का वेरिफिकेशन का कार्य हो रहा है जिसे 15 दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। चतरा जिले के बालूगंज से होते हुए औरंगाबाद जिले के देव, कुटुंबा, रफीगंज तथा गया जिले के कोंच, गुरारू गुरुआ तथा टिकरी, परैया के कुछ हिस्से मिलाकर बिहार-झारखंड के करीब 10 प्रखंडों को उत्तरी कोयल सिंचाई परियोजना से किसानों को सिंचाई का लाभ मिलेगा। इस सिंचाई परियोजना की महत्ता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परियोजना के बचे हुए कार्यों को पूरा करने की घोषणा की थी। इसे अब पूरा करने की अंतिम रूप दिया जा रहा है। बताया गया कि सही समय पर परियोजना का कार्य पूरा हो इसके लिए बिहार सरकार के मुख्य सचिव और गया के डीएम भी लगातार कार्यों का मॉनिटरिंग कर रहे हैं। बिहार और झारखंड की सीमाओं को जोड़ने वाली उत्तर कोयल नहर सिंचाई परियोजना पिछले पांच दशकों से अधर में लटकी थी। उत्तर कोयल नहर सिंचाई परियोजना 1972 में शुरू की गई थी। उत्तरी कोयल सिंचाई परियोजना बिहार और झारखंड की एक बड़ी अंतर-राज्यीय परियोजना है। झारखंड और बिहार के पलामू, गढ़वा, औरंगाबाद और गया जी जिलों के लाखों हेक्टेयर खेतों को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराना था। औरंगाबाद के पूर्व सांसद व भाजपा नेता सुशील कुमार सिंह ने 1995 से इस परियोजना को धरातल पर लाने के लिए सतत प्रयास किए। इसके फलस्वरूप वन विभाग द्वारा लगाई गई रोक हटाई गई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस परियोजना के बचे हुए कार्यों को पूरा करने की घोषणा की गई है। कार्य पूरा होने के बाद किसानों को सालों भर सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा। बताया गया कि केंद्र सरकार पीएम कृषि सिंचाई योजना की मदद से कार्य पूरा किया जा रहा है। ताकि पलामू, गढ़वा, औरंगाबाद और गया जैसे सूखाग्रस्त जिलों में करीब 1.11 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई का लाभ मिलेगा।

गया बार एसोसिएशन द्वारा विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार का सम्मान समारोह का आग्रह किए

लोकतंत्र की आवाज

गया जी। गया बार एसोसिएशन के सचिव सह सरकारी अधिवक्ता रविंद्र प्रसाद, वरिष्ठ अधिवक्ता एस. राजेश आनंद एवं अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता, डा मनीष पकंज मिश्रा ने गया शहर से लगातार नौवीं बार विधायक बने एवं बिहार विधानसभा के अध्यक्ष पद पर आसीन हुए डॉ. प्रेम कुमार जी से गया परिसदन में शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी है। इस अवसर परप्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष को फूलों का बुके भेंट कर उनका स्वागत किया है। इस मुलाकात के दौरान गया बार एसोसिएशन के सचिव श्री रविंद्र प्रसाद ने डॉ. प्रेम कुमार जी से अनुरोध किया कि वे गया बार एसोसिएशन में आयोजित होने वाले अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारकर अधिवक्ताओं का मार्गदर्शन करें। उन्होंने कहा कि गया बार के सभी सदस्य उनके इस उच्च काउनसिलीग दायित्व पर मनोभाव से गौरवान्वित हैं।आग्रह को सहदयता पूर्वक स्वीकार करते हुए बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने आश्वस्त किया कि वे शीघ्र ही गया बार एसोसिएशन में उपस्थित होकर अधिवक्ताओं के साथ संवाद करेंगे तथा संगठन के विकास एवं आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण में हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि विधिक व्यवस्था की मजबूती में अधिवक्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और वे सदैव उनके साथ खड़े रहेंगे।इस अवसर पर सचिव रविंद्र प्रसाद ने भावनात्मक शब्दों में कहा कि डॉ. प्रेम कुमार द्वारा दिया गया योगदान आज ''विशाल वटवृक्ष'' के समान संरक्षण प्रदान करता है। बार एसोसिएशन को विभिन्न फंडों के माध्यम से निरंतर सहयोग देकर उन्होंने जो धरोहर दी है, वह सदैव स्मरणीय रहेगी। गया बार परिवार उनकी उपलब्धि पर गौरव महसूस करता है तथा उन्हें पुनः विधानसभा अध्यक्ष बनने पर हृदय से शुभकामनाएँ प्रेषित करता है।

गोह प्रखंड में जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह किसान गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन

लोकतंत्र की आवाज

गौतम कुमार अनुमंडल संवाददाता दाउदनगर
गोह (औरंगाबाद) गोह प्रखंड कार्यालय के प्रांगण में शुक्रवार को जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह किसान गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला कृषि विज्ञान केन्द्र सीरीस के वैज्ञानिक आशुतोष मौर्य, कृषि वैज्ञानिक अनुप चौबे एवं वशिष्ठ अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ राजेश कुमार दिनकर, प्रखंड कृषि पदाधिकारी राहुल कृष्णमूर्ति, आत्मा अध्यक्ष विनय पटेल, जिला परिषद प्रतिनिधि श्याम सुंदर ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि कृषि वैज्ञानिक आशुतोष मौर्य ने किसानों को खेत में पराली जलाने और उससे होने वाले नुकसान के बारे में विशेष जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष जलाने से मिट्टी के पोषक तत्वों की क्षति होने के साथ-साथ मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ की भी क्षति होती है। जमीन में पाए जाने वाले लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु समाप्त हो जाते हैं। फसल अवशेष जलाने से हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है। इसके जलाने से एरोसॉल के कण निकलते हैं। जो हवा को प्रदूषित करते हैं। फसल अवशेष को ना जलाने तथा इसके प्रबंधन से संबंधित यंत्रों के प्रयोग के बारे में किसानों को बताया गया।वहीं कृषि वैज्ञानिक अनुप चौबे ने बताया कि जिले में कृषि के विकास के लिए उपजाऊ मिट्टी, पर्याप्त मात्रा में भूगर्भीय जल तथा खेती के अनुकूल जलवायु उपलब्ध है। इसके बावजूद भी अधिकांश फसलों की उत्पादकता एवं उत्पादन राष्ट्रीय स्तर से काफी नीचे है। इसके फलस्वरुप खेती में किसानों की शुद्ध आए काफी कम होने के कारण खेती के प्रति उनका रुझान दिन प्रतिदिन कम होता चला जा रहा है। कृषि की उन्नत तकनीकी किसानों को हस्तांतरित करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि पदाधिकारी को संयुक्त रूप से गांव में जाकर उनसे वार्ता कर न्यूनतम तकनीकी के प्रयोग के बारे में विशेष जानकारी देने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से कृषि विभाग द्वारा संचालित होने वाली विभिन्न योजनाओं के संबंध में किसानों को जानकारी दी गई। वहीं जिला परिषद प्रतिनिधि श्याम सुंदर ने कृषि पदाधिकारी से पूछा कि सरकार के द्वारा हर साल किसानों के बीच जो बीज वितरण किया जाता है।वह बीज जाता कहां है। क्या उस बीज को किसान अपने खेतों में लगाते हैं या दाल बनाकर खा जाते हैं।अगर किसान तत्परता से बीज को लगाते हैं तो केंद्र व राज्य सरकार के द्वारा प्रखंड स्तर पर और अधिक बीज उपलब्ध कराई जाएगी। इसलिए वैज्ञानिकों के द्वारा किसानों को उचित प्रशिक्षण दी जाए जिससे क्षेत्र के किसान वैज्ञानिक तकनीकी से खेती कर सकें। इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री सुनील शर्मा, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक अरविंद कुमार विद्यार्थी, सहायक तकनीकी प्रबंधक विवेक कुमार, कृषि समन्वयक राजेश कुमार, विक्रांत कुमार विपिन कुमार पाठक मनीष कुमार, अमरेंद्र प्रसाद गुप्ता, विनोद कुमार सिंह, कृषि सलाहकार अंशुमान,जितेंद्र कुमार,निखिल कुमार, जीविका वीआरपी धनंजय कुमार,संगम कुमारी, प्रियंका कुमारी, रीना कुमारी, अंजू कुमारी, गुड़िया कुमारी एवं किसान प्रमोद शर्मा, सुरेश शर्मा,मधुसूदन शर्मा पुरुषोत्तम शर्मा, इंद्रजीत कुमार, राजेन्द्र यादव, प्रियरंजन वर्मा, यमुना प्रसाद,गया कुमार, सत्येन्द्र पासवान सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

बिजली ट्रांसफॉर्मर के नीचे चलती है फल की दुकान, हो सकती है बड़ी दुर्घटना

लोकतंत्र की आवाज

वारिसलीगंज (नवादा) (अभय कुमार रंजन)। वारिसलीगंज बाजार स्थित सड़क मार्ग में लगे बजली ट्रांसफार्मर के नीचे अलग-अलग दुकान चलायी जाती है, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना घटना घट सकती हैं। बता दे की बढ़ती जनसंख्या और बेरोजगारों की भीड़ में दुकानों की संख्या कम पड़ रही है। फलस्वरूप बाजार के सब्जी मंडी सहित महत्वपूर्ण सड़क मार्ग में दुकान मिलना काफी मुश्किल होता है। यही नहीं अगर छोटी सी दुकान मिलती भी है तो उसका किराया एवं पगड़ी कोलकाता की तरह काफी महंगा होता है। फलस्वरूप गरीब सब्जी और फल बिक्रेता फुटपाथों पर फल सब्जी बिक्री कर अपनी रोटी की जुगाड़ लगाते हैं। बढ़ती आबादी के बीच अब फुटपाथों पर भी ठेला लगाने की जगह नहीं मिलती है। इस बीच बाजार के एक फल बिक्रेता सब्जी मंडी में ट्रांसफॉर्मर के पीछे एक दुकान किराये पर लिया, चूंकि आगे ट्रांसफार्मर है, तो दुकान सजाने में परेशानी होने लगी। अंततः करंट के खतरे को जानते हुए भी 200 केबीए के दो ट्रांसफार्मर के नीचे अतिव्यस्त सब्जी चौक पर विक्रेता फल की दुकान सजा रखा है। पूछने पर बताते हैं कि जगह नहीं रहने के कारण खतरे को जानते हुए पेट भरने के लिए ट्रांसफार्मर के नीचे दुकान लगाकर रोटी की जुगाड़ कर रहा हूं। ज्ञात हो कि फुटपाथों के अतिक्रमण से संकीर्ण हो चुके वारिसलीगंज मुख्य बाजार में किराये पर दुकान लेना गरीबों के वश की बात नहीं है। अगर सूद-ब्याज पर उधार लेकर छोटी सी दुकान ले भी लिया तो फुटपाथ पर फल-सब्जी सजानी पड़ती है।

संक्षिप्त खबरें

सहारनपुर : चुन्हेटी गाड़ा गांव में दिल्ली रोड पर स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग

साजिद सलमानी

सहारनपुर। विकास खंड बलियाखेड़ी के ग्राम पंचायत चुन्हेटी गाड़ा के प्रधान दानिश ने जिला अधिकारी सहारनपुर को पत्र लिखकर दिल्ली रोड पर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग की है। गांव दिल्ली–सहारनपुर रोड पर स्थित होने से यहां भारी ट्रैफिक रहता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।प्रधान दानिश (निवासी ग्राम चुन्हेटी गाड़ा, पोस्ट कांकरकुई, थाना रामपुर मनिहारान) ने अपने पत्र में कहा कि हाल में सड़क का निर्माण तो बेहतर तरीके से किया गया, लेकिन कहीं भी स्पीड ब्रेकर नहीं बनाए गए। गांव में प्राथमिक विद्यालय, रेनबो स्कूल और छोटी मस्जिद के सामने स्पीड ब्रेकर की सख्त जरूरत है। यहां छोटे–छोटे बच्चे रोजाना सड़क पार करते हैं, लेकिन तेज रफ्तार वाहनों के कारण उनकी जान को खतरा रहता है।उन्होंने अनुरोध किया कि किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए शीघ्र स्पीड ब्रेकर बनवाए जाएं। ग्रामीणों का कहना है कि व्यस्त दिल्ली रोड पर ट्रकों व अन्य वाहनों की रफ्तार अधिक होने से आए दिन हादसे होते हैं। स्कूलों के पास ब्रेकर न होने से अभिभावक भी चिंतित हैं।प्रधान ने पत्र की प्रति संबंधित विभागों को सूचना के लिए भेजी है। ग्रामीण उम्मीद कर रहे हैं कि जिला प्रशासन जल्द कार्रवाई करेगा।

जिलाध्यक्ष निर्वाचित हुए श्रीपाल,राहुल सिंह बने उपाध्यक्ष

हरदोई !;उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ में निर्वाचन प्रक्रिया का समापन होने के बाद निर्वाचित पदाधिकारियो की घोषणा कर दी जिसमें श्री पाल को जिलाध्यक्ष,राहुल कुमार सिंह को जिला उपाध्यक्ष,अभिशेष राज को जिला कनिष्क उपाध्यक्ष,जिला महामंत्री संजीब यादब,जिला उप मंत्री किरण मिश्रा ,कोषाध्यक्ष पयूष अस्थाना,लेखा परीक्षक बीरेश राजपूत को जुम्मेदारी मिली है

धान केंद्रों पर इंचार्जो की मनमानी किसान का मॉल तुला नही रजिस्टर में तुल दिया

माधौगंज । हरदोई गल्ला मण्डी में सरकारी धान खरीद केंद्रों पर सेन्टर इंचार्जओ की मनमानी के चलते किसान परेशान माधोगंज ब्लाक के विश्राम निवासी बढ़नपुर फत्ते को आज की दिनाक की डेट दी गई थी धान तुलने की किसान ने बताया सुबह 8 बजे से ट्राली लिए खड़ा हूं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही साम के 3 :30 बज गए लेकिन अभी तक धान नही तुला गया बिचौलियों के धान तुले जा रहे है जब तुलने को कहो तो डी एम ओ जो सेन्टर पे मौजूद है हड़का के भगा देते है मेरे ही साथ में एक किसान मेवालाल निवासी गौरा का आर एफ सी से 9 तारीख का टोकन था जिसे 9तारीख में ही रजिस्टर पर तौल दिया जबकि किसान का 12 तारीख तक मॉल नही तुला गया मेवालाल के जिसने कहा की मेरी 9 तारीख ट्राली खड़ी है अभी तक नही तुली गई जबकि उसका धान अच्छा था इससे यह इस्पस्ट होता है सरकारी कर्मचारी जिनकी धान खरीद केंद्रों पर इस प्रकार का व्यवहार यह साफ करता है जबकि किसान को अन्नदाता कहा जाता है फिरभी किसानों से किस प्रकार का व्यवहार हो रहा है ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ क्या कार्यवाही होती है।

अपर जिलाधिकारी संजय कुमार ने शीत लहर के प्रभाव को मुद्दे नजर रखते हुए शीत लहर से बचाव हेतु निर्देश दिए

लोक तंत्र की आवाज

उरई । अपर जिलाधिकारी(वि०/रा०) संजय कुमार ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में शीतलहर का प्रभाव जारी है, जिसके दृष्टिगत जनपद में ठण्ड से बचाव, तैयारी एवं सतर्कता बरतने की अन्यन्त आवश्यकता है। ठण्ड से बचाव हेतु आमजनमानस को जागरूक करने हेतु शीतलहर से पहले व उसके दौरान क्या करें व क्या न करें से सम्बन्धित एडवाइजरीं / दिशानिर्देश जारी किये जा रहे हैं, जो निम्नवत हैं- शीतलहर से बचाव हेतु एडवाइजरी में बताया कि शीतलहर से पहले- रेडियो सुने, टीवी देखें, स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के लिए समाचार पत्र पढ़ें ताकि यह पता चल सके कि क्या शीत लहर होने वाली है। पर्याप्त सर्दियों के कपड़े पहनें। कपड़ों की कई परतें शरीर को गर्म रखने में अधिक सहायक होती है। आपातकालीन आपूर्ति आवश्यकतानुसार आवश्यक आपूर्ति स्टोर करें एवं तैयार रखें।शीतलहर के दौरान फ्लू, बहती/भरी हुई नाक या नाक से खून जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, जो आमतौर पर ठंड के लंबे समय तक सम्पर्क में रहने के कारण हो जाती है या बढ़ जाती है। इस तरह के लक्षणों के लिए डॉक्टर से सम्पर्क करें। शीतलहर के दौरान- मौसम की जानकारी और आपातकालीन प्रक्रिया की जानकारी का बारीकी से पालन करें और सलाह के अनुसार कार्य करें। जितना हो सके घर के अंदर रहें और ठंडी हवा के संपर्क में आने से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। भारी कपड़ों की एक परत के बजाय ढीले फिटिंग, हल्के, विंडप्रूफ गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें। टाइट कपड़े ब्लड सर्कुलेशन को कम करते हैं। अपने आप को सूखा रखें। अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैर की उंगलियों को पर्याप्त रूप से कवर करें क्योंकि शरीर के इन अंगों के माध्यम से शरीर को ठंडक लगने का खतरा अधिक रहता है। दस्तानें पहने क्योंकि दस्ताने ठंडक से गर्मी और इन्सुलेशन प्रदान करते हैं क्योंकि उंगलियां अपनी गर्मी साझा करती हैं। और ठंड के लिए कम सतह क्षेत्र को उजागर करती हैं। ठंडक से बचने के लिए टोपी और मफलर का प्रयोग करें। शरीर के तापमान का संतुलन बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं।नियमित रूप से गर्म तरल पेय पदार्थ पिएं, क्योंकि गर्म पेय पदार्थ ठंडक से लड़ने के लिए शरीर को गर्मी प्रदान करते हैं।तेल, पेट्रोलियम जेली या बॉडी क्रीम से नियमित रूप से शरीर की मालिश करें क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करते हैं। बुजुर्ग लोगों और बच्चों की देखभाल करें और अकेले रहने वाले पड़ोसियों का ख्याल रखें।गैर-औद्योगिक इमारतों के लिए गर्मी इन्सुलेशन गाइडलाइन का पालन करें। शीतलहर के सम्पर्क में आने पर हाथ पैर की अंगलियों, कानों और नाक की नोक पर सुन्नता, सफेद या पीलापन दिखना, शीतलहर के लक्षण है जिसके प्रति सतर्क रहें। तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें।कंपकपी को नजरअंदाज न करें। शीतलहर के प्रभाव का यह एक महत्वपूर्ण संकेत है शरीर गर्मी खो रहा हो तो जल्द से जल्द घर के अंदर गर्म स्थान रहने का प्रयत्न करें। फास्टबाइट/हाइपोथर्मिया से पीड़ित कोई व्यक्ति शरीर के तापमान में कमी के कारण कपकपी, बोलने में कठिनाई, नींद न आना, मांसपेशियों में अकड़न, भारी, श्वास, कमजोरी और चेतना का नुकसान हो सकता है। हाइपोथर्मिया एक आपातकालीन चिकित्सा है जिसके लिए तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता होती है। गर्मी उत्पन्न करने के लिये बंद कमरे के अन्दर कोयला /अंगीठी न जलायें क्योंकि इससे कार्बन मानोऑक्साइड गैस उत्पन्न हो सकती है जो बहुत जहरीली होती है और कमरे में मौजूद लोगों की जान जा सकती है।विभिन्न बीमारियों, बहती/भरी हुई नाक जैसे लक्षणों के लिए तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें।पालतू जानवरों को शीतलहर से बचाने के लिए जानवरों को बाड़े के अंदर ले जाएं एवं ख्याल रखें।एन०डी०एम०ए० द्वारा जारी किया गया मोबाइल ऐप यथा (ӷ१२ अ ऋ१ र३४ील्ल३२ ल्ल ळ्ीू१२) ।अरळं ल्ल रअउलएळ मोबाइल ऐप डाउनलोड करें। उन्होंने बताया कि हाइपोथर्मियां के मामले में क्या करें- व्यक्ति को गर्म स्थान पर ले जाएं और उसके गीले कपड़े बदलें। व्यक्ति के शरीर को त्वचा से त्वचा के संपर्क में लाकर गर्म रखें, कंबल, कपड़े, तौलिये या चादर की परतों से सुखायें।शरीर के तापमान को बढ़ाने में मदद करने के लिए गर्म पेय दें। शराब न दें। स्थिति बिगडने पर चिकित्सीय सहायता लें।

हाइपोथर्मियां के मामले में क्या न करे- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से बचें।शराब न पीए क्योंकि यह शरीर के तापमान को कम करती है, और रक्त वाहिकाओं को संकुचित करती है। ठंडे से प्रभावित अंग की मालिश न करें। इससे अधिक नुकसान हो सकता है। कंपकपी को नजरअंदाज न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है-घर के अंदर शरण लें। प्रभावित व्यक्ति को तब तक कोई तरल पदार्थ न दें जब तक कि पूरी तरह से सचेत न हो जाए।उन्होंने बताया कि कृषि के मामले में क्या करें और क्या न करें- शीत लहर और पाला फसलों को नुकासान पहुंचाते हैं, खरीफ की फसलों की वृद्धि कम हो जाती है, पत्तियां जल जाती है। (पत्तियों पर सफेद, भूरे धब्बे) बन जाते है और पत्तियां सूख कर झुलस जाती है। जिसमें उनमें काला रतुआ, सफेद रतुआ पछेती सुषार आदि रोग उत्पन्न होते हैं। शील लहर के कारण अंकुरण, वृद्धि पुष्पन, उपज और भंडारण अवधि में विभिन्न प्रकार के शरीरिक व्यवधान का कारण बनती है। कृषि के मामले में क्या करें- ठंड से होने वाली बीमारी के लिए उपचारात्मक उपाय अपनायें जैसे बेहतर जड़ विकास को सक्रिय करने के लिए बोडों मिश्रण या कॉपर ऑक्सी क्लोराइड, फास्फोरस (ढ) और पोटेशियम (ङ) का छिड़काव करें। शीतलहर के दौरान जहां भी संभव हो, हल्की और बार-बार सतही सिंचाई करें। यदि संभव हो तो स्प्रिंकलर सिंचाई का उपयोग करें। ठंड प्रतिरोधी पौधों / फसलों/ किस्मों की खेती करें। बागवानी और बगीचों में इंटरक्रॉपिंग (अन्तर फसल) खेती का उपयोग करें। टमाटर, बैंगन जैसी सब्जियों की मिश्रित फसल, के साथ सरसों/अरहर जैसी लंबी फसलें ठंडी हवाओं (ठंड के खिलाफ आश्रय) के खिलाफ आवश्यक आश्रय प्रदान करेगी। सर्दियों के दौरान युवा फलदार पौधे को प्लास्टिक द्वारा ढककर अथवा पुआल या सरकंडा घास आदि के छप्पर (झुग्गियों) बनाकर विकिरण अवशोषण (अुरङ्ग१स्त्र३ङ्गल्ल) को बढाया जा सकता है। गर्म तापीय व्यवस्था प्रदानप की जा सकती है। जैविक मल्चिग (तापीय इन्सुलेशन के लिए)। विंड ब्रेक/शेल्टर बेल्ट लगाना (हवा की गति को कम करने के लिए)। उन्होंने बताया कि पशुपालन/पशुधन के मामले में क्या करें और क्या न करें- शीतलहर के दौरान, जानवरों और पशुधन को जीविका के लिए अधिक भोजन की आवश्यकता होती है क्योंकि ऊर्जा की आवश्यकता बढ़ जाती है। भैंसों / मवेशियों के लिए इस मौसम के दौरान जानवरों में तापमान में अत्यधिक भिन्नता पशुओं की प्रजनन दर को प्रभावित कर सकती है। पशुपालन/पशुधन के मामले में क्या करें- ठंड हवाओं के सीधे संपर्क से बचने के लिए रात के दौरान सभी तरफ से जानवरों के आवास को ढक दें। पशुओं और मुर्गियों को ठंड से बचाने और गर्म कपड़े से ढकने की व्यवस्था करें। पशुधन आहार पद्धति और आहार पूरकों में सुधार करें। उच्च गुणवत्ता वाले चारे या चरागाहों का उपयोग।वसायुक्त खुराक प्रदान करें- आहार सेवन, खिलाने और चबाने के व्यवहार पर अनुपात केंद्रित करें। जलवायु अनुकूल शेड का निर्माण करें जो सर्दियों के दौरान अधिकतम सूर्य प्रकाश तथा गर्मियों के दौरान कम विकिरण की अनुमति देता है।सर्दियों के दौरान पशुओं के नीचे सूखा भूसा जैसी कुछ बिछावान सामग्री डालें। इन परिस्थितियों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त नस्लों (फिट नस्लों) का चयन करें। पशुपालन/पशुधन के मामले में क्या न करें- शीतलहर के दौरान पशुओं को खुले स्थानों में न बांधे घूमने न दें। शीतलहर के दौरान पशुमेले से बचें। जानवरों को ठंडा चारा और ठंडा पानी देने से बचें। पशु आश्रय में नमी और धुएं से बचें। मृत पशुओं के शवों को पशुओं के नियमित चरने वाले मार्गों पर नहीं फेंका जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि यातायात / परिवहन विभाग के मामले में क्या करें- दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सतर्क रहें कोहरे और कम दृश्यता में सभी वाहनों को सावधानी से चलने के निर्देश दें।रिफ्लेक्टर/कैट्स आई लगवाएं सड़कों पर रिफ्लेक्टर पेंट और कैट्स-आई ठीक से लगवाएं ताकि रात दृश्यता बनी रहे।सड़कों की स्थिति की निगरानी करें फिसलन वाले इलाकों (ब्रिज, ओवरब्रिज, नमी वाले रास्ते) पर नमक या रेत का छिड़काव करें। कोहरे में धीरे चलने के लिए जागरूक करें- चालकों को **Slow Speed AüSX Keep Headlights ON** के बोर्ड लगाकर सचेत करें।वैकल्पिक मार्गों की जानकारी दें अगर किसी क्षेत्र में दृश्यता बहुत कम है तो वहां से डायवर्जन की व्यवस्था करें। पुलिस कर्मियों के लिए ऊनी वस्त्र और गर्म पेय की व्यवस्था करें ताकि वे ठंड में ड्यूटी कर सकें।

सीआरपीएफ जवान तो कहीं दोस्त बनकर चार लोगों को ठगा, लखनऊ में जालसाजों ने खाते से उड़ाए 8.58 लाख रुपये

लोक तंत्र की अवाज

रत्ना

लखनऊ। लखनऊ में साइबर जालसाजों ने युवती समेत चार लोगों के खाते से 8.58 लाख रुपये उड़ा दिए। जालसाजों ने शेयर ट्रेडिंग और सरिया का ऑर्डर देकर लोगों को फंसाया, तो कहीं सीआरपीएफ जवान और पिता का दोस्त बनकर ठगी की। मामले मलिहाबाद, गुडंबा, गाजीपुर व सुशांत गोल्फ सिटी के हैं। पुलिस साइबर क्राइम सेल की मदद से मामले की जांच कर रही है। ठगी के यह मामले मलिहाबाद, गुडंबा, गाजीपुर व सुशांत गोल्फ सिटी के हैं। मुकदमा दर्ज कर संबंधित थाने की पुलिस साइबर क्राइम सेल की मदद से ट्रेस कर रही है।मलिहाबाद के हरिहरपुर गांव निवासी मो. रफीक ने बताया कि शेयर ट्रेडिंग में निवेश पर मोटा मुनाफा दिलाने की बात कह जाल में फंसाया। फिर ट्रेडिंग एप पर अकाउंट बनाकर पीड़ित से 2.81 लाख रुपये निवेश कराए। एप अकाउंट में 33 लाख का मुनाफा देख रफीक ने विड्राल करने का प्रयास किया। इस पर जालसाज ने बतौर टैक्स छह लाख जमा करने की बात कही। इंकार पर उन्हें ब्लाक कर दिया। वहीं, गुडंबा के अतरौली निवासी विजय कुमार द्विवेदी ने बताया मकान बनवाने सरिया की जरूरत थी। 28 नवंबर को गूगल पर सर्च कर गैलेंट इस्पात में संपर्क किया। सरिया का आर्डर कर पत्नी के खाते से 4,57,045 रुपये दिए गए खाते में ट्रांसफर कर दिए।

लखनऊ : पासपोर्ट कार्यालय की तर्ज पर काम करेगा विद्युत विभाग का उपभोक्ता सेवा केंद्र

लोक तंत्र की अवाज

रत्ना

लखनऊ। यह कार्यालय लखनऊ मध्य यानी पुराने लखनऊ के उपभोक्ताओं के लिए खोला गया है। यह उपभोक्ता सेवा केंद्र बिल्कुल पासपोर्ट कार्यालय की तर्ज पर कार्य करेगा। यहां उपभोक्ता को टोकन दिए जाएंगे और टोकन लेकर वह एक काउंटर से दूसरे काउंटर पर जाकर अपनी समस्या का समाधान कार्यालय अवधि में करा सकेगा। 15 नवंबर से लागू हुई नई वर्टिकल बिजली व्यवस्था में उपभोक्ताओं की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए यह निर्णय किया गया है। यही नहीं पूरी व्यवस्था को देखने के लिए लखनऊ मध्य जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल व अधीक्षण अभियंता मुकेश त्यागी को लगाया गया है।मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल ने बताया कि उपभोक्ता सेवा केंद्र का मतलब है कि उपभोक्ता किसी भी सूरत में परेशान न हो। यहां बिलों में नाम परिवर्तन यानी चेंज आफ टेंडेंसी (सीटीओ), बिल में मोबाइल नंबर का रजिस्ट्रेशन के साथ ही अगर कोई उपभोक्ता अपना बिजली कनेक्शन कटवाना चाहता है तो वह स्थायी विच्छेदन की फीस जमा करके आवेदन कर सकता है। अधीक्षण अभियंता मुकेश त्यागी ने बताया कि बिजली उपभोक्ता अपनी सुविधा अनुसार अपने बिजली कनेक्शन का लोड बढ़ाने व घटवाने का काम भी यही से करा सकता है। हालांकि यह विकल्प आनलाइन भी मौजूद है। उनके मुताबिक कुछ उपभोक्ता ऐसे हैं, जिनकी शिकायत हैं की रूफ टाप सोलर के मीटर, बिल से जुड़ी समस्या है तो उसे भी ठीक कराया जा सकता है। यही नहीं यहां एक मुश्त समाधान योजना से जुड़ी जानकारी भी उपभोक्ता ले सकते हैं और पंजीकरण कराकर लाभ उठा सकते हैं।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य के आवास तक पहुंचा युवक, खुद को बताया दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष का प्रतिनिधि; पुलसि ने दबोचा

लोक तंत्र की अवाज

रत्ना

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के सरकारी आवास पर एक युवक खुद को भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा का प्रतिनिधि बताकर तीन साथियों के साथ पहुंचा था। सतर्कता टीम को उनपर शक हुआ तो पूछताछ की, जिसके बाद सभी को पकड़ लिया गया। तत्काल उन्होंने गौतमपल्ली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। इस मामले में सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) विकास जायसवाल ने बताया कि तहरीर नहीं मिली है। सिक्टोरिटी इंचार्ज की तरफ से तहरीर दी जा रही है, मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।इंस्पेक्टर गौतमपल्ली रत्नेश सिंह ने बताया कि पकडा गया आरोपित गौतमबुद्धनगर के दादरी स्थित घोड़ी बछेड़ा निवासी दशरथ पाल है। जांच में सामने आया कि आरोपित तीन साथियों के साथ शिष्टाचार भेंट के नाम पर उपमुख्यमंत्री के आवास पहुंचा था। उसके व्यवहार और बातचीत पर सतर्कता टीम को संदेह हुआ।जिसके बाद गहन पूछताछ की गई।पूछताछ के दौरान आरोपित अपने दावों का कोई प्रमाण नहीं दे पाया। उसकी सच्चाई उजागर होने पर दिल्ली में सूचना देने के साथ ही गौतमपल्ली पुलिस को बताया गया। जांच में सामने आया है कि आरोपित उत्तर प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, बुलंदशहर और लखनऊ सहित कई जिलों में स्वयं को दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष का प्रतिनिधि बताकर लोगों को भ्रमित कर रहा था। इसी झूठे प्रभाव के कारण वह कई लोगों को गुमराह कर चुका था। कथित तौर पर धोखाधड़ी के प्रयास भी किए थे। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि इस युवक के बारे में उपमुख्यमंत्री को पहले ही सूचना दी गई थी, लेकिन इसकी पुष्टि किसी ने नहीं की थी। घटना की जानकारी तत्काल दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को भी भेज दी गई। इंस्पेक्टर गौतमपल्ली ने बताया कि पूछताछ कर कार्रवाई की जा रही है।

सहारनपुर : भ्रष्टाचार: मानचित्र फूड प्लाजा और आवास का लेकिन मिलीभगत से बनवा दिया बैंकट हॉल

लोकतंत्र की आवाज

रिपोर्ट साजिद सलमानी

सहारनपुर। अपने भ्रष्ट कारनामों से बदनाम सहारनपुर विकास प्राधिकरण के अवर अभियंताओं एवं अधिकारियों के भ्रष्टाचार का एक बड़ा खुलासा हुआ है। बता दें कि जोन 6 के अंतर्गत रईस अहमद एवं अलीम पुत्रगण सईद अहमद द्वारा खसरा संख्या-367 व 368 मौजा मेघछप्पर अंबाला रोड़ परगना, तहसील व जिला सहारनपुर में सहारनपुर विकास प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराए बिना किए गए अनाधिकृत एवं प्रस्तावित निर्माण भूतल पर फूड प्लाजा और प्रथम तल पर आवास के संबंध में शमन मानचित्र संख्या 0003004/2022-23 क्षेत्रफल 860.59 वर्ग मीटर स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया तथा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बाद मे रईस अहमद निर्माणकर्ताओं ने इस प्रॉपर्टी को लविश पोपली आदि को विक्रय कर दिया इसके बाद नये खरीदार लविश पोपली आदि ने इसमें लगभग दो बीघा भूमि और मिला ली यही नहीं मिलीभगत से भीतर अवैध बेसमेंट भी बना लिया तथा जैसे कि विदित है मानचित्र तो फूड प्लाजा, आवास का ही शमन कराकर पास कराया परंतु सेटिंग्स करके मौके पर स्वीकृत से अधिक क्षेत्र में बैंक्विट हॉल बना लिया जिसमे वर्तमान में रुतबा के नाम से बैंकट हॉल संचालित है।

वर्तमान में आज भी स्थल पर बैंक्विट हॉल ही संचालित हो रहा है जो सहारनपुर विकास प्राधिकरण के अवर अभियंताओं व अधिकारियों का वयापक भ्रष्टाचार है। सभी ठोस तथ्यों के साथ शिकायत करने की प्रक्रिया है अब देखना है कि सहारनपुर विकास प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई करते हैं। वैसे जानकारी मिली है कि सहारनपुर विकास प्राधिकरण ने निर्माणकर्ताओं को नोटिस भेज कर संशोधित शमन मानचित्र जमा कराने हेतु पत्र भेजा है।

अपर जिला जज पारुल पावर ने आगामी 13 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर मोटर वाहन,श्रम बाद, वैवाहिक दंपति,जल जीवन, के अधिकारियों के साथ बैठक की

लोक तंत्र की आवाज

उरई । सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/ अपर जिला जज पारूल पंवार ने बताया कि उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दिनांक 13.12.2025 शनिवार को प्रातः 10:00 बजे से जनपद की समस्त दीवानी न्यायालयों में किया जायेगा। माननीय जनपद न्यायाधीश श्री विरजेन्द्र कुमार सिंह दिशा-निर्देशन में इस राष्ट्रीय लोकअदालत में दीवानी, राजस्व, मोटर वाहन दुर्घटना और पारिवारिक, वैवाहिक/दाम्पत्य विवाद से संबंधित वादों/मुकदमा, श्रम वाद, विद्युत एवं जल के बिल से सम्बन्धित शमनीय दण्ड वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, लघु एवं शमनीय आपराधिक वाद और धारा 138 एन०आई०एक्ट के अन्तर्गत चैक बाउन्स के मामले नियत किये जायेंगे। इनका निस्तारण परस्पर सुलह-समझौते अथवा जुर्म स्वीकारोक्ति के आधार पर किया जायेगा। प्री-लिटिगेशन स्कीम के अन्तर्गत मोबाइल/टेलीफोन के बकाया बिल और विभिन्न बैंकों के ऐसे बकायेदारों के मामले भी नियत किये जायेंगे, जिन्होंने कई वर्षो के बाद भी बकाया बिल या बैंक ऋण जमा नहीं किया है। ऐसे बकायेदारों को इस अवसर का लाभ अवश्य उठाना चाहिए और इस राष्ट्रीय लोकअदालत में उपस्थित होना चाहिए, जिसका आयोजन सभी के हितों को ध्यान में रखकर किया जा रहा है।

यातायात सम्बन्धी चालानों को वेबसाइट **Vcourts.gov.in** के द्वारा ई-पेमेन्ट के माध्यम से भुगतान कर घर बैठे ही निस्तारण करा सकते हैं। समस्त वादकारियों से अपील की जाती है कि लम्बित दीवानी, राजस्व, मोटर वाहन दुर्घटना और पारिवारिक, वैवाहिक/दाम्पत्य विवाद से संबंधित वादों/मुकदमों में सुलह-समझौता करने के इच्छुक व्यक्ति/संबंधित पक्ष समय पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठायें। इसमें किसी प्रकार की समस्या होने पर वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं।

खंड शिक्षा अधिकारी की आख्या पर बीएसए ने इंचार्ज को किया निलंबित

लोकतंत्र की आवाज

अहिरोरी। विकासखंड अहिरोरी के उच्च प्राथमिक विद्यालय करीमनगर में शिक्षकों की भारी लापरवाही अनियमितताओं को लेकर विद्यालय की खबर प्रिंट मीडिया के माध्यम से प्रकाशित की गई थी खबर की सूचना खंड शिक्षा अधिकारी ने स्कूल में मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की जिसमें अनियमिताएं पाई गई जिसकी आख्या लगाकर बीएसए को भेजी बीएसए ने विद्यालय इंचार्ज पर निलंबित की कार्रवाई की। बता दे उच्च प्राथमिक विद्यालय करीमनगर के बच्चें सोनी, प्रियंका, पुष्पा, माही, रूपा, रितेश, गौरव, राज, श्यामजी, शिवमंगल गुरजीत आदि दर्जनों बच्चों ने बताया विद्यालय के इंचार्ज शिरीश कुमार यादव करीब 15 दिनों से विद्यालय नहीं आ रहे हैं बच्चों का यह भी आरोप था कि उनको मिड डे मील के तहत मिलने वाला आहार भी 10 दिनों से नहीं मिला है। विद्यालय में छुट्टी होने के बाद बच्चे अपने घर पर जाकर खाना खाते हैं। विद्यालय में पांच लोगों का स्टाफ है बच्चों को मिलने वाला मध्यान आहार को लेकर विद्यालय की रसोईया ने बताया राशन न होने की वजह से दो-चार दिन से बच्चों का खाना नहीं बन पाया है आज भी मौके पर आटा नहीं है चावल बन रहे हैं। उपरोक्त विषय को लेकर आपका अपना अखबार अमर भारती ने तथ्यात्मक खबर 9 नवंबर को खबर प्रकाशित की थी। जिसको संज्ञान में लेकर खंड शिक्षा अधिकारी ने 11 नवंबर को स्कूल पहुंचकर मौके पर जांच की थी तो जांच में खामियां मिलने पर खंड शिक्षा अधिकारी ने आख्या बीएसए को प्रेषित की जिस पर बीएसए ने तत्काल संज्ञान लेते हुए विद्यालय इंचार्ज शिरीश कुमार यादव को निलंबित कर दिया।

संक्षिप्त खबरें ।

सेंट जेवियर्स में बच्चों का नि:शुल्क नामांकन व शिक्षकों की बहाली प्रक्रिया प्रारंभ

लोकतंत्र की आवाज
समस्तीपुर। जिले के विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत रोसड़ा-दलसिंहसराय मुख्य पथ के दाहु चौक,आरडी कॉम्प्लेक्स स्थित राष्ट्रीय शिक्षा रत्न-गोल्ड मेडल से सम्मानित सह सीबीएसई नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त विद्यालय सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल +2 में पढ़ाई के लिए प्रेरित करने को लेकर कक्षा प्री-नर्सरी से लेकर आठवीं कक्षा तक के बच्चों का नामांकन विद्यालय के प्रबंधक सह निदेशक विजय कुमार चौधरी के आदेशानुसार नि:शुल्क किया जा रहा है। वहीं प्राचार्य उज्ज्वल कुमार गौतम एवं उप प्राचार्य श्याम नन्द झा ने संयुक्त रूप से बताया कि विद्यालय में बच्चों के नि:शुल्क नामांकन के साथ हीं जूनियर सेक्शन से लेकर सीनियर सेक्शन के शिक्षकों की बहाली प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पहले आओ,पहले पाओ के आधार पर डिग्रीधारी व अनुभवी व्यक्ति को साक्षात्कार के माध्यम से दिया जाएगा। मौके पर सभी शिक्षक मौजूद रहे।

नियमित धान क्रय केंद्र खोलने में प्रशासन विफल- सत्यनारायण सिंह

लोकतंत्र की आवाज
समस्तीपुर। बिहार राज्य किसान सभा बिथान आंचल किसान काउंसिल की बैठक रामसिहासन राय की अध्यक्षता एवं जिला मंत्री सत्यनारायण सिंह के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से जिला मंत्री सत्यनारायण सिंह ने रासायनिक खाद की व्यापक कालाबाजारी पर घोर चिंता व्यक्त किया। उन्होंने कहा जिला प्रशासन के आश्वासन के बावजूद पंचायत स्तर पर धान क्रय केंद्र खोलने में प्रशासन नाकाम हो रही है। जिला किसान कौंसिल द्वारा घोषित जिलाधिकारी समक्ष 15-16 दिसम्बर को दो दिवसीय आक्रोष पूर्ण धरना की सफलता हेतु अधिक से अधिक किसानों की उपस्थिति के लिए विस्तृत योजना बनाई गई। संगाठनिक मजबूती के लिए सदस्यता वर्ष 2025-26 में 40 हजार किसानों को संगठित करते हुए दिसम्बर माह में पंचायत सम्मेलन एवं 15 जनवरी तक अंचल सम्मेलन सम्पन्न कर आगामी 7-8 फरवरी को किसान सभा का 12 वां जिला सम्मेलन विभूतिपुर में आयोजित की जाएगी। बैठक में अंचल सचिव रामलखन महतो, रामसिंहासन यादव,रामनारायण वियोगी,कमलनारायण यादव, धर्मेन्द्र कुमार सहित अन्य ने भाग लिया।

बिहार कारा दिवस के अवसर पर मंडल कारा समस्तीपुर में प्रतियोगिता सह सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन

लोकतंत्र की आवाज
समस्तीपुर। मंडल कारा समस्तीपुर में बिहार कारा दिवस 25 के अवसर पर आशा सेवा संस्थान के द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिता सह सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता अधीक्षक प्रशांत कुमार ओझा ने किया ।सफल प्रतिभागियों को मोमेंटो और मेडल से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बंदियों के बीच समय समय पर विभिन्न प्रकार की सामाजिक गतिविधियों के कराने के कारण कारा प्रशासन द्वारा आशा सेवा संस्थान के सचिव अमित कुमार वर्मा को एवं प्रगति आदर्श सेवा केंद्र के सचिव अधिवक्ता डॉ संजय कुमार बबलू को मोमेंटो देकर बंदी सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया ।मौके पर आशा सेवा संस्थान के सचिव अमित कुमार वर्मा एन जी ओ संघ बिहार के सचिव सह अधिवक्ता डॉ संजय कुमार बबलू शिक्षक मनोज कुमार आदि मौजूद थे ।आगत अतिथियों का स्वागत और धन्यवाद ज्ञापन उपाधीक्षक मनोज कुमार ने किया मौके पर सहायक अधीक्षक कंचन कुमारी प्रेरणा कुमारी एवं ज्योति कुमारी मौजूद थे।

कहलगांव प्रखंड के सीआरसी बसकोला में संकुल स्तरीय टीएलएम मेला का आयोजन

- अंकों का तारामाची और ककहरा की घिरनी पर आधारित टीएलएम रहा आकर्षण का केंद्र
- संकुल स्तर के सर्वश्रेष्ट टीएलएम प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

लोकतंत्र की आवाज

केदार नाथ पाण्डेय
पीरपैंती/कहलगांव। कहलगांव प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय बसकोला सीआरसी में शुक्रवार को संकुल संचालक रवि कुमार रजक के नेतृत्व में संकुल स्तरीय टीएलएम मेला 3.0 का आयोजन किया गया , जिसमें संकुल अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने स्वयं द्वारा निर्मित टीएलएम को प्रदर्शित किया । इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को रोचक तरीके से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए शिक्षकों को प्रतिस्पर्धी माहौल देकर उन्हें सृजनशील बनाना है । बच्चों को भाषा और संख्या ज्ञान को आसान व रोचक तरीके से सिखाने के लिए शिक्षक स्वयं द्वारा निर्मित आकर्षक शिक्षण अधिगम सामग्री टीएलएम का उपयोग अपने वर्ग कक्ष में करते हैं , जिससे बच्चे रोचक तरीके से आनंददायक माहौल में आसानी से किसी भी अवधारणा को सीख लेते हैं ।

प्राथमिक विद्यालय मिर्धाचक आदिवासी टोला की शिक्षिका मोनिका कुमारी द्वारा निर्मित संख्याओं का जादू , अंकों का तारामाची, ककहरा की घिरनी पर आधारित टीएलएम आकर्षण का केंद्र रहा और उन्हें प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया । वहीं दूसरे स्थान पर प्राथमिक विद्यालय देवीपुर के मनोज कुमार सिन्हा और तीसरे स्थान पर प्राथमिक विद्यालय टिकलुगंज के आकाश कुमार आर्यन रहे । इस आयोजन में प्रा वि टिकलुगंज के राजीव रंजन, चांदनी चौक की रोजी कुमारी , मिर्धाचक आदिवासी टोला की मोनिका कुमारी, देवीपुर के संतोष कुमार सिन्हा, जहानाटीकर प्राथमिक विद्यालय के कपिल देव सिंह, मध्य विद्यालय नंदलालपुर के मिथुन कुमार, बसकोला के राजेश कुमार एवं म वि बनसपत्ती के अनिल राज ने भी अपने टीएलएम को प्रदर्शित किया । मेले में सम्मिलित होने वाले सभी शिक्षक - शिक्षिकाओं को सांत्वना पुरस्कार दिया गया । मौके पर प्रबंधन एवं समन्वय समिति के सदस्य अनिल कुमार दास, राजेश कुमार निर्णायक मंडली के सदस्य चन्द्र मोहन कुमार, अर्जुन केशरी, चन्द्रकांत यादव , दिपेश लाल के साथ दर्जनों शिक्षक - शिक्षिकाएँ उपस्थित थे ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में उच्च विद्यालय बसकोला के शिक्षक राजेश कुमार, कुणाल कुमार, सुदर्शन कुमार, जोसेफ व आनंद कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई।

पुलिस ने विदेशी शराब जब्त की, एक तस्कर गिरफ्तार

लोकतंत्र की आवाज

समस्तीपुर। शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के उद्देश्य से बिथान थाना पुलिस ने गुरुवार को बड़ी सफलता हासिल की। गुप्त सूचना के आधार पर मरथुआ टोला कमलेश्वरीपुर थाना क्षेत्र के चौर में छापेमारी कर पुलिस ने कुल 5.4 लीटर विदेशी शराब बरामद की और एक शराब कारोबारी को मौके से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान मरथुआ गांव टोल कमलेश्वरीपुर निवासी देवनन्दन यादव के 38 वर्षीय पुत्र बलराम यादव के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार वह क्षेत्र में अवैध शराब की आपूर्ति और बिक्री में सक्रिय रूप से शामिल था।

पुलिस को सूचना मिली थी कि मरथुआ चौर में विदेशी शराब की खेप पहुंचाई गई है और उसकी बिक्री की तैयारी चल रही है। सूचना सत्यापित होते ही तत्काल छापेमारी दल का गठन किया गया इस अभियान का नेतृत्व बिथान थानाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र राजू कर रहे थे, जिनके साथ कई पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे। टीम ने चारों ओर से घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया, जिसके दौरान विदेशी शराब बरामद हुई और आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। जब्त की गई शराब को थाना लाकर सील किया गया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि बिथान क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर पूर्ण रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शराब तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध मद्य निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में भी जुट गई है।

साहिबगंज : सड़क हादसे में शिक्षक घायल, रेफर

लोकतंत्र की आवाज

साहिबगंज। मुफस्सिल थाना के पास गौशाला के नजदीक शुक्रवार को सड़क हादसा में मिर्जाचौकी निवासी शिक्षक कलीम असलम उम्र 30 गंभीर रूप से घायल हो गए।मुफस्सिल थाना पुलिस ने घायल शिक्षक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टर केशव कृष्ण ने उसका प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति देख हायर सेंटर रेफर कर दिया। मिली जानकारी अनुसार घायल मंडरो प्रखंड के किसी स्कूल में शिक्षक है। वे बाइक से साहिबगंज जा रहे थे। इसी दौरान गौशाला के पास वे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में उनके हाथ व पैर समेत शरीर के कई हिस्से में गंभीर चोट लगी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

न्याय के लिए एसएफआई व डीवाईएफआई ने किया थाना का घेराव

लोकतंत्र की आवाज

उत्तर बिहार प्रभारी संजय कुमार सिंह
समस्तीपुर। जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नरहन के सरपंच पुत्र सोनू कुमार के सीने में गोली कांड के खिलाफ सरपंच पति राजीव रंजन सिन्हा व सरपंच रेखा सिन्हा के आह्वान पर भारत का छात्र फेडरेशन(एसएफआई) व भारत की जनवादी नौजवान सभा (डीवाईएफआई) के बैनर तले विभूतिपुर थाना का घेराव किया गया। इससे पूर्व प्रदर्शनकारी इंकलाब जिंदाबाद,पुलिस गुंडा साथ गांठ मुर्दाबाद,पुलिस अधीक्षक हाय हाय,बिहार सरकार मुर्दाबाद,क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराध पर रोक लगाओ आदि नारे लगाते हुए थाना परिसर पहुंचे। जिस दौरान पुलिस के साथ प्रदर्शनकारियों की थोड़ा नोंक झोंक भी हुई। वहीं एसएफआई पूर्व जिलाध्यक्ष अवनीश कुमार की अध्यक्षता में एक सभा हुई।

सभा को डीवाईएफआई के जिलाध्यक्ष महेश कुमार,अंचल मंत्री संजय कुमार,नरहन के पंचायत समिति चांदनी देवी,नटवर कुमार,अंकित कुमार,रितेश कुमार,पंचानंद कुमार, जनप्रतिनिधि विजय कुमार,प्रदीप कुमार, विकास रजक,ललन कुमार आदि ने संबोधित किया। वक्ताओं ने नरहन के सरपंच पुत्र को सीने में गोली चलाने वाले थाना कांड संख्या 465/25 को जेल के अंदर बंद करने, डबल मर्डर कांड संख्या 203/25 के अभियुक्त को गिरफ्तार करने,थाना कांड संख्या 237/25 एवं 184/25 के अभियुक्त को गिरफ्तार करने, ज्वेलरी लूट कांड के अपराधी को गिरफ्तार करने,मंदा थाना कांड संख्या 358/25 के निर्दोष लोगों को रिहा करने आदि की मांग कर रहे थे। उसके बाद एसएफआई नेता केशव झा, डीवाईएफआई अंचल अध्यक्ष बबलू कुमार, जनप्रतिनिधि चांदनी देवी, नरहन के सरपंच रेखा सिंह,रितेश कुमार, अंकित कुमार प्रतिनिधिमंडल के रूप में थानाध्यक्ष सुनील कुमार झा से वार्तालाप किए। थानाध्यक्ष ने कहा कि 15 दिनों के अंदर नरहन गोली कांड के आरोपी को गिरफ्तार करेंगे अन्यथा 30 दिनों के अंदर कुर्की जब्ती करने का आश्वासन दिया। वहीं अन्य मामलों में भी उचित कानूनी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। उसके बाद प्रदर्शनकारी धरना प्रदर्शन को समाप्त किया गया। वहीं प्रतिनिधिमंडल ने एक स्वर में कहा कि यदि थानाध्यक्ष द्वारा दिया गया आश्वासन ससमय पूरा नहीं होता है तो आने वाले दिनों में पुलिस अधीक्षक का घेराव करेंगे।जिसका सारा जवाबदेही जिला के पुलिस अधीक्षक की होगी।

- पुलिस कर्मियों के साथ हुई थोड़ी नोंक झोंक

मौके पर सुमित कुमार,राकेश कुमार, चंदन पासवान,श्याम बाबू, चेतन कुमार, राकेश कुमार,अंकित कुमार, तरुण कुमार, देवनारायण पासवान, पांडव कुमार सहित सैंकड़ों छात्र-युवा-महिलाएं आदि उपस्थित थे।

पीरपैंती : मिड-डे मील में जहर की अफवाह से हंगामा

लोकतन्त्र की आवाज

- बच्चों में कोई लक्षण नहीं, जांच की मांग तेज
- प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला बाबूपुर का मामला

केदार नाथ पाण्डेय
पीरपैंती। प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला बाबूपुर में शुक्रवार को मिड-डे मील को लेकर अचानक हड़कंप मच गया। कुछ बच्चों ने दावा किया कि खाने से अजीब और तेज गंध आ रही है, जिसके बाद किसी भी बच्चे ने खाना नहीं खाया। बच्चों ने यह बात घर पर बताई तो ग्रामीण बड़ी संख्या में स्कूल पहुंच गए। स्थिति बिगड़ती देख शिक्षकों ने भोजन को नष्ट करवाया। गौरतलब है कि किसी भी बच्चे ने खाना नहीं खाया था और किसी में बीमारी या किसी तरह की गड़बड़ी का एक भी मामला सामने नहीं आया जिससे जहर मिलाने का आरोप अभी तक सिर्फ अफवाह या संदेह ही प्रतीत हो रहा है।

अगले दिन स्कूल परिसर में स्थानीय मुखिया लक्ष्मण यादव, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि, जदयू पंचायत अध्यक्ष अजय राय, रामाधीन मंडल सहित कई जनप्रतिनिधियों की बैठक हुई। प्रधानाध्यापक ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि यह उन्हें झूठे मामले में फंसाने की कोशिश है। मुखिया लक्ष्मण यादव ने स्पष्ट किया कि भोजन में जहर नहीं था, बल्कि संभवतः नील की हल्की गंध रही होगी, जिसकी वजह से बच्चों में भ्रम फैला। ग्रामीणों ने पूछा कि अगर भोजन सुरक्षित था तो इसे फेंका क्यों गया। ग्रामीणों ने पूरी घटना की वैज्ञानिक तरीके से खाद्य नमूने की जांच और स्कूल में नियमित निरीक्षण कराने की मांग की है, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके और भविष्य में ऐसी अफवाहें न फैलें।

साहिबगंज : आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के सभी प्रशिक्षु करेंगे राज्य का प्रतिनिधित्व

लोकतंत्र की आवाज

साहिबगंज। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 13 से 17 दिसंबर 2025 तक गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स,लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में आयोजित 69वीं नेशनल स्कूल गेम्स एथलेटिक्स प्रतियोगिता, अंडर 17 में खेल विभाग द्वारा सिदो कान्हु स्टेडियम साहेबगंज में संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के 06 ट्रेनी एथलीट जो प्रशिक्षक योगेश यादव के नेतृत्व में अभ्यास करते हैं एवं +2 राजस्थान उच्च विद्यालय, साहेबगंज के छात्र हैं झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची द्वारा चंदनक्यारी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बोकारो में आयोजित 20 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर उपरांत लखनऊ पहुंचे।

जिसमें पृथ्वी राज मंडल (जेवलिन थ्रो), परमा हांसदा (4 गुणा 100 मीटर रिले),एमानुएल किस्कू (110 मीटर हर्डल्स एवं 4 गुणा 100 मीटर रिले), प्रेम चंद मुर्मू (हैमर थ्रो),जमशेद अंसारी (5000 मीटर पैदल चाल), कृष्णा कुमार (4 गुणा 400 मीटर रिले) में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। सभी 06 खिलाड़ियों एवं इनके कोच योगेश यादव को उपायुक्त हेमंत सती, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा,आई टी डी ए निदेशक संजय कुमार,अपर समाहर्ता गौतम भगत,जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा, जिला खेल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष समेत जिले के खेल प्रेमियों ने शुभ कामना दी।

छात्र परिचर्चा सह प्रेरणा कार्यक्रम आयोजित

लोकतन्त्र की आवाज

केदार नाथ पाण्डेय
पीरपैंती। पीरपैंती प्रखंड के एक विवाह भवन मे डेली माइंड एजुकेशन द्वारा आयोजित आज का छात्र परिचर्चा एवं प्रेरणा कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम प्रियदर्शिनी विवाह भवन, शेरमारी में दोपहर 12 बजे प्रारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों, अभिभावकों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय मुरारी पासवान, विधायक (पीरपैंती) ने छात्रों को सफलता के लिए अनुशासन, निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच को अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने डेली माइंड एजुकेशन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होंगे। कार्यक्रम के विशेष वक्ता आचार्य अंशु , ने छात्रों को "लक्ष्य प्राप्ति के स्वर्णिम सूत्र" प्रदान किए। उन्होंने बताया कि लक्ष्य सेट करना, एकाग्रता बनाए रखना और सही दिशा में सतत प्रयास करना सफलता के आधार स्तंभ हैं। उनके प्रेरक भाषण ने छात्रों में नई ऊर्जा और उत्साह भर दिया।

कार्यक्रम में पीरपैंती प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बलदेव ठाकुर , संजीवनी गंगा के संस्थापक मोहम्मद एजाज , प्रशांत सिंह , चंदन पाण्डेय , मौसम कुमारी सहित कई छात्र भी मौजूद थे इस अवसर पर Daily Mind Education टीम ने बताया कि संस्था आगामी समय में भी ऐसे कई शैक्षणिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी, जिससे क्षेत्र के युवाओं को बेहतर मार्गदर्शन और अवसर मिल सके। कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों के प्रति आयोजक संस्था ने आभार व्यक्त किया।

यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे (सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस) का आयोजन

लोकतंत्र की आवाज

साहिबगंज। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के निर्देशानुसार, और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), साहेबगंज,अखिल कुमार के मार्गदर्शन में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे (सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस) के अवसर पर व्यापक जागरूकता और कानूनी साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में आयोजित किया गया था। इस पहल का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर और हाशिए पर रहने वाले वर्गों के बीच स्वास्थ्य संबंधी अधिकारों और विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में जागरूकता सुनिश्चित करना है।

डालसा, तालुका विधिक सेवा समितियों (टीएलएससी) और पारा-लीगल वालंटियर्स (पीएलवी) ने लोगों को स्वास्थ्य संबंधी अधिकारों और विभिन्न सरकारी योजनाओं, विशेषकर आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) और आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (एबी-एचडब्ल्यूसी) के बारे में जागरूक किया। जागरूकता कार्यक्रमों में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके), राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके), मिशन इंद्रधनुष, जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई), और राष्ट्रीय तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) जैसी कई योजनाओं को शामिल किया गया।

प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि जिले भर में विभिन्न स्थानों, विद्यालयों और पंचायतों में भी जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए, जहाँ लीगल एड डिफेन्स कौंसिल – न्याय रक्षक, पारा लीगल वालंटियर्स - न्याय मित्रों द्वारा अस्पतालों,विद्यालयों, वृद्धाश्रम,पंचायतों और अन्य स्थानों पर नागरिकों को उनके स्वास्थ्य अधिकारों और उपलब्ध सरकारी सहायता, स्वास्थ्य योजनाओं कि जानकारी और मुफ्त इलाज के अधिकारों को बताया | पीएलवी ने लाभार्थियों, विशेषकर गरीब परिवारों की पहचान करने और उन्हें ई-कार्ड जनरेट करने में सहायता की, ताकि वे बिना किसी अवैध शुल्क के उपचार का लाभ उठा सकें। श्री भगत ने बताया कि जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के साथ मिलकर उच्च जोखिम वाले औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के स्वास्थ्य अधिकारों और सरकारी सलाहों पर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर, साहेबगंज डालसा ने यह सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाए हैं कि सभी नागरिकों को वित्तीय कठिनाई के बिना आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें।

संक्षिप्त खबरें ।

जनता दरबार में शुक्रवार को जिले के विभिन्न अंचलों से आए कुल 21 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर हुई सुनवाई

ब्यूरो चीफ मोतिहारी
पूर्वी चंपारण। समाहरणालय मोतिहारी स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार में आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए कुल 21 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारीगण के द्वारा सुनवाई की गई। प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एडीएम पीजीआरओ शैलेंद्र कुमार भारती ने कहा कि आज जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से कार्रवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। शुक्रवार को भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश के साथ भेजने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। शुक्रवार को जिला जनता दरबार में अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) के साथ-साथ वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार द्वारा प्राप्त आवेदनों का निष्पादन किया गया।

जदयू कार्यकारिणी जिला अध्यक्ष बनाए गए पूर्व विधायक प्रभात रंजन सिंह, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर, दी गई शुभकामनाएँ

ब्यूरो चीफ नीरज मिश्रा
बगहा। पूर्व विधायक प्रभात रंजन सिंह को जदयू द्वारा बगहा पुलिस जिला का जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष बनाए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह और खुशी का माहौल है। नियुक्ति की खबर मिलते ही क्षेत्र के जदयू नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाइयाँ दीं और इसे संगठन को मजबूती देने वाला निर्णय बताया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रभात रंजन सिंह के नेतृत्व और अनुभव से जदयू को नए ऊर्जा के साथ मजबूती मिलेगी। उनके संगठनात्मक कौशल और जमीनी पकड़ से पार्टी को आगामी समय में लाभ मिलने की उम्मीद जताई गई। प्रभात रंजन सिंह को बधाई देने वालों में दयाशंकर सिंह, राकेश सिंह, मुन्ना सिंह, मोहम्मद राशिद, जुगनू आलम, मोहम्मद निजामुद्दीन, उमाशंकर पटेल, अशोक पटेल, जीतन कुशवाहा, राजेश प्रसाद समेत बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ता शामिल रहे। सभी ने कहा कि सिंह के नेतृत्व में संगठन और अधिक सक्रिय, मजबूत और जनसंपर्क आधारित बनेगा। स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई और पार्टी के इस निर्णय का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रभात रंजन सिंह संगठन को सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं को जोड़ने और जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाने में प्रमुख भूमिका निभाएँगे। जदयू नेताओं ने कहा कि आने वाले दिनों में पार्टी नए उत्साह के साथ संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान को गति देगी।

जनता दरबार में 35 शिकायतों की सुनवाई

ब्यूरो चीफ नीरज मिश्रा
बगहा। समाहरणालय सभागार में आज जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में जिलेभर से पहुंचे फरियादियों की कुल 35 शिकायतों की सुनवाई की गई। डीएम ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनता दरबार के दौरान कई शिकायतों का निपटारा मौके पर ही कर दिया गया। जिला पदाधिकारी ने आवश्यक मामलों में संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों से वहीं मौजूद रहते हुए फोन पर बातचीत की और तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। त्वरित समाधान से फरियादियों ने संतोष व्यक्त किया। जिन मामलों का निपटारा तुरंत संभव नहीं था, उन्हें संबंधित विभागों को भेज दिया गया। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लंबित मामलों का नियमानुसार, समयबद्ध और पारदर्शी निपटारा किया जाए। जनता दरबार में राजस्व, शिक्षा, आपूर्ति, आवास, स्वास्थ्य सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्रस्तुत की गईं। डीएम तरनजोत सिंह ने कहा कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का तेज, पारदर्शी एवं संवेदनशील समाधान उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि किसी भी शिकायत में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और प्रत्येक आवेदन को पूरी संवेदनशीलता के साथ निपटाया जाए।

योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी ने अरेराज अनुमंडल सभागार में की समीक्षा बैठक

लोकतंत्र की आवाज

ब्यूरो चीफ मोतिहारी
पूर्वी चंपारण। अरेराज अनुमंडल सभागार में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने आज राज्य सरकार द्वारा प्रखंड/अंचल स्तर पर संचालित ग्रामीण विकास विभाग पंचायती राज विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, की योजनाओं के क्रियान्वयन एवं हुई प्रगति पर एक समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा एवं उप विकास आयुक्त डॉ प्रदीप कुमार भी उपस्थित थे। बैठक में ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण वित्तीय वर्ष 2024-25, 2025-26 की आवास स्वीकृति, आवास पूर्णता, ई-केवाईसी, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना में लंबित आवास पूर्णता की समीक्षा की गई। साथ ही कार्यों में एक सप्ताह में प्रगति लाने हेतु निर्देशित किया गया। आवास प्लस, 2024 के माध्यम से सर्वेक्षित नए लाभुकों का सत्यापन कराने हेतु प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई के निर्माण, डोर टू डोर कचरा उठाव, व्यक्तिगत/सामुदायिक शौचालय का निर्माण, संबंधी उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने, ओडीएफ प्लस मॉडल एवं मॉडल गांव का सत्यापन करने के संदर्भ में प्रखंडवार समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में सभी कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाने एवं ससमय कार्य कराने हेतु प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रखंड समन्वयक, एसबीएम को निदेशित किया गया। बैठक में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने मनरेगा अंतर्गत लाभुकों के ई-केवाईसी की समीक्षा के क्रम में कार्यक्रम पदाधिकारियों को कार्य में तेजी लाने का निदेश दिया। साथ ही आवास सहायकों/पंचायत रोजगार सेवक द्वारा किए गए कार्यों की दैनिक समीक्षा करने हेतु भी कहा गया। जिलाधिकारी ने कहा कि उक्त कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी। मनरेगा अंतर्गत वृक्षारोपण, खेल मैदान, मानव दिवस सृजन, भुगतान, जियो टैगिंग, एरिया ऑफिसर ऐप के माध्यम से निरीक्षण आदि कार्यों की प्रखंडवार समीक्षा की गई तथा अपेक्षित प्रगति लाने हेतु निदेशित किया गया। पंचायती राज योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री सोलर लाइट स्ट्रीट योजना के क्रियान्वयन एवं सोलर लाइट संबंधी भुगतान की समीक्षा की गई। पंचायत सरकार भवन के निर्माण एवं लंबित सरकार भवन के संदर्भ में समीक्षा क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी को अंचल अधिकारी से समन्वय स्थापित कर भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं सरकार भवन की भूमि पर अवैध अतिक्रमण को खाली करते हुए भवन निर्माण करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ ही पंचायत स्तर पर षष्ठम वित्त आयोग एवं 15वां वित्त आयोग मद में व्यय किए गए राशि की भी समीक्षा की गई। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग अंतर्गत दाखिल खारिज, भूमि विवाद, अभियान बसेरा, भू मापी, आधार सीडिंग एवं लंबित एलपीसी की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में अंचलाधिकारियों को लंबित मामलों को शीघ्र निष्पादन करने हेतु निर्देशित किया गया तथा साप्ताहिक रूप से हल्का वार इसकी समीक्षा करने का निदेश अंचलाधिकारियों को दिया गया। इस बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज, भूमि सुधार उप समाहर्ता, अरेराज, निदेशक, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, अनुमंडल के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, सभी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, सभी कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा एवं प्रखंड/अंचल स्तरीय अन्य कर्मी उपस्थित थे।

बढ़ती ठंड में राहगीर बेबस, बगहा नगर परिषद ने अब तक नहीं खोला रैनबसेरा, यात्री फर्श पर गुज़ारने को मजबूर

लोकतंत्र की आवाज

ब्यूरो चीफ नीरज मिश्रा
बगहा। दिसंबर का महीना जैसे-जैसे अपने अंतिम दिनों की ओर बढ़ रहा है, ठंड का प्रकोप भी लगातार बढ़ता जा रहा है। लेकिन अब तक बगहा नगर परिषद द्वारा राहगीरों के लिए किसी भी रैनबसेरा की व्यवस्था नहीं की गई है। कड़ाके की ठंड में यात्रियों को खुले आसमान के नीचे या रेलवे स्टेशन की फर्श पर ही रात बितानी पड़ रही है, जिससे लोगों में नाराजगी है।

पिछले वर्ष दो अस्थायी रैनबसेरे ने दी थी राहत: पिछले साल नगर परिषद ने 15 नवंबर से 28 फरवरी तक दो अस्थायी रैनबसेरा संचालित किए थे। पहला रैनबसेरा रेलवे स्टेशन के पास बनाया गया था, जहां करीब 1100 यात्रियों ने मुफ्त रात्रि विश्राम किया था। दूसरा रैनबसेरा अनुमंडलीय अस्पताल के पास संचालित हुआ था, जिसमें लगभग 300 लोगों ने रात गुजारी थी। ये व्यवस्थाएं खासकर उन लोगों के लिए राहतभरी थीं, जिन्हें देर रात ट्रेन पकड़नी होती थी या दूसरे शहरों की यात्रा पर जाना होता था।

इस बार नहीं दिखी कोई तैयारी: दैनिक भास्कर की टीम ने देर रात रेलवे स्टेशन का जायजा लिया, जहां कई यात्री ठंड से कांपते हुए फर्श पर लेटे मिले। चौतरवा निवासी रोशन कुमार ने बताया कि उन्हें मुजफ्फरपुर में परीक्षा देने जाना है और सुबह चार बजे ट्रेन है, लेकिन कोई व्यवस्था न होने पर वे फर्श पर चादर डालकर रात बिताने को मजबूर हैं। बड़गांव क्षेत्र की सुगिया देवी, जिनका इलाज गोरखपुर में चल रहा है, ने कहा कि उन्हें रात में ट्रेन पकड़नी है, लेकिन स्टेशन पर रैनबसेरा न होने के कारण कड़ाके की ठंड में फर्श पर ही समय बिताना पड़ रहा है।

नगर परिषद आदेश का इंतजार कर रहा: इस संबंध में नगर परिषद बगहा के कार्यपालक पदाधिकारी सरोज कुमार ने बताया कि रैनबसेरा संचालन को लेकर आपदा प्रबंधन विभाग के जिला इकाई से आदेश प्राप्त होने का इंतजार है। आदेश मिलते ही आगे की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि बढ़ती ठंड को देखते हुए रैनबसेरा की तत्काल व्यवस्था आवश्यक है, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

मोतिहारी: पताही प्रखंड के 8 संकुल में लगा टीएलएम मेला

लोकतंत्र की आवाज

ब्यूरो चीफ मोतिहारी
पूर्वी चंपारण। पताही प्रखंड के 8 संकुल स्थल के कॉम्प्लेक्स रिसॉर्ट सेंटर पर टीएलएम मेला 3 का आयोजन गुरुवार को हुआ। टीएलएम मेला में संकुल क्षेत्र के सभी विद्यालयों के सभी वर्ग के एक एक बच्चे द्वारा बनाया गये टीएलएम को संकुल स्तर पर लगे टीएलएम मेला में लाया गया। जिसमे से बेहतर टीएलएम का चयन किया गया। बीईओ गुफरान आलम द्वारा पदस्थापित डाटा ऑपरेटर किशलय कुमार एवं राज कुमार तकनीकी सहायक द्वारा सभी 8 संकुल में लगे टीएलएम मेला का अनुश्रमन किया गया। बीईओ गुफरान आलम ने बताया कि प्रखंड के 8 संकुल स्थल के कॉम्प्लेक्स रिसॉर्ट सेंटर पर हुआ। इस दौरान टीएलएम मेला में एचएम रमेश कुमार, मो. समीयुलाह, विरवंश सिंह, संतोष कुमार सहित शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे।

सुगौली में बनेगा रेल बायपास रक्सौल को मिलेगी राहत, अब मोतिहारी की ट्रेनें बिना इंजन घुमाएं सीधे रक्सौल आ सकेंगी

लोकतंत्र की आवाज

ब्यूरो चीफ मोतिहारी
मोतिहारी। रक्सौल जाने के लिए सुगौली स्टेशन पर ट्रेनों के घुमाने में होने वाली परेशानी और समय का बचत को लेकर दो किमी की बायपास बनाने का आदेश रेलवे ने दे दिए है। समस्तीपुर डिविजन के अनुशंसा को पूर्व मध्य रेलवे ने भी अपनी सहमति दे दी है। अब सुगौली में आउटर टू आउटर महज दो किमी का ही बायपास बन ने से बड़ी राहत होगी। वर्तमान में रक्सौल जाने के लिए सुगौली स्टेशन पर कम से कम 30 मिनट का समय लगता है। यह समय बचेगा। वहीं सुगौली स्टेशन पर मात्र दो ही प्लेटफार्म होने से ट्रेनों का लोड भी कम हो सकेगा। बापूधाम मोतिहारी की ओर से रक्सौल जाने वाली ट्रेनें भी सुगौली होम आउटर से बायपास होकर रक्सौल के लिए निकल जाएगी। इससे रेलवे ट्रैफिक सरपट हो जाएगा। जिससे ट्रेनें और मालगाड़ियां नहीं फंसेगी। फाइनल सर्वे के दौरान अलाइनमेंट बनाया जाएगा। फिर ट्रैफिक सर्वे, मिट्टी जांच के बाद ड्राफ्ट तैयार कर डिविजन को भेजी जाएगी। डिविजन इसकी स्वीकृति के लिए जोन को भेजेगा। जोन सर्वे की जांच के बाद स्वीकृति के लिए रेलवे बोर्ड को भेजेगा। जहां से हरी झंडी मिलने के बाद टेंडर निकाली जाएगी। सर्वे के लिए एजेन्सी का चयन अंतिम दौर में है। जितना कम लंबाई में बायपास होगा, उतना ही कम खर्च और बनाने में आसान होगा। जल्द ही इस पर काम शुरू हो जाएगा। इसकी पुष्टि ज्योति प्रकाश मिश्र डीआरएम, समस्तीपुर मंडल ने की है। बता दें कि वर्तमान में रक्सौल से मोतिहारी के रास्ते मुजफ्फरपुर की ओर जाने के लिए 6 जोड़ी ट्रेने और करीब 10 मालगाड़ियों का परिचालन होता है। बेतिया सांसद संजय जयसवाल एवं रक्सौल के लोकप्रिय विधायक प्रमोद कुमार कुशवाहा के भागीरथ प्रयास से होने वाले इस अति आवश्यक कार्य के लिए रक्सौल, बीजेपी महिला मोर्चा की तरफ से बहुत बहुत बधाई व धन्यवाद दिया है।

बगहा पुलिस का 24 घंटे में बड़ा अभियान, पांच आरोपी गिरफ्तार, 424 वाहनों की जांच–4.27 लाख का जुर्माना वसूला

लोकतंत्र की आवाज

ब्यूरो चीफ नीरज मिश्रा
बगहा। प्रभारी एसपी निर्मला कुमारी के निर्देश पर बगहा पुलिस जिला में पिछले 24 घंटे के भीतर व्यापक अभियान चलाया गया। पुलिस ने विभिन्न मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। कानूनी औपचारिकताओं के बाद सभी गिरफ्तार व्यक्तियों को जेल भेज दिया गया है।

शराब से जुड़े मामलों में कार्रवाई, एक वारंटी भी गिरफ्तार: पुलिस ने शराब सेवन और उससे संबंधित अवैध गतिविधियों पर सख्ती दिखाते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा छापेमारी के दौरान एक वारंटी को भी पकड़ा गया। अभियान के दौरान पुलिस ने 28 वारंटों का सफल निष्पादन किया, जिससे फरार चल रहे आरोपियों पर बड़ी कार्रवाई हुई।

वाहन जांच में 424 वाहनों की पड़ताल, लाखों की वसूली: कानून व्यवस्था और सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिले भर में वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर 424 वाहनों की गहन जांच की। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कुल 4 लाख 27 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। पुलिस का कहना है कि यह अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा, ताकि यातायात अनुशासन और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

थाना प्रभारियों को सतर्क रहने का निर्देश: प्रभारी एसपी निर्मला कुमारी ने बताया कि अपराध नियंत्रण, अवांछित गतिविधियों पर रोक और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान प्रतिदिन चलाए जाते हैं। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क रहकर गश्ती बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी रखने और वाहन जांच को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया है।

नागरिकों से अपील: पुलिस ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि शीघ्र कार्रवाई कर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखी जा सके।

लालू नगर में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या, शादी के आठ माह बाद गला दबाकर मार डाला, ससुराल वाले फरार

लोकतंत्र की आवाज

ब्यूरो चीफ नीरज मिश्रा
बेतिया। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लालू नगर में दहेज लोभी ससुराल पक्ष ने एक विवाहिता की हत्या कर दी। गुरुवार को हुई इस घटना में 25 वर्षीय जहानारा खातून की गला दबाकर हत्या कर दी गई। मृतका लालू नगर निवासी मोहम्मद अशरफ की पत्नी थीं। घटना के बाद आरोपी पति सहित ससुराल के सभी लोग फरार हो गए। सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जीएमसीएच बेतिया भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्रित किए।

12 दिनों के अंतराल पर की थी दो बेटियों की शादी: मृतका के पिता शेख करीम, निवासी–बैरिया थाना, शेखटोली (वार्ड नं. 1), ने जीएमसीएच में रोते हुए बताया कि अप्रैल 2025 में उनकी दो बेटियों–जहानारा और हुस्नआरा–की शादी मात्र 12 दिनों के अंतराल पर हुई थी। शादी के बाद जहानारा अपने ससुराल लालू नगर चली गई थीं। पिता ने बताया कि ससुराल पहुंचने के बाद से ही पति मोहम्मद अशरफ और घर के अन्य सदस्य लगातार दहेज की मांग को लेकर उनकी बेटी को प्रताड़ित करने लगे थे। वे दहेज में एक बाइक और सोने की चेन की मांग कर रहे थे। परिजनों ने आश्वासन दिया था कि पैसे मिलने पर उनकी मांग पूरी कर दी जाएगी। जहानारा का पति गुजरात में फिटर का काम करता था। पलंग को लेकर हुआ था विवाद, 20 दिन पहले फोन कर जताई थी नाराजगी करीब 20 दिन पहले ससुराल पक्ष ने जहानारा के भाई तमन्ना को फोन कर कहा था कि शादी में दिया गया पलंग खराब है। तमन्ना ने उन्हें जल्द नया पलंग देने का भरोसा भी दिया था। परिजनों का कहना है कि इसके बाद भी ससुराल वालों का व्यवहार लगातार खराब होता गया। हत्या की सूचना ग्रामीणों ने दी गुरुवार को ग्रामीणों ने जहानारा के मायकेवालों को उसकी मौत की खबर दी। सूचना मिलते ही परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने बताया कि यह प्राथमिक दृष्टि से दहेज हत्या का मामला है। आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है और शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने केसरिया में निर्माणाधीन टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर का किया निरीक्षण

लोकतंत्र की आवाज

ब्यूरो चीफ मोतिहारी
मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को पूर्वी चंपारण जिला के केसरिया में निर्माणाधीन टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर का निरीक्षण किया। वहीं मुख्यमंत्री ने यहां निर्माण कराए जा रहे। डिटोरियम, पर्यटकीय सुविधा आदि के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा करें। केसरिया बौद्ध स्तूप को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। सेंटर के निर्माण से पर्यटकों को सहूलियत होगी और बौद्ध धर्म के विभिन्न आयामों तथा बिहार के गौरवशाली गाथा को वे जान सकेंगे। ज्ञातव्य है कि निर्माणाधीन टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर में 5डी थियेटर बनाया जा रहा है। जहां 48 व्यक्तियों के बैठने की सुविधा होगी। यहां महत्वपूर्ण बौद्ध शिक्षाओं से संबंधित फ्रेम प्रदर्शित किए जाएंगे। यह आगंतुकों के लिए परिचयात्मक क्षेत्र के रूप में कार्य करेगा। बिहार पेवेलियन बनाया जाएगा जहां बिहार के ऐतिहासिक विरासत से जुड़े फ्रेम प्रदर्शित किए जाएंगे। राज्य की सांस्कृतिक महत्ता को दर्शानेवाले शैक्षणिक डिस्प्ले का निर्माण किया जाएगा। यहां 90 से अधिक मूर्तियों को विशेष बॉक्सनुमा संरचनाओं में स्थापित किया जाएगा और खुले क्षेत्रों में कलात्मक मूर्तियों को प्रदर्शित किया जाएगा। साथ ही बिहार के विभिन्न ऐतिहासिक बौद्ध स्मारकों की 8 प्रतिकृतियां भी रखी जाएंगी। इन्हें परिसर के चारों कोनों में स्थापित किया जाएगा। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने केसरिया बौद्ध स्तूप परिसर का भ्रमण कर वहां के पर्यटकीय सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने केसरिया बौद्ध स्तूप को सुरक्षित रखने एवं विकसित करने के लिए अनेक काम कराए हैं। इस परिसर को सुरक्षित रखें, इसका रख-रखाव एवं विकास के लिए कार्य करें। साथ ही पर्यटकीय सुविधाओं का भी ख्याल रखें। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने ग्राम ताजपुर स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां की चिकित्सकीय सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के विभिन्न भागों की साफ- सफाई, मेडिकल सुविधा और दवा की उपलब्धता, निःशुल्क टीकाकरण आदि के बारे में वहां के चिकित्सक से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद लाभुकों को आयुष्मान कार्ड वितरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां इलाज के लिए आनेवाले मरीजों को इलाज में किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका ख्याल रखें। सेंटर से जुड़नेवाली सड़क का और चौड़ीकरण करें ताकि यहां पहुंचने में सहूलियत हो। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने उच्च माध्यमिक विद्यालय, ताजपुर के मैदान में लगे विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया। वहां मौजूद ग्रामवासियों का हालचाल पूछा। जीविका दीदी, रसोइया, आंगनबाड़ी सेविका, ममता कार्यकर्ता, विकास मित्र, तालिमी मरकज और टोला सेवकों से बातचीत की। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि आप सभी अच्छे से काम करते रहें। आपकी सुविधाओं का ख्याल रखा जा रहा है। वहीं सभी ने मिल रही सुविधाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां छात्रावास में रह रही छात्राओं से बातचीत की और सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने छात्राओं से कहा कि आपलोग अच्छे से पढ़ाई करें। सरकार आपको ठीक से पढ़ाने और आगे बढ़ाने के लिए ख्याल रख रही है। मुख्यमंत्री ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के परिसर में बने पुस्तकालय का उद्घाटन कर निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने राजकीय मध्य विद्यालय केसरिया (बालक) के परिसर का जायजा लिया। वहां छात्रों द्वारा आयोजित संगीतमय प्रार्थना, तलवारबाजी, विज्ञान प्रदर्शनी और खेल करतब को देखा। साथ ही मूक-बधिर बच्चियों द्वारा आयोजित नृत्य प्रस्तुति को भी देखा और खुशी व्यक्त की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वहां उपस्थित छात्रों का उत्साहवर्द्धन किया और स्कूल प्रशासन से कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ छात्रों के खेलकूद की भी व्यवस्था /साधन उपलब्ध रखें। छात्रों की सभी प्रकार की सुविधाओं का ख्याल रखें। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, विधायक प्रमोद कुमार, विधायक शालिनी मिश्रा, विधायक श्यामबाबू प्रसाद सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, पर्यटन विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् के निदेशक मयंक बरबड़े, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चंद्रशेखर सिंह, तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त कौशल किशोर, पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें ।

धर्मपुर बांदे में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

समस्तीपुर। मोरवा प्रखंड के धर्मपुर बांदे पंचायत में आयोजित हुआ श्रद्धांजलि सभा। वक्ताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि धर्मकरण और समाजसेवी महिला थी स्वर्गीया रामजतन देवी। बताया जाता है कि धर्मपुर बांदे पंचायत के पूर्व मुखिया एवं एलकेवीडी कॉलेज ताजपुर के प्राध्यापक स्वर्गीय परमानंद पांडे की पत्नी एवं जीकेपीडी कॉलेज के प्राध्यापक डॉक्टर अजय कुमार पांडे की माता 84 वर्षीया रामजतन देवी का विगत दिनों निधन हो गया था। उनके श्रद्धांजलि सभा में सैकड़ो लोगों ने दिवंगत आत्मा के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए देकर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। विजय कुमार झा, अजय कुमार पांडे, राजीव गौतम, मनोज कुमार शर्मा, अभय नाथ ठाकुर, प्रोफेसर अवधेश कुमार झा, मनोज कुमार पांडे, राजेश कुमार सिंह आदि लोगों ने श्रद्धांजलि सभा संबोधित किया। मौके पर दर्जनों लोग मौजूद थे।

श्री रामजानकी मंदिर समिति ने 32 कट्ठा भूमि पर पुनः बगीचा लगाने का लिया निर्णय

ठकराहाँ । सदर ग्राम पंचायत ठकराहां में विगत वर्ष ऐतिहासिक सीताराम महायज्ञ के नेतृत्व कर्ता व पूर्व पैक्स अध्यक्ष और मुखिया प्रतिनिधि वीरेंद्र तिवारी के संरक्षण एवं पैक्स अध्यक्ष डॉ अभय नारायण तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में श्री राम जानकी मंदिर समिति द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। समिति ने वर्षों से मंदिर के अधीन 32 कट्ठा जमीन पर पुनः बगीचा विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। बताते चलें कि पूर्व में मंदिर समिति के उक्त भूमि पर पहले आम का घना बगीचा था, जो समय के साथ पूरी तरह नष्ट हो गया। वर्तमान स्थिति को देखते हुए मंदिर समिति ने बैठक कर जमीन की पैमाइश कराने और उसी भूखण्ड पर दोबारा बगीचा स्थापित करने का प्रस्ताव पारित किया। मंदिर समिति के संरक्षक व मुखिया प्रतिनिधि वीरेंद्र तिवारी ने कहा कि बगीचा विकसित होने से न केवल मंदिर परिसर का स्वरूप निखरेगा, बल्कि ग्रामीणों को भी स्वच्छ वातावरण और हरियाली का लाभ मिलेगा। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जल्द बगीचा शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान मंदिर समिति सचिव व सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद तिवारी,विनोद तिवारी, मंतोष तिवारी,सुनील जायसवाल, जयप्रकाश पाण्डेय, शैलेश पाण्डेय,आदित्य और आकाश कुमार समेत काफी लोग मौजूद रहें।

दो बूंद दवा, पोलियो हुई हवा के नारों के साथ बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

क्षितिज राज

मधुबनी, पल्स पोलियो अभियान 14 से 18 दिसम्बर को सफल बनाने केलिए ,राजकीय कृत मध्य विद्यालय दहवा के बच्चों के द्वारा रैली निकाल कर सामज को जागरूक किया गया । जन्म से पांच साल तक के बच्चों को दो बूंद पोलियो की खुराक पिलाई जाती है ।पांच दिवसीय अभियान के दौरान प्रखण्ड में कुल घर घर 31 टीकाकर्मी टीम और मुख्य चौक चौराहा पर कुल 10 ट्रांजिट टीम और 13 सुपरवाइजर को लगा कर पोलियो की दो बूंद खुराक पिलाई जाएगी ।बीएमसी संतोष कुमार के द्वारा अपील किया गया कि प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत समस्त पंचायतीराज प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों एवं प्रभाव शाली व्यक्तियों द्वारा पांच दिवसीय पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने में अपना सहयोग कर बच्चों का भविष्य सुरक्षित करने में मदद किया जाय ।दो बूंद दवा पोलियो हुई हवा के नारों के साथ बांसी उत्तर प्रदेश सीमा तक बच्चों के द्वारा लोगों को जागरूक किया गया। इस रैली का शुभारंभ कुंदन कुमार प्रखण्ड विकास पदाधिकारी , उमेश कुमार प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी डॉ रविन्द्र कुमार सिंह , प्रधानाचार्य संजय त्रिपाठी , बीएमसी संतोष कुमार ,शिक्षक विपिन कुमार मौर्या , नसीब , शिक्षिका सुनीता श्रीवास्तव शबया खातून , बिंदु कुशवाहा , शीला गुप्ता महिला पर्यवेक्षिका , दीपक कुमार , सिंघा बजाते हुए रवि बांसफोर , पटु बांसफोर भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फुलवरिया जलाशय क्षेत्र में की व्यापक समीक्षा, 'ऊपर बिजली-नीचे मछली' मॉडल की सराहना की

लोकतंत्र की आवाज

राजेश कुमार सिन्हा

रजौली। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को नवादा जिले के रजौली प्रखंड अंतर्गत फुलवरिया जलाशय क्षेत्र का व्यापक दौरा किया और कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उनके इस दौरे में फुलवरिया जलाशय के अंतर्गत बहुग्रामीण जलापूर्ति योजना, मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीकों, निर्माणाधीन फ्लोटिंग सोलर प्लांट और रजौली में प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा प्रमुख रही।

शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक सशक्तिकरण : मुख्यमंत्री ने रजौली प्रखंड की हरदिया पंचायत के ग्राम चिरैला स्थित उत्क्रमित उच्च माध्यमिक (+2) विद्यालय परिसर का भ्रमण कर अपने कार्यक्रम की शुरुआत की, जहां उनका स्वागत नवनिर्वाचित विधायक बिमल राजवंशी, गोविंदपुर विधायक विनीता कुमारी, नवादा विधायक विभा देवी आदि फूल मालाओं और गुलदस्ता भेंट कर किया।स्वागत के बाद मुख्यमंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावास के विद्यार्थियों से बातचीत की और उन्हें मिल रही सुविधाओं तथा पठन-पाठन की गुणवत्ता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने आत्मरक्षार्थ कराटे का प्रशिक्षण ले रही छात्राओं से भी संवाद किया। छात्रों को प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ₹आप सभी मन लगाकर पढ़िए। आप सभी बच्चे भारत के भविष्य हैं।आपकी जो जरूरत होगी, सरकार उसे पूरा करेगी₹। विद्यालय प्रांगण में मुख्यमंत्री ने समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग और जीविका दीदियों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान, उन्होंने 137 जीविका स्वयं सहायता समूह को विभिन्न बैंकों के प्रदत्त ऋण से संबंधित 1 करोड़ 29 लाख रुपये का सांकेतिक चेक लाभार्थियों को प्रदान किया। जीविका दीदियों से संवाद करते हुए श्री कुमार ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे काफी अच्छा काम कर रही हैं, जिससे बिहार की आर्थिक स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना शुरू कराने के लिए आभार व्यक्त किया, जिसकी बदौलत अब उन्हें पैसों के लिए परिवार पर निर्भर नहीं होना पड़ता है। इस अवसर पर लाभार्थियों ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि 400 से बढ़ाकर 1100 रुपये किए जाने, सभी घरेलू उपभोक्ताओं को प्रतिमाह 125 यूनिट बिजली निःशुल्क दिए जाने, और आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, आशा कार्यकर्ताओं आदि के मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि किए जाने पर भी मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।

स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण और मानदेय वृद्धि : मुख्यमंत्री ने इसके पश्चात् स्वास्थ्य उपकेंद्र-सह-हेल्थ एन्ड वेलनेस सेंटर, हरदिया के परिसर का भ्रमण किया। उन्होंने अधिकारियों से मरीजों को उपलब्ध कराई जानेवाली चिकित्सकीय सुविधाओं, दवा की उपलब्धता, और डॉक्टरों की तैनाती के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल के अवलोकन के दौरान अधिकारियों ने उन्हें बताया कि यहां टेलीमेडिसिन की भी व्यवस्था उपलब्ध है। इस उपकेंद्र में मातृत्व सुरक्षा अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाता है। मुख्यमंत्री ने शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशक के मानदेय को 8 हजार से बढ़ाकर 16 हजार रुपये किए जाने पर लाभार्थियों द्वारा व्यक्त किए गए आभार को स्वीकार किया।

फुलवरिया जलाशय: जल, ऊर्जा और मत्स्य पालन का 'ट्रिपल मॉडल' : फुलवरिया जलाशय जोकी धनार्जय व जहुरा नदी पर वर्ष 1988 में पूर्ण हुआ था, आज विकास के एक अभिनव मॉडल का केंद्र बन गया है। मुख्यमंत्री ने यहां 'ऊपर बिजली नीचे मछली' की तर्ज पर लगाए जा रहे 10 मेगावाट के फ्लोटिंग सोलर संयंत्र के प्रगति कार्य का जायजा लिया। इस संयंत्र को मेसर्स सूर्यम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित किया जा रहा है। एजेंसी सौर पैनलों की स्थापना के लिए जलाशय के सतह क्षेत्र का केवल 30 एकड़ क्षेत्र का उपयोग कर रही है, जबकि शेष क्षेत्र का उपयोग मत्स्य पालन और अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। पूर्ण रूप से संचालित होने पर यह बिहार का सबसे बड़ा फ्लोटिंग ऊर्जा संयंत्र होगा। श्री कुमार ने जलाशय में 182 फीश केज वाला आधुनिक मत्स्य पालन मॉडल का भी अवलोकन किया। अधिकारियों ने बताया कि फुलवरिया जलाशय में मत्स्य उत्पादन लगभग 100 कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर प्रतिवर्ष तक पहुंच गया है, जो राष्ट्रीय उत्पादन 20 कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर प्रतिवर्ष और बिहार के पूर्व के औसत 1 कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर प्रतिवर्ष से काफी अधिक है।

बहु जल ग्रामीण आपूर्ति योजना: लोक स्वास्थ्य प्रमंडल द्वारा रजौली बहुग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत फुलवरिया जलाशय के पानी को फिल्टर कर आसपास के 90 गांवों के घरों में शुद्ध जल की आपूर्ति की जा रही है। यह योजना विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हो रही है, जहां का भू-जल फ्लोराइडयुक्त है। 109.987 करोड़ लागत से वर्ष 2020 से क्रियान्वित इस योजना के तहत रजौली प्रखंड के 10 ग्राम पंचायतों के 89 वार्डों में 9191 घरों के परिवार शुद्ध पेयजल से लाभान्वित हो रहे हैं।

औद्योगिक और पर्यटन विकास की संभावनाएं : मुख्यमंत्री ने नवादा जिला के रजौली अंचल में फुलवरिया जलाशय एवं भड़रा गांव के समीप प्रस्तावित औद्योगिक विकास क्षेत्र के लिए चिन्हित की गई भूमि का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि औद्योगिक विकास हेतु कुल रकबा 220.48 एकड़ भूमि चिन्हित किया गया है, जिसमें 81 एकड़ सरकारी भूमि शामिल है तथा शेष 139.48 एकड़ रैयती भूमि को अधिग्रहण करने की प्रक्रिया प्रारंभ है। यह क्षेत्र तीन तरफ पहाड़ियों से घिरा होने के कारण पर्यटकीय दृष्टिकोण से भी काफी महत्वपूर्ण है। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ उप मुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, मगध कमिश्नर सफ़ीना एन, आईजी क्षत्रनील सिंह समेत नवादा डीएम रवि प्रकाश, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय निशु मल्लिक, सदर एसडीपीओ हुलास कुमार, रजौली एसडीएम स्वतंत्र कुमार सुमनएसडीपीओ गुलशन कुमार सहित जिलेभर की सभी थानों के थानाध्यक्ष मौजूद रहे।

प्रजापति ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से पधारे दिदी के द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया

लोकतंत्र की आवाज

गया जी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ए प कॉलोनी तथा बोधगया सेवा केंद्र के माध्यम से ताज दरबार होटल पर माउंट आबू से पधारे रजोगुणी उषा दीदी का बहुत ही भव्य रूप में का आध्यात्मिक मुरली का कार्यक्रम और शनि मिलन का हुआ उषा देवी ने सभी को बहुत ही पावरफुल आध्यात्मिक क्लास कलाकार चार्ज किया और गया था बोधगया को एक बहुत बड़ी संदेश दिया कि यह ज्ञान मोक्ष की भूमि है जहां सर्वशक्तिमान परमात्मा अभी वर्तमान समय के विश्वविद्यालय के माध्यम से पूरे विश्व में ज्ञान और मुक्ति जीवन मुक्ति का पथ प्रदर्शन कर रहे हैं पता सभी अपने कीमती समय निकाल करके इस राज्यों को मेडिटेशन के द्वारा अपने जीवन को तनाव मुक्त और अपने परिवार में मधुर सामंजस्य बनाने की उन्होंने प्रेरणादाई शिक्षाएं दी माउंट अबू शेख पधारे राज्यों के लिए उषा दीदी का महाबोधि ट्री के नीचे 22 देश से आए हुए बुद्धिस्ट का ईश्वरीय संदेश दिया और एक अध्यात्म ताकि ज्योत जगाने के लिए परमात्मा से जोड़ने के लिए मेडिटेशन सेटिंग कराया। हर्ष स्वादिष्ट के तरफ से माउट आबु मे उषा दिदी को चीफ गेस्ट ओफ द ओनर के रुप मे आमंत्रित किया गया था ।मोमेटो और साल के साथ सम्मानित किया गया है।

सीएम ने निर्माणाधीन टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर का किया निरीक्षण

लोकतंत्र की आवाज

उत्तर बिहार प्रभारी संजय कुमार सिंह

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्वी चंपारण जिला के केसरिया में निर्माणाधीन टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने यहां निर्माण कराए जा रहे ऑडिटोरियम, पर्यटकीय सुविधा आदि के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि इस टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा करें। केसरिया बौद्ध स्तूप को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। सेंटर के निर्माण से पर्यटकों को सहूलियत होगी और बौद्ध धर्म के विभिन्न आयामों तथा बिहार के गौरवशाली गाथा को वे जान सकेंगे। ज्ञातव्य है कि निर्माणाधीन टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर में 5डी थियेटर बनाया जा रहा है, जहां 48 व्यक्तियों के बैठने की सुविधा होगी। यहां महत्वपूर्ण बौद्ध शिक्षाओं से संबंधित फ्रेम प्रदर्शित किए जाएंगे। यह आगंतुकों के लिए परिचयात्मक क्षेत्र के रूप में कार्य करेगा। बिहार पेवेलियन बनाया जाएगा, जहां बिहार के ऐतिहासिक विरासत से जुड़े फ्रेम प्रदर्शित किए जाएंगे। राज्य की सांस्कृतिक महत्ता को दर्शाने वाले शैक्षणिक डिस्प्ले का निर्माण किया जाएगा। यहां 90 से अधिक मूर्तियों को विशेष बॉक्सनुमा संरचनाओं में स्थापित किया जाएगा और खुले क्षेत्रों में कलात्मक मूर्तियों को प्रदर्शित किया जाएगा। साथ ही बिहार के विभिन्न ऐतिहासिक बौद्ध स्मारकों की 8 प्रतिकृतियां भी रखी जाएंगी। इन्हें परिसर के चारों कोनों में स्थापित किया जाएगा। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केसरिया बौद्ध स्तूप परिसर का भ्रमण कर वहां के पर्यटकीय सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने केसरिया बौद्ध स्तूप को सुरक्षित रखने एवं विकसित करने के लिए अनेक काम कराए हैं। इस परिसर को सुरक्षित रखें, इसका रख-रखाव एवं विकास के लिए कार्य करें, साथ ही पर्यटकीय सुविधाओं का भी ख्याल रखें। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ग्राम ताजपुर स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां की चिकित्सकीय सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के विभिन्न भागों की साफ-सफाई, मेडिकल सुविधा और दवा की उपलब्धता, निःशुल्क टीकाकरण आदि के बारे में वहां के चिकित्सक से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद लाभुकों को आयुष्मान कार्ड वितरित किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि यहां इलाज के लिए आनेवाले मरीजों को इलाज में किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका ख्याल रखें। सेंटर से जुड़नेवाली सड़क का और चौड़ीकरण करें ताकि यहां पहुंचने में सहूलियत हो। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उच्च माध्यमिक विद्यालय, ताजपुर के मैदान में लगे विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया। वहां मौजूद ग्रामवासियों का हालचाल पूछा।

नगर निगम क्षेत्र की दिनोदिन बढ़ती आबादी की सुविधा और ज़रूरत के हिसाब से कराएं नालों का निर्माण: गरिमा देवी सिकारिया

लोकतंत्र की आवाज

क्षितिज राज

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया की अध्यक्षता में गुरुवार को देर शाम तक चली सशक्त स्थायी समिति की बैठक में नगर निगम के अनेक वार्डों में लचर साफ व्यवस्था को महापौर ने सफाई निरीक्षकों लापरवाही करार दिया। इसके साथ महापौर ने कहा कि दिनोदिन बढ़ती आबादी के अनुसार नागरिक सुविधाओं में ज़रूरत के हिसाब से विस्तार जरूरी है। इसके विपरीत बुडको की योजना के तहत कराएं जा रहे नालों के निर्माण पर महापौर श्रीमती सिकारिया के साथ अन्य सदस्यों के द्वारा भी गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए आपत्ति जताई गई। इस क्रम में बुडको के अभियंता ने बताया कि आठ फिट का कच्चा नाला है, लेकिन पक्का आरसीसी नालों का प्राक्कलन ही चार फिट का बना है। तब महापौर के इस प्रस्ताव को स्वीकृति देते हुए बुडको को पत्र लिखकर व्यापक जनहित में प्राक्कलन में सुधार के लिए अनुरोध का प्रस्ताव पारित किया गया। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि ऐसा नहीं होने पर नगर निगम क्षेत्र की बढ़ती आबादी को परेशानी का साथ नाले की सरकारी जमीन का भी अतिक्रमण की पूरी आशंका है। इसके साथ ही नगर निगम क्षेत्र के अनेक वार्डों निर्धारित आठ घंटे की जगह चा-पांच घंटे में ही सफाई कार्य की खानापूरी की शिकायत मिलने पर महापौर के द्वारा सफाई निरीक्षकों को फटकार लगाई गई। इस स्थिति में सुधार के लिए यह निर्णय लिया गया कि पूरे नगर निगम क्षेत्र के सफाईकर्मियों के लिए प्रतिदिन पूर्वाह्न 10 बजे से मात्र आधे घंटे अर्थात 10:30 तक के समय को लंच आवर माना जाएगा। इसके अलावा किसी भी सफाईकर्मी के गायब पाए जाने पर मानदेय राशि में से कटौती के साथ कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ प्राथमिकता के आधार पर खराब लाइटों को ठीक करने और अन्य जरूरी स्थानों पर प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए नए लाइटों को आकस्मिकता के मद लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके पूर्व सर्व प्रथम गत बैठक को स्वीकृति प्रदान की गई। वही ऑडिट रिपोर्ट की आपत्तियों का त्वरित निराकरण के अलावा ठंड के बढ़ते प्रकोप से गरीबों के बचाव के लिए अलाव जलाने और कम्बल वितरण करने पर भी चर्चा की गई।

मासिक बीपीएमयू बैठक सम्पन्न,एलएलएन सुधार को मिलेगी नई गति

लोकतंत्र की आवाज

राजेश कुमार सिन्हा

रजौली। प्रखंड मुख्यालय स्थित बीआरसी में मासिक बीपीएमयू की बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई।इस बैठक की अध्यक्षता गांधी फेलो प्रशांत सोनटक्के ने किया एवं पीरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर प्रशांत कुमार गुप्ता ने आवश्यक मार्गदर्शन किया। बीपीएमयू (ब्लॉक प्रोजक्ट मैनेजमेंट यूनिट) में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के अलावे परियोजना प्रबंधक, जूनियर मैनेजर और कनीय अभियंता, मध्याह्न भोजन के प्रखंड साधन सेवी, जन शिक्षा के मुख्य साधन सेवी और बिहार शिक्षा परियोजना के पांच प्रखंड साधन सेवी शामिल होते हैं। इनका काम प्राथमिक विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान होमवर्क और टेस्ट की जानकारी लेनी अनिवार्य होती है। इस बैठक में एफएलएन (फाउंडेशनल लिट्रेसी एंड न्यूमेरेसी) को सुदृढ़ करने हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।सोनटक्के ने बताया कि एफएलएन एक शैक्षिक अवधारणा है, जिसका उद्देश्य प्राथमिक स्तर के बच्चों में बुनियादी पढ़ने, लिखने और गणना करने की क्षमता को विकसित करना है।बैठक में सीआरसी स्तर पर शैक्षणिक कार्य को गतिशील बनाने के लिए प्रत्येक माह एफएलएन केंद्रित सीआरसी बैठक आयोजित पर सहमति बनी।यह निर्णय शिक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।बैठक में यह भी तय किया गया कि विभिन्न पंचायतों के मास्टर ट्रेनर्स अपने-अपने विद्यालयों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करेंगे, ताकि वे अन्य विद्यालयों के लिए प्रेरक उदाहरण बन सकें।वहीं नवनियुक्त मास्टर ट्रेनर्स को कक्षा प्रबंधन, टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मैटेरियल्स) के प्रभावी उपयोग तथा निपुण भारत मिशन से जुड़े आवश्यक दिशानिर्देशों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, जिससे विद्यालय स्तर पर शिक्षण-प्रशिक्षण की गुणवत्ता में और सुधार आ सके।इस कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के सभी मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित थे।

केंद्रीय शिक्षामंत्री से मिले बिहपुर के विधायक ई शैलेंद्र, क्षेत्र में शिक्षा सुधार और केंद्रीय विश्वविद्यालय की मांग

लोकतंत्र की आवाज

मोहम्मद सबरार आलम

बिहपुर /नवगछिया। शुक्रवार को बिहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंजीनियर शैलेंद्र ने नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित मांगपत्र सौंपा। साथ ही शिक्षामंत्री से विशेष मार्गदर्शन एवं समय देने का अनुरोध किया।मुलाकात के दौरान शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यदि बिहपुर विधानसभा क्षेत्र में उपयुक्त भूमि उपलब्ध हो जाती है, तो मंत्रालय यहां केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव दे सकता है, जो क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक अवसर साबित होगा।विधायक ई. शैलेंद्र ने कहा कि बिहपुर विधानसभा क्षेत्र विकासोन्मुख है, लेकिन प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में आधारभूत शैक्षिक संरचना सुदृढ़ करने की तत्काल आवश्यकता है। कई विद्यालय अभी भी आवश्यक मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।उन्होंने बताया कि क्षेत्र को मॉडल स्कूल आवंटित किए गए हैं, लेकिन सुविधाओं और आवश्यक संरचना के अभाव में वे अब तक संचालित नहीं हो पाए हैं। इन मॉडल स्कूलों को कार्यात्मक और मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता है।विधायक ने अनुरोध किया कि यदि केंद्र सरकार की किसी भी योजना के तहत केंद्रीय विद्यालय या रेलवे स्कूल की स्थापना संभव हो, तो यह क्षेत्र के छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी होगा, क्योंकि ऐसे विद्यालय उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ढांचे को मजबूत करने वाली सभी केंद्रीय योजनाओं का लाभ बिहपुर के विद्यालयों तक पहुंचाया जाए, तथा इनके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक वित्तीय सहायता एवं स्वीकृतियां प्रदान की जाएं।इस मुलाकात के दौरान विधायक की पुत्री खुशहाली, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रो. गौतम तथा जिला मंत्री रूपेश रूप भी उपस्थित थे। शिक्षामंत्री ने विधायक ई. शैलेंद्र को सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया, जिसे बिहपुर क्षेत्र में शिक्षा के नए द्वार खोलने वाला कदम माना जा रहा है।

सिरदला में दिव्यांगता शिविर आयोजित, बड़ी संख्या में लाभार्थियों ने कराया पंजीकरण

लोकतंत्र की आवाज

प्रदीप प्रसाद संवाददाता

सिरदला प्रखंड के इंटर विद्यालय परिसर में शुक्रवार को दिव्यांगता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह शिविर प्रखंड विकास पदाधिकारी दीपेश कुमार के निर्देश पर लगाया गया था, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ना, यूआईडीआईडी कार्ड निर्माण कराना तथा सहायक उपकरणों के लिए आवेदन उपलब्ध कराना था। शिविर में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सिरदला, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बीपीएम जीविका, सभी पंचायत सचिव एवं विकास मित्र उपस्थित रहे। अधिकारियों ने शिविर संचालन में सक्रिय भूमिका निभाते हुए लाभार्थियों की समस्याएँ सुनीं और योजनाओं से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की। शिविर में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन पहुंचे और विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन जमा किए। कृतिम अंग के लिए 2 आवेदन, बैट्री चालित ट्राई साइकिल के लिए 20 आवेदन, कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण (बैट्री रहित) के लिए 22 आवेदन तथा यूआईडीआईडी कार्ड निर्माण हेतु 42 आवेदन प्राप्त हुए। सभी प्राप्त आवेदनों की सूची तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है ताकि आगे की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जा सके। अधिकारियों ने बताया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही दिव्यांगजन कल्याण योजनाओं को अधिक से अधिक लाभार्थियों तक पहुँचाने के लिए ऐसे शिविरों का आयोजन आगे भी जारी रहेगा।

संक्षिप्त खबरें ।

नव निर्वाचित विधायकों को भाजपा नेता अशोक मेहता ने दिया बधाई

लोकतंत्र की आवाज
प्रवीण कुमार

कटिहार। भाजपा के वरिष्ठ नेता सह मोहम्मदपुर पंचायत के मुखिया अशोक कुमार मेहता ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार, बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय सिंहा,भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह मंत्री डॉक्टर दिलीप जायसवाल,खाद आपूर्ति मंत्री लेसी सिंह, विधायक दुलाल चंद्र गोस्वामी,तार किशोर प्रसाद,कलाधर मंडल सहित एनडीए के नवनिर्वाचित विधायक को बधाई दिया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता सह मोहम्मदपुर पंचायत के मुखिया अशोक कुमार मेहता ने कहा कि कदवा विधानसभा क्षेत्र से एनडीए के विधायक दुलाल चंद्र गोस्वामी शपथ ग्रहण करने के बाद शुक्र हाट रोड सनौली स्थित आवास पर प्रतिदिन सुबह एवं शाम आम लोगों की साथ विचार विमर्श कर उनकी समस्याओं को सुनते हैं।एनडीए के साथी के साथ बैठक करते हैं।विधायक दुलाल चंद्र गोस्वामी एनडीए के साथी से क्षेत्र की विकास होने वाली विकास कार्य की सूची को संकलन करते हैं।क्षेत्र की जनता की बात बड़े ही गौर से सुनते हैं और सुनवाही भी करते हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता सह मुखिया अशोक कुमार मेहता में कहा कि कदवा के पूर्व विधायक भोला राय के बाद जन-जन के नेता विधायक के रूप में कदवा विधानसभा वासी को दुलाल दा मिले हैं। दुलाल दा सभी के हित एवं विकास के बारे में दिन-रात सोचते रहते हैं। और क्षेत्र भ्रमण के क्रम में भी समस्याओं को देखते रहते हैं। सभी लोगों से मिलते हैं और सभी का बात बड़े ही ध्यानपूर्वक सुनते हैं।

कटिहार : 13 दिसंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी पूरी

लोकतंत्र की आवाज
प्रवीण कुमार

कटिहार। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कटिहार के तत्वावधान में 13 दिसंबर 2025 को इस वर्ष की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसकी सफलता के लिए जिला जज सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रणवीर सिंह के कुशल मार्गदर्शन में कुल 13 बेंचों का गठन किया गया है, जिसमें बारसोई सबडिवीजन और रेलवे संबंधी बेंचें भी शामिल हैं। इस संबंध में विशेष जानकारी देते हुए डीएलएसए के सचिव कमलेश देवू ने बताया कि आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान इस बार विशेष रूप से, कटिहार में पहली बार ट्रैफिक चालान से संबंधित मामलों को भी राष्ट्रीय लोक अदालत में शामिल किया गया है। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। वही आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी सुलहनीय वादों के निपटारा के साथ दुर्घटना,दावा,बैंक वसूली,श्रम वाद,विद्युत एवं अन्य जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े मामलों के साथ-साथ 138 एन आई एक्ट के मामलों का भी आपसी सहमति से त्वरित निस्तारण किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए जिला जज सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रणवीर सिंह ने लोगों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने लंबित सुलहनीय मामलों का मुफ्त व सुगम समाधान अवश्य करवाए जिससे अधिक से अधिक लोग इससे लाभान्वित हो।

सदर थाना ने लूटकांड का किया खुलासा, एक अभियुक्त गिरफ्तार

लोकतंत्र की आवाज

सहरसा संवादाता। सदर थाना क्षेत्र में 3 दिसंबर की रात हुई गंभीर लूट की घटना का सहरसा पुलिस ने सफलतापूर्वक उद्भेदन कर एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। घटना में रेलवे स्टेशन से शिवपुरी जा रहे कार्तिक प्रसाद निराला से आलोक पनीर मिष्ठान के सामने तीन युवकों ने चाकू व देशी कट्टा के बल पर उनका बैग और मोबाइल लूट लिया था। इस संदर्भ में सदर थाना कांड संख्या 1342/2025 दर्ज की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर रिफ्यूजी कॉलोनी, वार्ड 41 के निवासी श्याम मलिक को फिटनेस क्लब जिम से लूटे गए सामान के साथ गिरफ्तार किया। अभियुक्त की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त देशी कट्टा और जिंदा कारतूस भी बरामद किए। साईबर डीएसपी अजीत कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि अन्य अपराधियों की पहचान हो चुकी है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। इस कार्रवाई में सदर थाना पुलिस एवं जिला सूचना इकाई की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सहरसा पुलिस की सतर्कता और कुशल कार्यवाही से अपराधियों पर बड़ी कार्रवाई हुई है, जिससे जिले में कानून व्यवस्था और सुरक्षा को मजबूती मिली है।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुम्हला में विषय वार शिक्षक नहीं रहने से पठन-पाठन में हो रही है परेशानी

अधिकांश वर्ग में बेंच डेक्स नहीं रहने से छात्रों को जमीन पर बैठकर पढ़ने को है विवस , कंप्यूटर की व्यवस्था हो जाने से छात्रों को कंप्यूटर शिक्षा का मिलेगा

लोकतंत्र की आवाज

प्रवीण कुमार

कटिहार। कदवा प्रखंड अंतर्गत धपरसिया पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुम्हला में छात्र-छात्राएं अनुशासित रहकर पठन-पाठन करते हैं। प्रधानाध्यापक रविन्द्र नाथ मिश्र के द्वारा विद्यालय के छात्र-छात्राओं को अनुशासित करने के दिशा में सजग एवं सचेष्ट रहते हैं।जिस कारण इस विद्यालय की चर्चा आसपास के क्षेत्र में होती है। इस विद्यालय में सभी शिक्षक शिक्षिकाओं विद्यालय के छात्र-छात्राओं के प्रति समर्पण की भाव रखते हैं और अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हैं। जिसके कारण छात्र-छात्राएं नियमित रूप से स्कूल ड्रेस में आते हैं और ध्यान लगाकर के पठन-पाठन करते हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक रविन्द्र नाथ मिश्र ने बताया कि विद्यालय में 370 छात्र-छात्राओं का नामांकन पंजी में दर्ज है।

विद्यालय में शौचालय 2 हैं।चापाकल एक हैं। विद्यालय डेढ़ बिघा जमीन पर स्थित है। विद्यालय में 10 कमरे हैं। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिका में शालू कुमारी, रिंकू कुमारी,कमलदेव राम, अंजूमन आरा,आरती कुमारी,सरिता सिंह समय पर विद्यालय पहुंचकर छात्र छात्राओं को समय सारणी के अनुसार पठन-पाठन करते हैं। प्रधानाध्यापक

रविन्द्र नाथ मिश्र ने विद्यालय में पर्याप्त फर्नीचर, अलमीरा, कुर्सी,टेबल आदि उपस्कर की व्यवस्था की है। विद्यालय में प्रधानमंत्री पोषण योजना नियमित रूप से मीनू के अनुसार छात्राओं को भोजन परोसा जाता है। प्रधानाध्यापक रविन्द्र नाथ मिश्र ने कहा कि विद्यालय में बिजली वायरिंग करते हुए सभी कमरे में लाइट और पंखा की व्यवस्था की। कमरे में वाला पेंटिंग कराया।विद्यालय भवन का रंग रोगन कराया गया। विद्यालय में पदस्थापना विवरणी लगाया गया।

प्रधानाध्यापक रविन्द्र नाथ मिश्र ने बताया कि अगर विद्यालय में शिक्षक का धोर अभाव है।जिसके कारण छात्र- छात्राओं को विषय वार पठन-पाठन करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। अगर विभाग छात्रों के पठन पाठन के लिए कम से कम चार शिक्षकों की प्रति नियुक्ति कर दिया जाता, तो विषय वार पठन पाठन किया जा सकता है। अगर विद्यालय में आईसीटीसी कंप्यूटर लैब की व्यवस्था हो जाता,तो छात्र छात्राओं को कंप्यूटर शिक्षा देने में काफी सुविधा होता। विद्यालय परिसर में बच्चों को खेलने के लिए लोहे का विभिन्न प्रकार का झूला लगा दिया जाता,

तो बच्चे नियमित रूप से खेल-खेल में व्यायाम का लाभ उठा सकता है। जबकि प्रधानाध्यापक रविंद्र कुमार मिश्रा के द्वारा विद्यालय परिसर में झूला लगाने के लिए विभाग को पत्र लिखा गया है। प्रधानाध्यापक रविंद्र नाथ मिश्र कहते हैं कि विद्यालय में बैंच डेक्स का घोर अभाव रहने के कारण छात्र-छात्राओं को दरी पर बिठाकर पढ़ाने को विवश हैं। प्रधानाध्यापक रविंद्र नाथ मिश्रा ने विभागीय अधिकारी से इस विषय पर कई बार पत्राचार भी कर चुके हैं। इसके बावजूद अभी तक विद्यालय को बेंच डेक्स प्राप्त नहीं हुआ है। प्रधानाध्यापक रविंद्र नाथ मिश्रा ने विभाग के उच्च अधिकारी से आग्रह पूर्वक मांग किया है कि छात्र-छात्राओं का हित को ध्यान में रखते हुए अविलंब बैंच डेक्स की व्यवस्था किया जाए ताकि बच्चे बैंच डेक्स पर बैठकर पठन-पाठन कर सके।समर सेबल सहित गणित, विज्ञान, हिंदी, संस्कृत विषय की शिक्षकों की नियुक्ति होने से छात्र छात्राओं को विषय वार पठन-पठान हो जाता।

सहरसा, जादूगर पीके सम्राट कई कलाओं के प्रदर्शन व कला दिखा के आम लोगों को भरपूर आनंद मिल रहा हैं। और तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता कला भवन

लोकतंत्र की आवाज
रंजीत सक्सेना

सहरसा। बताते चले कि आपके शहर व कला भवन जादूगर पीके सम्राट कई कलाओं व कला का प्रदर्शन कर रहे है। आम लोगों को भरपूर आनंद मिल रहा हैं। लोगों ने बताया भाग दौर का जीवन में मनोरंजन का आवश्यक है तथा मानसिक तनाव कम होता है।

अनुमंडलीय अस्पताल सिमरी बख्तियार पुर में सिवान में पदस्थापित सिपाही की इलाज के दौरान मौत, किडनी और शुगर से थे पीड़ित

लोकतंत्र की आवाज

रजनीश कुमार

सिमरी बख्तियारपुर, सहरसा संवाददाता। सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडल क्षेत्र से एक दुखद खबर सामने आई है। सिवान में तैनात सिपाही लाल पासवान का बुधवार शाम इलाज के दौरान निधन हो गया। वे किडनी और डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रसित थे। पैतृक गांव घोड़दौर (वार्ड संख्या-03) में उनका शव पहुंचते ही कोहराम मच गया।

जानकारी के मुताबिक, लाल पासवान बनमा ईटहरी थाना क्षेत्र के निवासी थे। बीमारी के चलते उनका

इलाज पटना और सहरसा के कई बड़े अस्पतालों में चला, लेकिन स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ। बुधवार को अचानक उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। परिजन उन्हें आनन-फानन में सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन अफसोस उन्हें बचाया नहीं जा सका

सिपाही लाल पासवान के निधन से उनका भरा-पूरा परिवार बिखर गया है। वे अपने पीछे सात बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। जिनमें पांच बेटियों की शादी हो चुकी है।दो बेटियां 12 और 7 वर्ष की है जो अभी नाबालिग हैं। वहीं इकलौता बेटा अभी महज 17 साल का है। पिता के असामयिक निधन से घर की पूरी जिम्मेदारी अब 17 वर्षीय किशोर के कंधों पर आ गई है।

बुधवार की रात जैसे ही सिपाही का पार्थिव शरीर उनके घर पहुंचा, परिजनों की चीख-पुकार से पूरा माहौल गमगीन हो गया। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि लाल पासवान बेहद मिलनसार व्यक्ति थे। उनके निधन से गांव में शोक की लहर है और हर कोई पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने में जुटा है।

कटिहार से जिला कॉर्डिनेटर अटास राजेश कुमार वर्मा जयपुर के लिए हुये रवाना

लोकतंत्र की आवाज

प्रवीण कुमार

कटिहार। एसोसिएशन ऑफ टॉप एचीवर स्काउटस के ओर से एक दिवसीय सम्मेलन मे भाग लेने के लिए एसोसिएशन ऑफ टॉप एचीवर स्काउटस कटिहार से जिला कॉर्डिनेटर अटास राजेश कुमार वर्मा जयपुर के लिए रवाना हुए। अटास सदस्य राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि इस आयोजन में पूर्व और वर्तमान राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त स्काउट एवं गाइड का 9वां राष्ट्रीय समागम आगामी 13 दिसंबर 2025 को अरावली सभागृह, गणपति नगर रेलवे कॉलोनी परिसर जयपुर, राजस्थान में आयोजित किया जा रहा है।

अटास सदस्य राम बाबु ने बताया कि राष्ट्रीय मुख्यालय से चीफ जस्टिस (सेवानिवृत) श्री कल्पेश झवेरी, प्रेसिडेंट एक्जीक्यूटिव श्री मैक मेकी, इवेंट संयोजक डॉ गिरीश यादव और सेक्रेटरी जनरल श्रीमती सीमा राठी

उपस्थित रहेंगे। "एशोसिएशन ऑफ टॉप अचीवर स्काउट्स इंडिया' का यह वार्षिक समागम वयस्क स्काउट्स एवं गाईड्स को एक मंच पर अनुभवों के आदान प्रदान और संगठन के सुदृढ़ीकरण का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है।इस अवसर पर कटिहार अटास ईकाई के सदस्य अनुप कुमार उपाध्याय, डॉक्टर कुमार अमरेश,राम बाबू,रवि रंजन कुमार,रंजन कुमार,राहुल वरनवाल,दिनेश दुबे जिला मुख्य आयुक्त,डॉ0आशीष रंजन, जिला आयुक्त स्काउट, अर्चना राय जिला आयुक्त गाइड, नूतन कुमारी जिला आयुक्त बुलबुल , मनोज कुमार भगत जिला कोषाध्यक्ष , संजीव कुमार साह, अवधेश कुमार यादव, अजीत वर्मा, आनंद सिंह, अरविंद साह, पवन कुमार साह, एवं जिला सचिव संजय कुमार ने शुभकामनाएं दी एवं अटास के राजेश कुमार वर्मा को कटिहार स्टेशन से रवाना किया।

नेता सैयद शाहनवाज़ हुसैन को दोहरी खुशी पर विशिष्ट शुभकामनाएँ

लोक तंत्र की आवाज

अररिया । बिहार में औद्योगिक क्रांति का नया अध्याय रचने वाले, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन को उनके जन्मदिन और वैवाहिक वर्षगांठ — दोनों शुभ अवसरों पर — वर्ल्ड पीस हार्मोनी के चेयरमैन एवं सैफी हॉस्पिटल के सीईओ हाजी डॉ. मो. शकील सैफी ने उनके दिल्ली स्थित आवास पर पहुँचकर पुष्पगुच्छ भेंट किया और हार्दिक बधाई दी।

हाजी डॉ. सैफी ने कहा "शाहनवाज़ हुसैन साहब की दृष्टि, उनकी कर्मठता और विकास के प्रति उनका समर्पण बिहार को रोशनी की नई राह देने वाला है। उद्योग, रोज़गार और प्रगति के जो बीज उन्होंने बोए, आज वही बिहार के भविष्य की नींव बन रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा "उनके व्यक्तित्व की

सादगी, स्वभाव की विनम्रता और लोगों से जुड़ने का उनका अंदाज़ उन्हें सिर्फ नेता नहीं, बल्कि जनता के सच्चे प्रतिनिधि की पहचान देता है।" इस दोहरे शुभ अवसर पर डॉ. सैफी ने विशेष रूप से यह भी कहा "ईश्वर उन्हें सदैव स्वस्थ, दीर्घजीवी और ऊर्जावान बनाए रखे, ताकि देश और समाज के लिए उनका योगदान यूँ ही निरंतर बहता रहे। उनका नेतृत्व आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का मशाल है।"

सांसद प्रदीप सिंह ने भी दिया बधाई: इस खास मौके पर सीमांचल के एकलौता भाजपा सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने भी जनाब शाहनवाज हुसैन को बर्थ डे एवं मैरेज डे की बधाई दी।

जज्बा सोच का सहरसा : शिशु विकास जनकल्याण ट्रस्ट से क्षेत्रों में लोगों सेविकाओं और शिशुओं की जगी उम्मीद

लोकतंत्र की आवाज

सहरसा संवाद सुत्र। बताते चले कि क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास व जनकल्याण बाल कल्याण व शिशु विकास कल्याण एक वर्ष से अठारह वर्ष तक बच्चियों को हर संभव ट्रस्ट के माध्यम से सहयोग किया जाएगा संयुक्त जानकारी देते हुए अध्यक्ष अजय कुमार सचिव रवींद्र कुमार राय ने दिया अब उम्मीद का किरण जग चुका है।

संघर्ष ही जीवन है आगे हम सबको मिलजुलकर आगे बढ़ना है। जज्बा सोच का आज दिनांक 12-12-25 को शिशु विकास जनकल्याण ट्रस्ट के तहत बाल कन्या सहयोग एवं शिशु विकास कल्याण हेतु कार्य किया जाएगा एक वर्ष से अठारह वर्ष तक की बच्चीयों को सहयोग किया जाएगा। शिशु विकास जनकल्याण ट्रस्ट के माध्यम से

सर्व -सम्मति से निर्णय लिया जाता है कि संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार एवं सचिन रविन्द्र कुमार राय एवं सन्नी गुप्ता, ऑफिस इनचार्ज स्वाति सिंह, कृति सिंह, और सक्रिय कार्यकर्ता पुरुषोतम जी, मृत्युजय कुमार, रविन्द्र कुमार, पंकज कुमार अन्य सुपरवाइजरों के साथ बैठक की गई, जिसमें निर्णय लिया गया कि सहरसा जिला में जितने शिशु विकास केन्द्र चल रहा है, उसका को पोषाहार हर महीने के एक तारीख को दिया जाएगा और सभी सेविका को हर महीने के 10 तारीख को पेमेंट दिया जाएगा। सेविका एवं शिशु को आने वाले समय में आदि सुविधा मुहैया कराया जाएगा।

कटिहार स्टेशन पर रेलवे मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान में हुई बड़ी कार्रवाई , 100 से अधिक पकड़े गए बेटिकट रेलवे यात्री

लोकतंत्र की आवाज

प्रवीण कुमार

कटिहार। कटिहार रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को व्यापक रेलवे मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान चलाया गया। सीनियर डीसीएम अनूप कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग की टीम ने आरपीएफ के साथ संयुक्त रूप से सुबह से शाम तक मेल-एक्सप्रेस व पैसेंजर मिलाकर एक दर्जन से अधिक ट्रेनों में कड़ी जांच की।

वही चेकिंग के दौरान 100 से अधिक बिना टिकट यात्री, स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाने वाले, तथा महिला व विकलांग कोच में गलत तरीके से सफर कर रहे यात्रियों को

विभिन्न रेलवे एक्ट के तहत पकड़ा गया। पकड़े गए यात्रियों में आधे दर्जन से अधिक महिलाएँ भी शामिल रहीं।

वही सभी यात्रियों को मौके पर मौजूद रेलवे मजिस्ट्रेट विकास कुमार द्वारा आर्थिक दंड की सजा दी गई। बाद में रेल कोर्ट के लोकप्रिय पेशकार नवीन कुमार और कुलदीप सिन्हा द्वारा जुर्माना राशि जमा लेने के बाद रेलवे मजिस्ट्रेट के निर्देशानुसार सभी को मुक्त कर दिया गया। इस अभियान में मुख्य वाणिज्य निरीक्षक फणी भूषण, मुकेश कुमार, मुरारी प्रसाद, टीटी अमरेश कुमार, सुमन कुमार सिन्हा, अनूप कुमार पासवान, कमलेश कुमार, रवि कुमार,अशोक कुमार, केडी मंडल, मनीष कुमार सिंह,रामू यादव, कमलेश चौधरी,नंद किशोर प्रसाद, बी.के. चौहान, रंजीत कुमार, राकेश कुमार साह, डी.पी. सिंह सहित आरपीएफ के सब-इंस्पेक्टर मुक्ति शील और बबलू कुमार समेत कई सुरक्षाकर्मी मौजूद थे। वही कटिहार रेलमंडल के सीनियर डीसीएम सह पीआरओ अनूप कुमार सिंह ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे राजस्व संरक्षण हेतु रेल में ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। इसलिए यात्रियों से अपील है कि उचित यात्रा टिकट लेकर ही अपनी सुखद यात्रा सुनिश्चित करे।

संक्षिप्त खबरें ।

गिरिडीह नगर निगम समेत सभी प्रखंडों में अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित हो : उपायुक्त

लोकतंत्र की आवाज
ब्यूरो चीफ गिरिडीह
झारखंड (12. 12. 2025)। बढ़ती ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए त्वरित कदम उठाए हैं। उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने नगर निगम समेत सभी प्रखंडों में बढ़ती ठंड से बचाव हेतु अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया है। इस आलोक में जिले के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है, ताकि रात के समय ठंड से परेशान लोगों को राहत मिल सके। शहर के मुख्य चौक-चौराहों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के उन सभी स्थानों को चिन्हित किया गया है जहां जरूरतमंद, दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी राहगीर और बेघर लोग अधिक संख्या में रहते या गुजरते हैं। इन स्थानों पर अलाव की व्यवस्था कर संबंधित अधिकारियों को लगातार निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही प्रशासनिक टीमों को निरंतर अपने संबंधित क्षेत्र में सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया है ताकि शीघ्र कार्रवाई की जा सके।

धनबाद सांसद का रक्षा राज्य मंत्री से आत्मीय मुलाकात

लोकतंत्र की आवाज़
पप्पु गुप्ता , ब्योरो चीफ
धनबाद कतरास। धनबाद के विकास को नए आयाम प्रदान करने हेतू धनबाद के सांसद श्री ढुलू महतो ने केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ से मुलाकात कर उनसे धनबाद में सैनिक स्कूल की स्थापना का आग्रह किया है। मुलाकात के दौरान, श्री ढुलू महतो ने निम्नलिखित मुख्य बातें कहीं। उन्होंने रक्षा राज्य मंत्री से अनुरोध किया कि धनबाद में एक सैनिक स्कूल खोला जाए। उनका तर्क था कि धनबाद कोयला क्षेत्र होने के बावजूद, यहां के युवाओं में देश सेवा और सशस्त्र बलों में शामिल होने का जज्बा है,और सैनिक स्कूल उन्हें बेहतर अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने धनबाद संसदीय क्षेत्र से संबंधित अन्य स्थानीय मुद्दों और विकास परियोजनाओं पर भी चर्चा की, हालांकि सैनिक स्कूल का मुद्दा प्रमुख रहा रक्षा राज्य मंत्री, जो स्वयं रांची से सांसद हैं, ने धनबाद सांसद की मांगों को सुना और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

कोयला अवैध कारोबार पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, धनबाद में तीन कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी

लोकतंत्र की आवाज़
पप्पु गुप्ता , ब्योरो चीफ
धनबाद कतरास। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम धनबाद में कम से कम तीन कोयला कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है, उनमें डेको आउटसोर्सिंग कंपनी के संचालक मनोज अग्रवाल, सुधीर चौटाला और इंद्रराज भदौरिया शामिल हैं। मनोज अग्रवाल डेको कंपनी के संचालक होने के साथ-साथ ट्रांसपोर्टर भी हैं। यह कार्रवाई कोयला के अवैध कारोबार से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में की जा रही है। इसके पहले 21 नवंबर को भी ईडी ने कोयला कारोबारी दीपक पोद्दार और अन्य कोयला कारोबारियों के घर व कार्यालयों में छापेमारी की थी। उस छापेमारी में कोलकाता की ईडी टीम भी शामिल थी, जो पश्चिम बंगाल के ठिकानों पर जांच कर रही थी। इस छापेमारी के दौरान कई करोड़ रुपये और चल-अचल संपत्तियों का पता चला। जांच में यह भी सामने आया कि इंद्रराज भदौरिया, सुधीर चौटाला और मनोज अग्रवाल का अवैध कोयला कारोबार में संलिप्त होना स्पष्ट हुआ, जिसके चलते ईडी ने इनके खिलाफ भी कार्रवाई शुरू की है।

ठेकाकर्मी अपहरण, विनोद-मुकेश फरार, बोकारो पुलिस नाकाम

लोकतंत्र की आवाज़
झारखंड । बोकारो स्टील सिटी में अपराध बेकाबू होते जा रहे हैं। 10 दिसंबर 2025 की रात हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर-8ए निवासी बीएसएल ठेकाकर्मी जयंत सिंह का उनके घर से अपहरण कर लिया गया है। पत्नी अमृता सिंह ने हरला थाने में कांड संख्या 185/25 दर्ज कराई है, जिसमें मुख्य आरोपी विनोद खोपड़ी और मुकेश राय को नामजद किया गया है। दोनों आरोपी पुराने अपराधी हैं और पहले भी कई गंभीर मामलों में बरी हो चुके हैं। अपहरण के बाद से दोनों ने मोबाइल बंद कर लोकेशन छिपा रखी है, जिससे पुलिस की तलाश में भारी दिक्कत हो रही है ।सिटी डी एस पी आलोक रंजन ने मामले की पुष्टि की है और जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है, लेकिन लगातार कमजोर जांच-पड़ताल के कारण बोकारो में अपराधी बेखौफ होकर जघन्य अपराध कर रहे हैं और सबूतों के अभाव में बरी होकर फिर सक्रिय हो जा रहे हैं। लोगों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर गुस्सा और निराशा बढ़ रही है।

बेरमो : विधायक रणविजय साहू के सम्मान में भव्य अभिनंदन समारोह की तैयारी तेज, बोकारो जिला से बड़ी संख्या में होंगे शामिल लोग : योधन नायक

लोकतंत्र की आवाज

मो. इस्तियाक अहमद ब्यूरो प्रमुख
बेरमो। तेली साहू समाज संघर्ष समिति (टीएसफोर) झारखंड की ओर से समस्तीपुर जिले के मोरवा विधानसभा क्षेत्र से लगातार दूसरी बार विजयी होकर लौटे आरजेडी विधायक रणविजय साहू के सम्मान में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया जा रहा है।इस संबंध में टीएसफोर झारखंड के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष योधन नायक ने एक मुलाकात के दरमियान विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह अभिनंदन समारोह आगामी 28 दिसंबर, रविवार को लातेहार जिला मुख्यालय स्थित कार्निवल्स मैरिज हॉल में आयोजित होगा। समारोह की अध्यक्षता टीएसफोर झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष संजय स्नेही करेंगे, जबकि कार्यक्रम में टीएसफोर के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील साहू की भी गरिमामयी उपस्थिति रहेगी, जिससे कार्यक्रम का महत्व और बढ़ गया है।

योधन नायक ने कहा कि विधायक रणविजय साहू ने मोरवा विधानसभा क्षेत्र से दूसरी बार जीत हासिल कर अपनी जनस्वीकृति और कार्यक्षमता को सिद्ध किया है। गौरतलब है कि यही वह क्षेत्र है, जहां से जननायक कर्पूरी ठाकुर भी लगातार चुनाव में विजय प्राप्त करते रहे थे। इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए टीएसफोर के सदस्यों में उत्साह का माहौल है और समाज के लोग उन्हें सम्मानित करने के लिए उत्सुक हैं।उन्होंने आगे बताया कि बोकारो जिले से जुड़े टीएसफोर के सदस्य बड़ी संख्या में लातेहार पहुंचने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक स्वजातीय लोग इस सम्मान समारोह में शामिल होकर समाज की एकजुटता और शक्ति का प्रदर्शन कर सकें।

इस प्रयोजन के लिए भुवनेश्वर साहू, रवि कुमार गुप्ता, ज्ञानेश्वर प्रसाद उर्फ गुड्डू जी, सुरेश साव, विनोद साव, मनोज साव, दीपक साहू सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता सामूहिक नेतृत्व कर रहे हैं।इन सभी के समन्वित प्रयास से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में संदेश भेजा जा रहा है कि यह कार्यक्रम समाज की एकता, सम्मान और गौरव का प्रतीक है। योधन नायक ने आगे कहा कि रणविजय साहू जैसे जनप्रिय और जमीन से जुड़े नेता का सम्मान पूरे समाज के लिए गर्व की बात है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रत्येक सदस्य के लिए आवश्यक व्यवस्था और समुचित प्रबंधन को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। टीएसफोर का उद्देश्य इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज को संगठित करना, युवा पीढ़ी को प्रेरित करना और जनप्रतिनिधियों

के साथ संबंधों को मजबूत करना है। योधन नायक ने उम्मीद जताई कि लातेहार में होने वाला यह समारोह समाज की एकता और शक्ति का ऐतिहासिक प्रदर्शन साबित होगा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड ने पाकुड़ जिले को द्वितीय स्थान से सम्मानित किया

लोकतंत्र की आवाज

सुजीत कुमार, संताल परगना, प्रभारी
पाकुड़। पाकुड़ जिले ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड द्वारा आयोजित "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान" में ओवरऑल श्रेणी में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड की ओर से पाकुड़ जिला प्रशासन को Certificate of Achievement प्रदान किया गया।

अभियान के दौरान जिले में महिलाओं के स्वास्थ्य संवर्धन, पोषण परामर्श, एनीमिया जांच, आवश्यक स्क्रीनिंग, परिवार कल्याण सेवाओं के विस्तार तथा समुदायिक जागरूकता के क्षेत्र में विशेष रूप से प्रभावी कार्य किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करते हुए गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ सुनिश्चित कीं, जिसके परिणामस्वरूप यह राज्य स्तरीय उपलब्धि हासिल हुई। जिले में अभियान के दौरान महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, प्रसूता एवं किशोरी स्वास्थ्य परामर्श, टीकाकरण, परिवार कल्याण परामर्श तथा ग्राम स्तर तक निगरानी एवं फॉलो-अप जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि यह सम्मान जिले की पूरी स्वास्थ्य टीम के समर्पित प्रयासों का परिणाम है। गुणवत्तापूर्ण कार्य, समय पर सेवा उपलब्धता और टीमवर्क के कारण पाकुड़ जिले ने यह सफलता अर्जित की है। उपायुक्त ने इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर सिविल सर्जन तथा स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बधाई एवं धन्यवाद दिया। टीम ने जिस प्रतिबद्धता और परिश्रम से कार्य किया है, वही इस उपलब्धि का आधार है। वहीं सिविल सर्जन डॉ सुरेन्द्र कुमार मिश्रा एवं जिला स्वास्थ्य टीम ने भी इस सम्मान को जिला प्रशासन के निरंतर मार्गदर्शन और सामुदायिक सहयोग का परिणाम बताया। यह उपलब्धि पाकुड़ जिले के स्वास्थ्य मानकों को और अधिक सुदृढ़ करने तथा भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

बाल विकास परियोजना पदाधिकारी गिरिडीह शहरी अंतर्गत कुछ केंद्रों पर बहाली तिथि की घोषणा

लोकतंत्र की आवाज

ब्यूरो चीफ गिरिडीह
झारखंड। गिरिडीह सदर पंचायत उदनाबाद आंगनबाड़ी केंद्र का नाम जंम्बाद है। इस केंद्र में सहायिका का पद रिक्त है जहां 16 12.2025 को चयन की तिथि निर्धारित की गई है यह तो एक उदाहरण मात्र आपके सामने रखा गया था वास्तव में इसी प्रकार से लगभग इसे लेकर 11 स्थान पर सहायिका सेविका और कहीं तो मात्र एक पद तो कहीं दोनों पद पर नियुक्ति होनी है 23 12.2025 तक की तिथि निर्धारित है माना जा सकता है कि यह अंतिम तिथि है इसके बावजूद और भी कई जगह है जहां की पद रिक्त है बावजूद इसकी दो नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की भी प्रबल संभावना है जिसके अंतर्गत निर्धारित पद पर अनुसूचित जनजाति वर्ग के ही सदस्यों द्वारा यह पद भरा जाएगा लेकिन बात अंतत कर रूकती है चयन समिति के मुखिया सदस्य एवं सदस्य क्योंकि बाल विकास परियोजना पदाधिकारी तो अध्यक्ष के रूप में मौजूद रहते हैं

बगोदर के आदिवासी प्रवासी मजदूर के पार्थिव शरीर का कोल्हारिया गांव में शुक्रवार को अंतिम विदाई दी गई

लोकतंत्र की आवाज

ब्यूरो चीफ गिरिडीह
बगोदर। बगोदर थाना क्षेत्र में मुंडरो पंचायत के कोलहरिया गांव का आदिवासी प्रवासी मजदूर दिनेश कोल्ह(उम्र 30 वर्ष) का पार्थिव शरीर गुजरात से गांव गुरुवार की दोपहर आया.पार्थिव शरीर के गांव आते हीं ग्रामीणों और परिजनों के शोक से समूचा माहौल गमगीन हो गया.बताते चलें कि स्वर्गीय चैता कोल्ह के पुत्र दिनेश कोल्ह तकरीबन दो महीने पहले टावर लाइन में काम करने के लिए गुजरात गया था जहां दो दिन पहले कार्यस्थल पर करंट लगने से मौत हो गई थी.वह अपने घर का एकमात्र कमाऊ सदस्य था.उसके आकस्मिक मौत से उसके दो नाबालिक पुत्र,पत्नी और वृद्ध मां के सामने दुखों का पहाड़ टूट गया है.शुक्रवार को सैकड़ों नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी गई.

सूचना मिलने पर प्रवासी मजदूरों के हितार्थ हमेशा आगे रहनेवाले बगोदर के पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह शुक्रवार को उसके गांव कोल्हारिया पहुंचे और शोक संतप्त परिजनों और ग्रामीणों का ढाढस बंधाया और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया.

गुरुवार की दोपहर मृतक आदिवासी प्रवासी मजदूर दिनेश कोल्ह का पार्थिव शरीर गांव आते हीं मुंडरो और आसपास के अनेक राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता कोल्हारिया गांव पहुंचे और घटना पर दुख जाहिर करते हुए परिजनों और ग्रामीणों का हिम्मत बंधाया.गुरुवार को सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में मृतक के आश्रितों को कंपनी द्वारा मुआवजा सहायता राशि के रूप में 6 लाख रुपए देने,काम पर ले जानेवाले ठिकेदार द्वारा 1 लाख रुपए मदद राशि और झारखंड सरकार द्वारा डेढ़ लाख मुआवजा राशि दिलाने पर सहमति जताई गई तथा कंपनी ने जीवन बीमा का लाभ दिलाने में हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया है.

मौके पर मुख्य रूप से पंचायत के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि उमेश मंडल, माले राज्य कमिटी नेता पवन महतो ,मुखिया बंधन महतो, पंचायत समिति कौलेश्वर मंडल ,तेजनारायण पासवान जगदीश महतो, राजेश मंडल, शंकर महतो, राजू सिंह, दीपू मंडल ,रवि सिंह, मनोज सिंह, राजू महतो ,डेगलाल महतो, रोहित मंडल, संतोष मंडल, लालमोहन महतो ,दिनेश राणा, प्रदीप कुमार मंडल ,रामदेव महतो ,महेंद्र महतो, तिलकधारी सिंह ,ठाकुर मंडल ,परमेश्वर महतो ,गणेश पंडित, त्रिभुवन कोल्ह, होरिल कोल्ह समेत पूरे मुंडरो पंचायत के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

बगोदर बस स्टैंड में शहीद महेंद्र सिंह शहादत दिवस की तैयारियां जारी

लोकतंत्र की आवाज

बगोदर गिरिडीह (झारखंड)। बगोदर बस स्टैंड में आगामी 16 जनवरी को जननायक शहीद कामरेड महेंद्र सिंह के शहादत दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति आयोजित जनसंकल्प सभा और रैली की भारी सफलता को लेकर ग्रामीण अंचलों के तैयारियां जारी हैं.शुक्रवार को प्रखंड के पोखरिया,डोरियो और अलगडीहा में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में बैठकें आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ नेता और माले प्रखंड सचिव परमेश्वर महतो मौजूद थे.

इस संबंध में परमेश्वर महतो ने कहा कि बगोदर और झारखंड की धरती के लिए महेंद्र सिंह ऐसे जननेता थे जिन्हें गरीब किसान -मजदूर और छात्र - नौजवान कभी नहीं भुला पाएंगे.उन्होंने इलाके के लोगों को अपने हक अधिकार के लिए गोलबंद होने और संघर्ष करने का रास्ता दिखाया.इसलिए जब तक हक अधिकार की जरूरत लोगों को होगी, महेंद्र सिंह शिद्दत के साथ पथ प्रदर्शक बने रहेंगे.वे हमेशा जनसंघर्षों के प्रकाश स्तंभ बने रहेंगे.उन्होंने आम अवाम से 16 जनवरी के अवसर पर आयोजित संकल्प सभा को सफल करने के लिए 18 दिसंबर को प्रखंड स्तरीय जीबी बैठक को सफल करने की अपील की. मौके पर पंस प्रतिनिधि फारुख शेख,भोला महतो,भैरो महतो,रामचंद्र प्रसाद,ख़गिया देवी, हुलास विश्वकर्मा, निलेश कुमार,फूलचंद महतो,राजेश प्रजापति,सुरेंद्र साव, जगदीश महतो,किशुन महतो, विश्वनाथ महतो समेत अन्य उपस्थित थे।

बरोरा थाना क्षेत्र के आवास से 15 लाख की चोरी !

लोकतंत्र की आवाज़

पप्पु गुप्ता , ब्योरो चीफ
धनबाद कतरास। बाघमारा बीसीसीएल के क्षेत्रीय प्रबंधक (एस्टेट) आलोक कुमार के कंपनी द्वारा आवंटित आवास, क्वार्टर संख्या C-44, हरिना कॉलोनी में गुरुवार (11.12.2025) की शाम अज्ञात चोरों ने सेंधमारी कर एक बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने 15 लाख रुपये से अधिक के आभूषण और लगभग ₹10,000/- नकद सहित कई कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया।

पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, आलोक कुमार गुरुवार की सुबह लगभग 09:00 बजे अपनी कार्यालय ड्यूटी पर गए थे। जब वे रात लगभग 09:18 बजे अपने आवास लौटे, तो उन्होंने देखा कि मुख्य द्वार की कुंडी का कब्ज़ा टूटा हुआ था, जिससे स्पष्ट हो गया कि किसी ने जबरन घर में प्रवेश किया है। क्वार्टर के अंदर का दृश्य देखकर वह स्तब्ध रह गए। अलमारी का ताला खुला हुआ था और पूरे घर का सामान अस्त-व्यस्त बिखरा पड़ा था। जांच करने पर उन्हें चोरी की पुष्टि हुई।

चोरी हुए सामानों का ब्यौरा : चोरी हुए आभूषणों का विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, जिनका कुल अनुमानित मूल्य ₹15 लाख से अधिक बताया जा रहा है: *एक हार सेट , 2 कंगन ,1 नथिया, 4 सेट कान की बाली,4 सेट झुमका, 2 रिंग, 2 नोज़ रिंग (नाक की बाली),1 ब्रेसलेट, 1मंगलसूत्र, चांदी के सिल्वर की 4 सेट पायल, 6 पीस बिछिया,लगभग ₹10,000/- नकद के साथ अन्य कुछ कीमती एवं व्यक्तिगत आभूषण तथा वस्तुएँ,आलोक कुमार ने अपनी शिकायत में कहा है कि उनकी अनुपस्थिति का लाभ उठाकर अज्ञात चोरों द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है। उन्होंने घटना को अपने तथा अपने परिवार के लिए गहन चिंता एवं असुरक्षा का कारण बताया है।

उन्होंने स्थानीय पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति/व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर आवश्यक धाराओं में उचित व कठोर कानूनी कार्रवाई करने, चोरी किए गए सामान की बरामदगी, अपराधियों की पहचान, तथा गिरफ्तारी हेतु शीघ्र कार्यवाही करने का विनम्र निवेदन किया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का मुआयना किया है।

बड़कागांव के पूर्व विधायक अम्बा प्रसाद का वर्तमान विधायक पर गंभीर आरोप

लोकतंत्र की आवाज

ब्यूरो चीफ
हजारीबाग (झारखंड)। बड़कागांव की पूर्व विधायक सह कांग्रेस पार्टी की नेत्री अम्बा प्रसाद ने वर्तमान विधायक रौशन लाल चौधरी पर खनन कंपनियों से साठगांठ का गंभीर आरोप लगाते हुए सियासी हलचल तेज कर दी है। अम्बा प्रसाद ने आरोप लगाया है कि वर्तमान विधायक रौशन लाल चौधरी जनता के बीच बेचारा बनने का ढोंग करते हैं, जबकि दूसरी ओर एनटीपीसी उनके घर निर्माण का टेंडर निकाल रही है। उन्होंने कहा यदि उनकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही, तो वे मेरे पास आएँ मैं उनकी बात सुनने को तैयार हूँ।

उधर, एनटीपीसी की प्रेसवार्ता में कंपनी ने साफ कहा कि उन्हें वर्तमान सांसद और विधायक का पूर्ण सहयोग मिल रहा है। इस बयान का हवाला देते हुए अम्बा प्रसाद ने इसे दोहरी नीति करार दिया। उन्होंने वर्तमान विधायक को चुनौती देते हुए कहा विधायक के घर निर्माण के लिए जो टेंडर निकाला गया है, उसमें एक भी ईंट नहीं लगने दूँगी। इसके खिलाफ मैं पीआईएल दायर करुँगी और सड़कों पर आंदोलन भी होगा।इन आरोपों के बाद बड़कागांव की राजनीति में माहौल गरमा गया है और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर बड़ा राजनीतिक घमासान देखने को मिल सकता है कांग्रेस नेत्री ने प्रेस कांफ्रेंस सम्बोधन मे कहा कि स्थानीय सांसद, विधायक एनटीपीसी के खास चहेता प्रतिनिधियों मे से है , ग्रामीणों कि समस्या से मतलब नही ।

झोलाछाप डॉक्टर ने ली युवती की जान, प्रसव के तीन माह बाद ही कर दिया बच्चादानी का आपरेशन, चिकित्सक फरार

लोकतंत्र की आवाज़

निशांत तिवारी, प्रभारी झारखंड
हंटरगंज(चतरा)। एक बार फिर से झोलाछाप डॉक्टर के आधे अधूरे अनुभव ने एक युवती की जान ले ली। मृतिका हंटरगंज के गेंजना पंचायत के भोकताडीह गांव की रहने वाली नकुल कुमार की 25 वर्षीय पत्नी कविता कुमारी थी जिसके दो छोटे छोटे बच्चे है।बताते चले की विगत तीन माह पहले मृतिका कविता कुमारी का प्रसव माँ लक्ष्मी क्लिनिक रानीचक गोसाईडीह मे हुआ था जिसे डा० धीरज भारती और डा० सुमित्रा कुमारी के द्वारा संचालित किया जा रहा था ।मृतिका का पति नकुल कुमार ने जानकारी साझा करते हुए बताया की दिनांक 10/12/2025 को अपनी

पत्नी को ले कर बच्चादानी से सम्बन्धित परेशानी को लेकर माँ लक्ष्मी क्लिनिक पहुंचे।जहा डा० धीरज भारती और डा० सुमित्रा कुमारी ने मृतिका को एडमिट कर बच्चादानी का ऑपरेशन करवाने की सलाह दी और ये कहा की हमलोगो के द्वारा ही ऑपरेशन किया जायेगा। उक्त

डॉक्टरों के द्वारा मृतिका को बेहोशी का इंजेक्शन दे दिया गया।

जब काफी देर तक होश नही आया तो मृतिका का पति नकुल कुमार चिंतित हो कर होश ना आने का कारण पूछने लगा तो उक्त डॉक्टरों के द्वारा ये कहा गया की चिंता ना करे होश आ जायेगा।पर काफी समय बीतने के बाद दोनो डॉक्टरों ने बताया की मरीज़ की तबियत बिगड़ रही बेहतर इलाज के लिए बाहर ले जाना पड़ेगा और उक्त डॉक्टरों ने तुरंत स्कार्पियो गाडी मंगवा कर मरीज को ले कर मगध मेडिकल गया ले जाया गया।वहा पहुँचने के बाद जैसे तैसे एडमिट की प्रक्रिया पुरी की गयी और इलाज़ शुरु किया गया पर मगध मेडिकल के डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया की मरीज़ मर चुकी है इधर मरीज़ के साथ आये दोनो डॉक्टर और ड्राइवर दोनो मौका देख कर वहा से फरार हो गये।आनन फानन मे नकुल अपनी पत्नी का शव ले कर रानीचक माँ लक्ष्मी क्लिनिक पहुंचे तो देखा की क्लिनिक का बोर्ड और डॉक्टर दोनो गायब थे।

ये देख कर नकुल कुमार ने इस पूरे मामले की जानकारी आवेदन के माध्यम से बहेरा थाना को दी जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने त्वरित कारवाई करते हुए क्लिनिक पर आये और क्लिनिक को सील कर दिया। ऐसे सैकड़ो झोलाछाप डॉक्टर प्रति दिन किसी न किसी के ज़िंदगी से खेलने का काम कर रहे है।और सम्बन्धित विभाग के पदाधिकारी गण ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों से मिलीभगत कर अपना मतलब साधने का काम कर रहे है।भ्रष्टाचार का ये आलम है की विभाग ऐसे डॉक्टरों की मुखबिरी क्या करेगी उलटे झोलाछाप डॉक्टर विभाग की हि मुखबिरी कर रहे है ।जिस दिन विभाग से छापमारी होनी होती है उसकी खबर इनको पहले ही दे दी जाती है जिससे इनलोग अपने क्लिनिक को बंद करके गायब हो जाते है और विभागीय पदाधिकारीगण खानापूर्ति करके चले जाते है।

संक्षिप्त खबरें ।

हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 'डिस्चार्ज शुल्क' के नाम पर अवैध वसूली, सांसद मीडिया प्रतिनिधि ने सुप्रिटेंडेंट से की शिकायत

लोकतंत्र की आवाज
ब्यूरो चीफ
हजारीबाग (झारखंड)। हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रबंधकीय लापरवाही चरम पर है। अस्पताल के अधिकांश वार्डों में मरीजों को डिस्चार्ज किए जाने पर उनसे मनमाने ढंग से 100 रुपये की अवैध वसूली की जा रही है, जिससे गरीब और सामान्य मरीज़ों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस अवैध वसूली का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह प्रक्रिया इतनी खुली है कि बीती रात दारू (हजारीबाग) प्रखंड क्षेत्र के एक पत्रकार के पिता को डिस्चार्ज किए जाने पर उनकी पत्नी से 'फोन पे' के माध्यम से भी 100 रुपये की वसूली की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक—दो वार्डों को छोड़कर इस अस्पताल के लगभग सभी वार्डों में यह अवैध कृत्य धड़ल्ले से चल रहा है। इतना ही नहीं अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीज़ों के लिए निर्धारित आईपीडी स्लिप का शुल्क भी मनमानी का शिकार है। नियमानुसार इस स्लिप का शुल्क 15 रुपये निर्धारित है, लेकिन कथित तौर पर मरीज़ों से 20 रुपये लिए जा रहे हैं, जो सीधे तौर पर सरकारी नियमों का उल्लंघन है। इस मामले में लगातार मिल रही शिकायतों के बाद हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने इसे गंभीरता से लिया है। सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मेडिकल कॉलेज अस्पताल के प्रभारी अधीक्षक डॉ. राजकिशोर को पूरे मामले की जानकारी दी। सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने उनसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रही अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाने, इस पूरे कृत्य की गहन जांच कराने और जांच में संलिप्त पाए जाने वाले सभी दोषी कर्मियों पर कठोर और नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी के शिकायत के बाद अस्पताल प्रबंधन ने मामले को गंभीरता से लिया है और यथोचित कार्रवाई का उन्हें भरोसा भी दिलाया है ।

पीरपैंती :किसानों को निर्धारित 266रुपए 50 पैसे बोरी यूरिया खाद उपलब्ध

लोकतन्त्र की आवाज
केदार नाथ पाण्डेय
पीरपैंती। तिवारी ट्रेडर्स पीरपैंती मानिकपुर और श्रीराम ट्रेडर्स कामत टोला में किसानों को उर्वरक प्रतिष्ठान से जिला कृषि पदाधिकारी भागलपुर श्री प्रेम शंकर प्रसाद के निर्देशानुसार सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य 266 रुपए 50 पैसे प्रति बोरी के दर से किसानों को यूरिया खाद उपलब्ध कराया जा रहा है । तिवारी ट्रेडर्स पीरपैंती बाजार, माणिक पुर के विक्रेता अमोल कुमार गोस्वामी और श्रीराम ट्रेडर्स के विक्रेता राहुल कुमार ने बताया कि पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। आप यहां से निर्धारित मूल्य पर खाद प्राप्त कर सकते हैं। दुकान पर किसानों की लंबी लाइन देखी गई। किसानों ने बताया कि निर्धारित मूल्य पर खाद की खरीदारी कर रहे हैं। अधिक राशि नहीं ली गई है। खाद लेने के बाद किसानों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी।

डॉ. सरिता सिंह ने एमयू पुस्तकालय को दान कीं महत्वपूर्ण पुस्तकें

लोकतंत्र की आवाज
बोधगया। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग की सेवानिवृत्त अंग्रेजी प्रोफ़ेसर डॉ. सरिता सिंह और उनकी पुत्री श्रीमती लावण्या सिंह ने मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शशि प्रताप शाही जी के माध्यम से मगध विश्वविद्यालय को अंग्रेजी और हिन्दी भाषा की कई महत्वपूर्ण पुस्तकें भेंट कीं। ये पुस्तकें मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के पूर्व अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. जगदीश प्रसाद सिंह द्वारा रची गईं हैं। जगदीश ने अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाओं में उपन्यास, आलोचना, कहानी, लघु आदि अनेक विधाओं में रचना की। ₹द वाइट हॉर्सर₹, ₹द कर्फ्यूर₹, ₹द सैक्रेड फायरर₹, ₹सागर तट के सीपर₹ आदि उनकी प्रसिद्ध कृतियां हैं। उनके साहित्यिक और शैक्षणिक योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्मश्री सम्मान से विभूषित किया गया है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. शाही जी ने जगदीश जी के रचनाकर्म को याद करते हुए उसे देश की महत्वपूर्ण विरासत बताया है। कुलपति ने सरिता और लावण्या जी को मगध विश्वविद्यालय को जगदीश की पुस्तकें भेंट करने के लिए हार्दिक आभार प्रकट किया है। इस मौके पर सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. आर. एस. जमुआर, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. नीरज कुमार, कदअउ समन्वयक प्रो. मुकेश कुमार, हिन्दी विभाग के सहायक आचार्यगण डॉ. राकेश कुमार रंजन और डॉ. परम प्रकाश राय और परीक्षा नियंत्रक डॉ. पार्थ प्रतिम दास भी मौजूद रहे हैं।

सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने सुगौली अंचल कार्यालय का किया निरीक्षण

लोकतंत्र की आवाज
ब्यूरो चीफ मोतिहारी
मोतिहारी। सदर अनुमंडल पदाधिकारी मोतिहारी स्वेता भारती के द्वारा शुक्रवार को सुगौली अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दाखिल खारिज, परिमार्जन,भू मापी,आधार लीडींग,लैंड इंट्री,भीम समग्र अभियान के तहत भूमिहीन परिवार को भूमि सबंधी प्रतिवेदन की समीक्षा,एलपीसी की समीक्षा की गई और आवश्यक निर्देश दिया। उपरोक्त सभी कार्यों में कोई पेंडेंसी नहीं रहे इसको लेकर के अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा सख्त निर्देश दिया गया।इस अवसर पर अंचल अधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मीगण उपस्थित थे।

आरटीआई में बड़ा खुलासा: गंगापुर सिटी के होटल पार्थ का ना पट्टा है, और ना ही मिली है निर्माण स्वीकृति फिर भी सरकारी भूमि पर बना डाला लग्जरी होटल : राजा भईया

लोक तंत्र की आवाज

(विशेष संवाददाता)
राजस्थान । जिले के सवाई माधोपुर स्थित तहसील गंगापुर सिटी में एक नामी होटल पार्थ रिसॉर्ट रेस्टोरेंट जयपुर बाई पास रोड पर स्थित है जिसमें ठहरने के लिए लग्जरी कमरे, रेस्टोरेंट, शादी पार्टियों के लिए हाल के साथ साथ बड़े बड़े पार्क और स्विमिंग पूल भी बना हुआ है सूत्रों के हवाले से यह लग्जरी आलीशान होटल एक सत्तासीन राजनीतिक कद्दावर नेता की पत्नी के नाम पर बताया जा रहा है, हिन्दुस्तान शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं दिल्ली हाई कोर्ट के एडवोकेट तथा आरटीआई कार्यकर्ता राजेंद्र सिंह तोमर राजा भईया ने आज आरटीआई से एक और बड़ा धमाका करते हुऐ चौंकाने वाला सनसनी खेज खुलासा किया है।

पत्रकारों को सभी दस्तावेज और शिकायतों की प्रतियां देते हुए बताया कि उपरोक्त होटल पार्थ अवैध रूप से बना कर अवैध तरीक़े से नियम व कानून के विरुद्ध चलाया जा रहा है और इस पूरे गोरख धंधे में विशेष तौर से नगर परिषद गंगापुर सिटी के,थाना पुलिस के एवं अन्य संबंधित विभागों के भ्रष्ट अधिकारी भी होटल मालिक और संचालकों से मिले हुऐ हैं, राजा भईया ने आरटीआई से प्राप्त सूचना का हवाला देते हुए बताया कि उन्हें खुद उपरोक्त नगर परिषद आयुक्त ने सूचना देते हुऐ लिखित में सूचित किया है कि उक्त होटल का नगर परिषद से होटल मालिकों को कभी कोई पट्टा जारी नहीं किया गया है और जब पट्टा ही जारी नहीं हुआ तो निर्माण स्वीकृति भी जारी नहीं की गई है और ना ही फायर एनओसी जारी की गई है इसी प्रकार तहसीलदार गंगापुर सिटी द्वारा एक अन्य आरटीआई में सूचना दी गई है कि उपरोक्त होटल पार्थ नगर परिषद गंगापुर सिटी के नाम दर्ज भूमि खसरा नंबर 1252/135 गैर मु. आबादी 0.10 हैक्टेयर में बना हुआ है और इसका कुछ हिस्सा खसरा नंबर 138, रकवा 0.57 ,गैर मु. चारागाह की सरकारी भूमी पर बना हुआ है, बिना पट्टा जारी कराए और बिना निर्माण स्वीकृति के इतना बड़ा होटल बन जाना और बिना फायर एनओसी तथा पुलिस एनओसी आदि के इस होटल में रेस्टोरेंट व स्विमिंग पूल चलाना तथा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करके होटल बना लेना और प्रशाशन द्वारा आंखे मूंदे बैठे रहना अपने आप में अचंभित और हैरान करने वाली बात है।

राजा भईया ने अब इस पूरे प्रकरण की शिकायतें जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक,नगर आयुक्त, उप खण्ड अधिकारी, तहसीलदार गंगापुर सिटी व थाना सदर गंगापुर सिटी के प्रभारी से करते हुऐ होटल मालिक, संचालक तथा संबंधित भ्रष्ट अधिकारी यों के विरुद्ध केस दर्ज कर कानूनी कार्यवाही करने तथा उक्त होटल को तत्काल सील करने एवं ध्वस्त कर सरकारी भूमि को मुक्त कराने हेतु लिखित में रजिस्टर्ड डॉक एवं ई मेल द्वारा की है। उधर

■ भ्रष्टाचार का खेल, संबंधित अधिकारियों की आंख के नीचे हुआ अवैध होटल का निर्माण और जिम्मेदार रहे खामोश

शिकायत मिलते ही गंगापुर सिटी नगर परिषद और क्षेत्रीय प्रशासन में हड़कंप मच गया है क्योंकि मामला एक दवांग सत्तासीन नेता से जुड़ा हुआ है और पूरी तरह अवैधता और भ्रष्टाचार की नींव पर टिका है राजा भईया इससे पहले भी गंगापुर सिटी में कई बड़े घोटाले खोल चुके हैं अब देखना होगा कि उनकी यह मुहिम क्या रंग लाती है, लेकिन एक बात तो साफ है कि उपरोक्त प्रकरण ने भ्रष्टाचार की पूरी पोल खोल कर रख दी है जहां एक ओर आम आदमी बिना निर्माण स्वीकृति के अपने घर के आगे दो सीढ़ियां भी नहीं बना सकता वहीं भ्रष्ट अधिकारियों की मिली भगत के चलते बिना निर्माण स्वीकृति और पट्टा जारी किए इतना बड़ा लग्जरी होटल बन भी गया और अवैध रूप से चल भी रहा है वो भी सरकारी भूमि पर।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चुनाव में नगर विधायक राजीव गुंबर को मिला वोटिंग पैनल में स्थान, भाजपा नेता साबिर मलिक ने विधायक को दी बधाई

लोकतंत्र की आवाज़
साजिद सलमानी
सहारनपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चुनाव में सहारनपुर की राजनीतिक शक्ति एक बार फिर मजबूत दिखाई दी है। नगर विधायक राजीव गुंबर का नाम उस विशेष पैनल में शामिल किया गया है जिसमें प्रदेश अध्यक्ष का चयन करने के लिए पांच सांसद, आठ विधान परिषद सदस्य और आठ विधायक मतदान करेंगे, 13 दिसंबर को नामांकन प्रक्रिया होगी और आवश्यक हुआ तो 14 दिसंबर को मतदान कराया जाएगा। राजीव गुंबर का नाम इस महत्वपूर्ण सूची में शामिल होने से सहारनपुर के राजनीतिक गलियारों में उत्साह है। वहीं इसकी जानकारी मिलते ही भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री साबिर मलिक ने विधायक आवास पर पहुंचकर राजीव गुम्बर को बधाई दी। प्रदेश राजनीति में यह कदम राजीव गुंबर की बढ़ती पकड़ और उनके प्रभावशाली नेतृत्व को दर्शाता है।

उच्च मूल्य वाली फसलों पर चार दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

लोकतंत्र की आवाज

रामजी कुमार
समस्तीपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के अधीनस्थ कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), बिरौली द्वारा ग्रामीण युवक—युवतियों के लिए आयोजित चार दिवसीय उद्यानिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हो गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने उच्च मूल्य वाली फसलों की आधुनिक खेती तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया, जिससे उनकी आय बढ़ाने की नई संभावनाएँ खुलेंगी।

ग्रैफ्टिंग तकनीक पर विस्तृत सत्र : प्रशिक्षण के अंतिम दिन केवीके के उद्यानिकी विशेषज्ञ डॉ. धीरु कुमार तिवारी ने सब्जियों में ग्रैफ्टिंग तकनीक के व्यावहारिक उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्रैफ्टिंग से पौधे अधिक रोग—प्रतिरोधी बनते हैं, उत्पादन बढ़ता है और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी फसल टिकाऊ रहती है।

एवोकैडो की खेती: भविष्य की हाई—वैल्यू क्रॉप: इसके बाद फल विशेषज्ञ डॉ. आशीष पांडा ने प्रतिभागियों को एवोकैडो की खेती की बढ़ती संभावनाओं के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भारत में एवोकैडो की मांग तेजी से बढ़ रही है और इसके उच्च बाज़ार मूल्य को देखते हुए यह किसानो के लिए अत्यंत लाभकारी विकल्प बन सकता है।

समापन समारोह और प्रमाण पत्र वितरण: समापन सत्र में

■ केवीके बिरौली ने ग्रामीण युवाओं को सिखाई उन्नत उद्यानिकी तकनीकें

केवीके बिरौली के अध्यक्ष एवं प्रधान डॉ. आर.के. तिवारी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए आधुनिक तकनीकों को अपनाने और उच्च मूल्य वाली फसलों पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। अंत में सभी 35 प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। केवीके बिरौली का यह प्रयास ग्रामीण युवाओं को उद्यानिकी के उभरते अवसरों से जोड़ते हुए आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गोहन में महिला हत्याकांड में आरोपी युवक गिरफ्तार: 22 दिन पहले जंगल में लकड़ी लेने गई थी महिला

लोक तंत्र की आवाज

उरई जालौन । गोहन थाना क्षेत्र में 22 दिन पहले हुई महिला की हत्या का राज पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। घटना 20 नवंबर 2025 की है। ग्राम जैतपुर निवासी बृजेन्द्र कुमार ने गोहन थाने में सूचना दी थी कि उनकी मां मझली पत्नी श्रीराम रोज की तरह लकड़ी बीनने जंगल गई थीं। लेकिन शाम तक घर नहीं लौटीं। तलाश के दौरान उनका शव गांव के रविन्द्र के खेत के पास एक नाले में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी माधौगढ़ के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान यह पता चला कि मृतका का कुछ लोगों से पूर्व में विवाद हुआ था, जिसके आधार पर पुलिस संदिग्धों की तलाश में जुटी रही। 12 दिसंबर को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कुण्डऊ निवासी लालू पुत्र ओमप्रकाश (22) को गिरफ्तार किया।पूछताछ में आरोपी ने हत्या की बात कबूली की

आरोपी ने बताया कि कुछ दिन पहले जंगल में लकड़ी बीन रही महिलाओं से उसका विवाद हुआ था। मृतका मझली ने भी उसे अपशब्द कहे थे, जिस कारण वह रंजिश रखता था। घटना वाले दिन जब उसने मझली को नाले के पास अकेला देखा, तो दोनों के बीच फिर कहासुनी हो गई। गुस्से में उसने महिला का गला दबाकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही इस हत्या का सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है।

पीरपैंती में गुड़ की मिठास फिर से आने आने की संभावना

लोकतंत्र की आवाज

केदार नाथ पाण्डेय
पीरपैंती। पीरपैंती प्रखंड में गुड़ की मिठास पुनः वापस आने की संभावना प्रवल होती नजर आ रही है।1980 से 90 के दशक में पीरपैंती गन्ना उत्पादन का प्रमुख केंद्र था। पीरपैंती के गुड की मिठास पूरे बिहार सहित अन्य राज्यों में फैली हुई थी। वक्त की मार ने किसानों की कमर तोड़ दी।

एक समय हजारों एकड़ भूमि में गन्ने की खेती की जाती थी। लेकिन बदलते समय में महंगी खाद, अच्छी बीज,सिंचाई की महंगे साधन उपलब्ध नहीं होने से किसानों ने गन्ने की खेती से मुंह मोड़ लिया।

इधर नव—निर्वाचित भाजपा विधायक मुरारी पासवान ने किसानों को नई सौगात देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा 'पीरपैंती में चीनी मिल स्थापित की जाएगी।' इस घोषणा ने वर्षों से हताश किसानों में फिर उम्मीद जगा दी है। फिलहाल सबकी नज़रें समय पर टिकी हैं। कब यह सौगात वास्तविकता में बदलेगी? सरकारी योजनाओं की नाकामी के कारण पीरपैंती के गुड़ की मिठास जमींदोज हो गई। इन सबने मिलकर उस खेती को निगल लिया, जिसने कभी पीरपैंती को देश के गुड़ मानचित्र में चमकाया था।

गन्ना सिर्फ एक फसल नहीं पीरपैंती की परंपरा, रोज़गार और पहचान था। आज किसान खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। लेकिन चीनी मिल की घोषणा में उन्हें एक नयी उम्मीद दिखाई दे रही है। यदि यह वादा सच हुआ तो शायद पीरपैंती की मिट्टी में फिर से मिठास लौट आएगी।

वही गुड़ की खुशबू, वही उत्साह और वही आत्मनिर्भर किसान। किसान विकाश सिंह राठौड़ ने बताया कि अब धीरे धीरे किसानों में बदलाव आया है। किसान गन्ने की खेती पुनः प्रारंभ करने की कोशिश में लगे हुए हैं। आने वाले भविष्य में पीरपैंती के किसान का भाग्य उदय होने की संभावना प्रवल होती नजर आ रही है।

जे.एम.एस.एन.कटिहार में एक विशेष शैक्षणिक सत्र का किया गया आयोजन

लोकतंत्र की आवाज

प्रवीण कुमार
कटिहार। जे.एम.एस.एन.कटिहार में आज एक विशेष शैक्षणिक सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में आई.एस.एम. (धनबाद), एन.आई.टी. तथा हेरियट—वॉट यूनिवर्सिटी (यू.के.) के पूर्व निदेशक आदरणीय प्रो. तरतारकिशोर कुमार ने छात्रों को संबोधित किया।

विद्यालय पहुँचने पर निदेशक डॉ. एस. के. सुमन ने उन्हें बुके और सौल देकर हार्दिक स्वागत व अभिनंदन किया वर्ग दशम के अफ़ीफ़ा, करिश्मा, बबीता, अनुष्का,प्रगति, तृषा ने स्वागत गान से अतिथि को अपने तरफ़ आकर्षित किया।प्राचार्य ए. के. निराला, एसेडमिक एडमिनिस्ट्रेटर एजिकल संगमा, एसेडमिक इंचार्ज रौशन तरुण, तथा वरिष्ठ शिक्षक बी.के. वर्मा, मिथिलेश सिंह, मिथिलेश झा, अनुरंजन, एन. झा, अमित, जयन्त, योगेश, अशोक एवं टी. मंडल, लोकनाथ लोकप्रिय, निशा, ख़ुशबू, सीमा, मोनालिसा, नेहा मनीषा, सलोनी, कमरूल, अवराज, सत्येंद्र सिंह भी उपस्थित रहे।

अपने प्रेरक उद्बोधन में प्रो. कुमार ने छात्रों को सबसे पहले समय कमाने और समय का सदुपयोग करने की मूल अवधारणा समझाई। उन्होंने कहा कि समय प्रबंधन ही किसी भी सफलता की पहली और सबसे आवश्यक कुंजी है।

■ जयमाला शिक्षा निकेतन कटिहार में पूर्व निदेशक प्रो. तारकिशोर कुमार का प्रेरक संबोधन

उन्होंने छात्रों को यह भी समझाया कि कम अंक आने पर तनाव लेने की आवश्यकता नहीं, बल्कि अपनी गलतियों से सीखकर और अनुशासन को अपनाकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने अनेक महान वैज्ञानिकों और खोजकर्ताओं जैसे जेम्स वॉट, रदरफोर्ड, आइंस्टाइन, थॉमस अल्वा एडिसन आदि के उदाहरण देकर बताया कि उन्होंने अपने जीवन में कितनी कठिनाइयों का सामना करते हुए अपने समय और ऊर्जा का सही उपयोग किया।तभी वे महान आविष्कार कर सके।

विधायक मुरारी पासवान ने किया कई स्थलों का औचक निरीक्षण

लोकतन्त्र की आवाज

केदार नाथ पाण्डेय
पीरपैंती। पीरपैंती विधानसभा के निर्वाचित विधायक मुरारी पासवान लगातार अपने विधानसभा में औचक निरीक्षक को जा रहे हैं। उन्होंने शिव नारायणपुर + 2 महाविद्यालय, शिवनारायणपुर उप स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में एक चिकित्सक को अनुपस्थित पाया गया।इसके लेकर जिला चिकित्सा पदाधिकारी से बात की गई। उन्होंने उचित कार्रवाई का भरोसा दिया। दूसरी ओर प्रिय प्रदर्शनी विवाह भवन में उन्होंने छात्रों/ छात्राओं को संबोधित करते हुए देश का अच्छा नागरिक बनने का गुर बताए।

साथ ही साथ उन्होंने स्थानीय साइंस एकेडमी सहित अन्य कोचिंग संस्थानों में भी जाकर छात्रों का छात्राओं का हौसला अफजाई किया।

बदलीगंज में फेयर वेल कार्यक्रम में शामिल हुए।अंत में आत्मनिर्भर भारत , कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भागलपुर रवाना हो गए । विधायक ने बताया कि हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी का नारा बुलंद किया।इस अवसर पर

विधायक के साथ ऋषिकेश सिंह ,भरत भूषण ,अशोक कुमार ,सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे। भागलपुर के कार्यक्रम में भागलपुर के नव निर्वाचित विधायक रोहित पांडे, जिला अध्यक्ष संतोष कुमार, के साथ उन्होंने कार्यक्रम में भाग लिया।

मुरारी पासवान में स्पष्ट रूप से कहा कि सभी पदाधिकारी समय पर अपने कार्य स्थल पर अपने कार्य का निर्वहन करें । अगर अच्छा से नहीं तो उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लोकतंत्र की आवाज
स्वयत्ताधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक राजेन्द्र कुमार पांडेय एवं समाचार संपादक धर्मजीत कुमार सिन्हा, प्रभारी संपादक ललित किशोर शर्मा व कार्यपालक संपादक शैलेश कुमार के द्वारा आवाज कंप्यूटराईज प्रिंटिंग प्रेस रामनगर नवादा, पिन-805110 से प्रकाशित किया। यह समाचार पत्र मगध की आवाज का दैनिक डिजीटल संस्करण है। मो. नंबर-9525278483, 6200031466, 9934475082, 6204469540, 9431227058 है किसी भी वाद-विवाद का निपटरा नवादा न्यायालय के अधीन होगा।